CMYK

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम : 32°C
न्यूनतम : 20°C

हल्द्वानी, बुधवार 3 जून 2026 हल्द्वानी संस्करण: वर्ष 23 अंक 276 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com आषाढ़ कृष्ण पक्ष 2 विक्रमी सम्वत् 2083 16 जिलहिज्जा 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

महबूबा ने की जम्मू-कश्मीर पर संवाद के लिए साझा प्रतिनिधिमंडल भेजने की अपील पेज 2

आरसीबी की जीत के बाद वृंदावन पहुंचे विराट-अनुष्का खेल टाइम्स

टूटते भरोसे के वेंटिलेटर पर देश की परीक्षा व्यवस्था सम्पादकीय

लेबनान पर इजरायली हमले से ट्रम्प नाराज, नेतन्याहू को फटकार लगाई पेज 12

संक्षिप्त समाचार

सुप्रीम कोर्ट में पांच नए न्यायाधीशों ने ली पद की शपथ

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय में नियुक्त किए गए पांच नए न्यायाधीशों ने मंगलवार को पद की शपथ ले ली। इसके साथ ही शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 37 हो गई है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने उच्चतम न्यायालय के ऑडिटोरियम में आयोजित एक समारोह में न्यायमूर्ति शील नागू, न्यायमूर्ति श्रीचंद्रशेखर, न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा और न्यायमूर्ति अरुण पल्ली के साथ-साथ वरिष्ठ अधिवक्ता वी मोहना को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम द्वारा पिछले महीने की गई सिफारिशों के बाद केंद्र सरकार ने सोमवार को नियुक्तियों की अधिसूचना जारी की थी।

कर्नाटक में मंत्री पदों को दौड़ हुई तेज, 40 MLA पहुंचे दिल्ली

बेंगलुरु/नई दिल्ली। कर्नाटक मंत्रिमंडल में महज उपलब्ध दस मंत्री पदों की होड़ में शामिल कांग्रेस के चालीस विधायकों ने नई दिल्ली को राज्य की राजनीति का मुख्य केंद्र बना दिया है। इस कारण बुधवार को मनोनीत मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के शपथ ग्रहण समारोह से पहले लॉबिंग और उच्च स्तरीय विचार-विमर्श का दौर तेज हो गया है। कांग्रेस आलाकमान की ओर से मंत्रिमंडल के गठन को अंतिम रूप दिया जाना हालांकि अभी बाकी है। ऐसे में 40 से अधिक विधायक नई सरकार में शामिल होने का दावा ठोंकने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में डेरा डाले हुए हैं। दावेदारों की इस भारी भीड़ ने मंत्रिमंडल गठन की कवायद को पेचीदा बना दिया है।

NHRC ने 53 गर्भवती महिलाओं की मौत का स्वत: संज्ञान लिया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने मध्य प्रदेश के सिंधी जिले में चिकित्सा सुविधाओं और जागरूकता के अभाव के कारण एक वर्ष के भीतर 53 गर्भवती महिलाओं की मौत होने की खबर का स्वत: संज्ञान लिया है। एनएचआरसी ने मंगलवार को बताया कि आयोग ने मामले को मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन से जुड़ा बताते हुए मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि मीडिया रिपोर्टों के अनुसार अप्रैल 2025 से मार्च 2026 के बीच सिंधी जिले में प्रसव पूर्व और प्रसव के बाद कुल 53 महिलाओं की मौत हुई।

प्रधानमंत्री रिसर्च चेयर योजना के लिए आवेदन शुरू

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग की ओर से प्रधानमंत्री रिसर्च चेयर (पीएमआरसी) योजना 2026 के लिए आवेदन शुरू हो गए हैं। शिक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि पीएमआरसी केंद्र सरकार की एक प्रमुख राष्ट्रीय पहल है जिसका उद्देश्य दुनिया भर में कार्यरत भारतीय मूल के उत्कृष्ट शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों, तकनीकी विशेषज्ञों और पेशेवरों को भारत के शीर्ष उच्च शिक्षण संस्थानों, राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं और अनुसंधान केंद्रों से जोड़ना है।

नई दिल्ली: आईजीआई हवाई अड्डे के टर्मिनल-3 पर सऊदी अरब से लौटने वाली पहली उड़ान से आए एक हज यात्री का अभिवादन करते केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजु।

वेदांता समूह के परिसरों पर ईडी की छापेमारी

शाह टाइम्स ब्यूरो

- **फेमा के उल्लंघन का आरोप**

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के नियमों के कथित उल्लंघन के मामले में मंगलवार को अनिल अग्रवाल के नेतृत्व वाले वेदांता समूह के परिसरों पर छापेमारी की।

यह छापेमारी वेदांता द्वारा अपनी मुख्य कंपनी वेदांता रिसोर्सेज को किए गए रॉयल्टी भुगतान की जांच के सिलसिले में समूह के मुंबई और दिल्ली स्थित कार्यालयों पर की जा रही है। इस मामले पर वेदांता के प्रवक्ता ने कहा कि हम अधिकारियों को पूरा सहयोग दे रहे हैं और मांगी गई सभी जानकारी उपलब्ध करा रहे हैं। कंपनी सभी लागू कानूनों और नियमों का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है। चूंकि यह मामला अभी नियामक प्रक्रिया के अधीन है, इसलिए हम इस स्तर पर आगे कोई टिप्पणी करने में असमर्थ हैं। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब कंपनी अपने कारोबार को चार नई सूचीबद्ध कंपनियों में बांटने (डी मर्जर) की प्रक्रिया में जुटी है। कंपनी को इस बंटवारे की प्रक्रिया के लिए विभिन्न विनियामक मंजूरियां भी मिल चुकी हैं। प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी की रिपोर्टों के बाद वेदांता के शेयरों पर बिकवाली का दबाव देखा गया और वे घाटे में चले गए।

सलीम डोला के ड्रग तस्करी नेटवर्क की जांच के सिलसिले में चार शहरों में छापे

नई दिल्ली। ईडी ने सलीम इस्माइल डोला और उसके सहयोगियों द्वारा कथित रूप से संचालित अंतर्राष्ट्रीय संगठित नशीले पदार्थ तस्करी गिरोह के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के तहत जारी जांच के सिलसिले में मुंबई, सूरत, अंकलेश्वर और राजकोट में 20 स्थानों पर व्यापक तलाशी अभियान चलाया।

ओएसएम विवाद के बाद सरकार का एक्शन

CBSE चेयरमैन और सचिव का किया तबादला

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सीबीएसई से जुड़े मामलों में बड़ा प्रशासनिक कदम उठाते हुए बोर्ड के चेयरमैन राहुल सिंह और सचिव हिमांशु गुप्ता का तबादला कर दिया है। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी लोखंडे प्रशांत सीताराम को चेयरमैन व सीनियर ब्यूरोक्रेट वरुण भारद्वाज को सचिव नियुक्तकिया गया है। इसके साथ ही सीबीएसई द्वारा ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) सेवाओं की खरीद प्रक्रिया की जांच के लिए एक विशेष जांच समिति का गठन किया गया है। सूत्रों के अनुसार यह जांच समिति ओएसएम सेवाओं की खरीद, टेंडर प्रक्रिया और उससे जुड़े विभिन्न पहलुओं की पड़ताल करेगी।

जारी आदेश के अनुसार इस जांच समिति की अध्यक्षता कैपेसिटी बिल्डिंग कमीशन की चेयरपर्सन एस. राधा चौहान करेंगी। समिति को सीबीएसई द्वारा ओएसएम सिस्टम के लिए सेवाओं की खरीद से जुड़े सभी मामलों की जांच करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सरकारी आदेश में कहा गया है कि समिति की अध्यक्ष एस. राधा चौहान आवश्यकता पड़ने पर अन्य विभागों और कार्यालयों के अधिकारियों की सहायता भी ले सकेंगी। वहीं समिति को सचिवीय सहायता कैपेसिटी बिल्डिंग कमेटी द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। सरकार ने जांच समिति को अपनी रिपोर्ट एक महीने के भीतर कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) को सौंपने के निर्देश दिए हैं।

ओएसएम खरीद प्रक्रिया की होगी जांच, लोखंडे प्रशांत सीताराम को चेयरमैन और वरुण भारद्वाज को सचिव नियुक्त किया

सीबीएसई: री-इवैल्यूएशन पोर्टल पर बड़ा साइबर हमला

दो मिनट में आए 15 लाख हिट, अब तक 16 हजार छात्रों ने भरा फॉर्म

नई दिल्ली। सीबीएसई के री-इवैल्यूएशन पोर्टल पर मंगलवार को भारी ट्रैफिक के बीच साइबर अटैक की कोशिश की गई। बोर्ड के अनुसार कुछ दुर्भावनापूर्ण तत्वों ने पोर्टल की सेवाओं को बाधित करने के लिए लगातार साइबर हमले किए। इसके बावजूद हजारों छात्रों ने सफलतापूर्वक अपनी आवेदन प्रक्रिया पूरी की। सीबीएसई ने जानकारी दी कि फिलहाल री-इवैल्यूएशन पोर्टल एक समय में 8,000 से अधिक रीयल टाइम यूजर्स को सपोर्ट कर रहा है। मंगलवार दोपहर 3 बजे तक 16,000 से ज्यादा छात्र सफलतापूर्वक अपने आवेदन जमा कर चुके थे। बोर्ड के अनुसार हाल ही में पोर्टल पर डिनायल ऑफ सर्विस (डीओएस) अटैक की कोशिश की गई। इस दौरान महज 2 मिनट के भीतर पोर्टल पर करीब 15 लाख हिट दर्ज किए गए।

सलमान खान ने 'काला हिरण' के निर्माताओं को भेजा कानूनी नोटिस

- **आरोप लगाया: फिल्म से उनके व्यक्तित्व संबंधी अधिकारों का घोर उल्लंघन हुआ**

मुंबई। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने 'काला हिरण' फिल्म के निर्माताओं को एक कानूनी नोटिस भेजा है।

बताया जा रहा है कि यह फिल्म 1998 के काले हिरण (ब्लैक बक) के शिकार के मामले से प्रेरित है। सलमान खान ने आरोप लगाया है कि इस फिल्म से उनके व्यक्तित्व संबंधी अधिकारों का घोर उल्लंघन हुआ है और उन्होंने फिल्म की रिलीज और इसके प्रचार-प्रसार से जुड़ी सभी गतिविधियों को रोकने की मांग की है। सलमान खान के कानूनी प्रतिनिधियों ने फिल्म के कास्टिंग निदेशक अक्षय पांडे को जारी किए गए नोटिस में यह तर्क दिया गया है कि यह प्रोजेक्ट काले हिरण मामले से जुड़ी चल रही न्यायिक कार्यवाही पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है और अभिनेता की प्रतिष्ठा को अपूरणीय क्षति पहुंचा सकता है। नोटिस के अनुसार, ब्लैक बक मामला अभी भी राजस्थान उच्च न्यायालय में लंबित है। इस मामले का कोई भी नाटकीय या सनसनीखेज चित्रण सलमान खान के खिलाफ पूर्वाग्रह पैदा कर सकता है और निष्पक्ष सुनवाई के उनके अधिकार को कमजोर कर सकता है। कानूनी टीम ने तर्क दिया है कि फिल्म की सामग्री, विचाराधीन मामले के बारे में जनता की राय को प्रभावित करके, न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर सकती है। नोटिस में कहा गया है कि खान के प्रतिनिधियों को इस फिल्म के बारे में तब पता चला, जब ऐसी खबरें आईं कि फिल्म निर्माता अभिनेताओं से संपर्क कर रहे हैं और प्रचार सामग्री बांट रहे हैं। इस सामग्री में फिल्म की कहानी और किरदारों के रेखाचित्र शामिल थे, जिनमें कथित तौर पर अभिनेता और 'ब्लैक बक मामले' का जिक्र किया गया था। सलमान खान की कानूनी टीम ने यह साफ किया है कि उन्होंने फिल्म के लिए अपने नाम, व्यक्तित्व, शक्ल या उनसे जुड़ी किसी भी घटना के इस्तेमाल की न तो इजाजत दी है और न ही सहमति दी है। वहीं, फिल्म निर्माता अमित जानी ने इस लीगल नोटिस को जल्दबाजी में उठाया गया कदम बताया है और इस बात से इन्कार किया है कि 'काला हिरण: द बैटल फॉर लीगेसी' सलमान खान पर बनी कोई बायोपिक फिल्म है। श्री जानी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह फिल्म किसी अभिनेता पर केंद्रित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक कहानी है, जो सार्वजनिक रूप से उपलब्ध घटनाओं और वन्यजीव संरक्षण के प्रति बिश्नोई समुदाय की लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता पर आधारित है। फिल्म निर्माताओं ने अभी तक यह संकेत नहीं दिया है कि नोटिस मिलने के बाद वे इस प्रोजेक्ट में कोई बदलाव करेंगे या नहीं।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में दो जगह बादल फटे

- **राजस्थान-एमपी में आंधी-बारिश से पांच लोगों की मौत**

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के गहन सरथल और माछीपाल इलाके में मंगलवार को बादल फटे हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, हालात का जायजा लेने के लिए प्रशासन की टीमें मौके पर भेजी गई हैं। लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है। मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून 4 जून को केरलम के तट पर पहुंच सकता है। पहले 26 मई को केरलम पहुंचने का अनुमान था। मानसून आमतौर पर एक जून के आसपास केरलम पहुंचता है और अगले डेढ़ महीने में पूरे देश को कवर करता है। 23 राज्यों में जून की शुरुआत के साथ गर्मी से राहत मिली है।

सुवेंदु सरकार के खिलाफ ममता का धरना

कोलकाता, वार्ता

- **टीएमसी प्रमुख बोलीं: भाजपा ने 177 सीटों पर की धांधली, कार्यकर्ताओं को रोक रही पुलिस**

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस इस करारी हार के बाद चुनाव में धांधली के आरोप लगा रही है। दोनों दलों के आक्रामक तेवरों के बीच मंगलवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विरोध-प्रदर्शन का ऐलान किया।

टीएमसी की तरफ से हुए इस हल्लाबोल के बीच भाजपा ने सोनारपुर में हुई मारपीट और हिंसा के मामले में तृणमूल को घेरा है। सीएम ममता ने कहा कि भाजपा ने 294 में से 177 विधानसभा सीटों पर मतगणना में धांधली की। पुलिस ने धरने की अनुमति नहीं दी, फिर भी प्रदर्शन लोकतांत्रिक तरीके से जारी रहेगा।

नेपाल से सीमा विवाद में तीसरे पक्ष का रोल बर्दाश्त नहीं: भारत

- **दोनों देशों के बीच करीब 98 प्रतिशत सीमा का निर्धारण पहले ही किया जा चुका**
- **कुछ हिस्सों पर अभी भी सहमति बननी बाकी: जायसवाल**

नई दिल्ली। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भारत-नेपाल सीमा से जुड़े नेपाली पीएम बालेन शाह के हालिया बयान पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच करीब 98 प्रतिशत सीमा का निर्धारण पहले ही किया जा चुका है, लेकिन कुछ हिस्सों पर अभी भी सहमति बननी बाकी है।

उन्होंने बताया कि गंडक नदी का रास्ता बदलने की वजह से कुछ इलाकों में सीमा से जुड़े सवाल पैदा हुए हैं। इसके अलावा, कुछ जगहों पर सीमा पार कब्जे और नो-मैन्स लैंड पर अतिक्रमण के मामले भी हैं, जिनकी दोनों देश मिलकर मैपिंग कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार, सीमा से जुड़े सभी मुद्दों पर चर्चा और समाधान के लिए भारत और नेपाल के बीच पहले से द्विपक्षीय तंत्र मौजूद हैं। भारत-नेपाल सीमा का मामला दोनों देशों के बीच का विषय है और इसमें किसी तीसरे पक्ष की कोई भूमिका नहीं है। दरअसल नेपाली पीएम बालेन शाह ने हाल ही में नेपाल की संसद में कहा था कि सीमा विवाद से जुड़े मुद्दे बातचीत से सुलझाने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा था कि इस मामले में ब्रिटेन की भूमिका हो सकती है, क्योंकि 1816 की सुगौली की संधि ब्रिटिश भारत और नेपाल के बीच हुई थी।

विदेशियों के लिए भारत में रहने के नियम बदले

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने विदेशी नागरिकों के भारत में रहने के नियमों में बदलाव किया है। गृह मंत्रालय ने इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स (संशोधन) नियम, 2026 की अधिसूचना जारी करके रजिस्ट्रेशन और अपील से जुड़े नियमों में बदलाव की जानकारी दी। नए नियमों के मुताबिक विदेशी नागरिक अब भारत में उसके रहने के 180 दिन पूरे होने से पहले कभी भी रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे। साथ ही ऑनलाइन अपील का ऑप्शन भी कर सकेंगे।

मैं सुष्मिता के खर्च पर पलने वाला बॉयफ्रेंड था: ललित मोदी

- **आईपीएल के पूर्व बॉस ललित मोदी ने किया खुलासा**
- **एक्ट्रेस संग ब्रेकअप की वजह भी बताई**

नई दिल्ली। 2022 में जब बॉलीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन और आईपीएल के पूर्व बॉस ललित मोदी के अफेयर की खबरें आईं, तो दुनिया ने सुष्मिता को न जाने कितने गंदे ताने दिए थे, लेकिन मंगलवार को एंटरटेनमेंट की दुनिया से एक ऐसी खबर आई है जिसने हर किसी को चौंका दिया है।

खुद ललित मोदी ने इस राज पर से ऐसा पर्दा उठाया है कि ट्रोलर्स के मुंह पर ताला लग गया है। ललित मोदी ने साफ कह दिया है कि भाई साहब, सुष्मिता मेरे पैसों पर नहीं पल रही थीं, बल्कि कहानी तो एकदम उल्टी थी। ललित मोदी ने ये भी खुलासा किया कि वे एक्ट्रेस के खर्चे पर पलने वाले बायफ्रेंड थे। दरअसल ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे के साथ हाल ही में हुई बातचीत में ललित मोदी ने सुष्मिता को अपनी लाइफ के सबसे जरूरी लोगों में से एक बताया और खुलासा किया कि उनके ब्रेकअप में दूरी ने अहम भूमिका निभाई थी। लंदन में रहने वाले इस कारोबारी के अनुसार, दोनों के बीच कोई ड्रामैटिक ब्रेकअप नहीं हुआ था। बल्कि, धीरे-धीरे दोनों की जिंदगी अलग-अलग डायरेक्शन में आगे बढ़ गई थी, सुष्मिता भारत में बस गईं और वह लंदन में रहने लगे थे। अपने रिश्ते को याद करते हुए उन्होंने कहा कि सुष्मिता मेरे लिए बहुत खास थीं। उन्होंने मुझे कई मायनों में मैच्योर होने में मदद की और वह बेहद खास थीं, उस समय वह मेरी लाइफ का एक अहम हिस्सा थीं और आगे भी होतीं, बस दूरियां हमारे लिए बहुत ज्यादा थीं। उनका करियर भारत में था, और मेरी लाइफ लंदन में। लेकिन हमारा रिश्ता बहुत ही खास था और उनकी प्यारी यादें मेरे दिल में बसी हैं। वह आज भी मेरी बहुत प्यारी दोस्त हैं। मैं उनके लिए शुभकामनाएं देता हूं। वह एक वंडरफुल महिला हैं और उन्होंने रेने और अलीशा नाम की दो बेटियों के लिए जो कुछ किया है, वह वाकई सराहनीय है। वह एक बहुत ही खास महिला हैं। उन्होंने आगे कहा कि उनके माता-पिता बहुत खास हैं, और एक सिंगल मदर होने के बावजूद उन्होंने अपने जीवन में बहुत कुछ हासिल किया है।

संक्षिप्त समाचार

जून के बिजली बिल में 10 प्रतिशत सरचार्ज पर रोक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिली है। जून महीने के बिजली बिलों पर प्रस्तावित 10 फीसदी फ्यूल सरचार्ज पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। विद्युत नियामक आयोग ने इस मामले में यूपी पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) को नोटिस जारी कर सात दिनों के भीतर जवाब मांगा है। कुछ दिन पहले यूपीपीसीएल ने जून के बिजली बिलों में 10 फीसदी फ्यूल सरचार्ज लगाने का ऐलान किया था। हालांकि आयोग का कहना है कि ये सरचार्ज नियमों के अनुरूप नहीं है। इस फैसले से प्रदेश के करीब 3 करोड़ बिजली उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी और जून के बिलों में अतिरिक्त शुल्क नहीं देना पड़ेगा।

2027 में भी साथ होगी राहुल और अखिलेश की जोड़ी!

लखनऊ। यूपी में 2027 विधानसभा चुनावों के लिए सपा और कांग्रेस के बीच संभावित गठबंधन पर मंथन जारी है। माना जा रहा है कि सपा कांग्रेस को 70-75 सीटें दे सकती है। इसके लिए एक सर्वे कराया जा रहा है, जिसकी निगरानी अखिलेश यादव खुद कर रहे हैं। हालांकि सीट बंटवारे को लेकर दोनों दलों में आंतरिक मतभेद भी सामने आ रहे हैं। डील फाइनल करने से पहले सपा ने अपनी पार्टी में रिटायर्ड आईएएस आलोक रंजन को सर्वे की जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक आलोक रंजन ने अपनी सर्वे रिपोर्ट सपा सुप्रीमो को सौंप भी दी है। इसमें उन्होंने गठबंधन के तहत कांग्रेस को 70 से 75 सीटें देने का सुझाव दिया है। सपा ने कांग्रेस के साथ गठबंधन के लिए जो फार्मूला तय किया है, उसके लिए सबसे पहले संभावित उम्मीदवारों की जमीनी पकड़ मजबूत होने की बात कही गई है।

यूपी में पांच दिन फिर बारिश का अलर्ट

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। पिछले दिनों सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ अब धीरे-धीरे कमजोर पड़ रहा है, जिसकी वजह से उत्तर प्रदेश में आंधी पानी और ओले गिरने का सिलसिला कम होगा। प्रदेश के पश्चिमी इलाकों में आज और आने वाले 5-6 दिनों तक कुछ स्थानों पर गरज चमक के साथ बारिश और तेज रफ्तार हवा चल सकती है। वहीं पूर्वी उत्तर प्रदेश में मौसम ड्राई रहेगा। पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी दो-तीन दिन बाद कुछ स्थान पर गरज चमक के साथ बारिश और आंधी चलने की संभावना है।

मौसम वैज्ञानिक डॉक्टर अतुल सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश में आंधी और बारिश की तीव्रता में आने वाले दिनों में कमी आएगी, जिसकी वजह से अधिकतम तापमान में 4 से 6 डिग्री और न्यूनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना

बारिश में भीग गए नौतपा, फर्रुखाबाद सबसे गर्म जिला रहा, गरज चमक के साथ तेज हवाएं भी चलेंगी, तापमान में होगी गिरावट

है। बीच-बीच में बादलों की आवाजाही और कुछ इलाकों में हल्की बारिश के कारण 6-7 दिनों तक हीट वेव कंडीशन से प्रदेशवासियों को राहत मिली रहेगी। पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक बारिश संभल जिले में 34.7 मिली मीटर रिकॉर्ड की गई, इसके अलावा मुरादाबाद में 19.2 मिलीमीटर, बुलंदशहर 10.8 मिलीमीटर, इटावा 8.8 मिलीमीटर, अमरोहा 7.8 मिमी, लखनऊ 7.4 मिमी, कन्नौज 7.4 मिलीमीटर, हरदोई 10.01 मिमी, बलिया 9.6 मिमी रिकॉर्ड की गई। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार बादलों की आवाजाही रहेगी, कुछ स्थानों पर गरज चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है।

अधिकतम तापमान 36 और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। सोमवार को उत्तर प्रदेश का फर्रुखाबाद सबसे गर्म जिला रहा, यहां पर अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो कि सामान्य से 1 डिग्री सेल्सियस अधिक है। वहीं सबसे कम न्यूनतम तापमान हरदोई जिले में 19 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो कि सामान्य से 8 डिग्री सेल्सियस कम है।

खिलाड़ी की हत्या के दोषियों पर हो कार्रवाई

मायावती-अखिलेश ने सरकार को घेरा

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले की चर्चित राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी अनुष्का पाल मर्डर केस को लेकर बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गहरा दुख व्यक्त किया है।

बसपा चीफ मायावती ने इस मामले को लेकर अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट कर इसे अत्यंत दुखद और चिंताजनक बताया।वहीं यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश ने इस मामले में सीएम योगी आदित्यनाथ को घेरा। बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि यह वारदात समाज को झकझोर देने वाली है। उन्होंने इस मामले के सभी दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। मायावती ने लिखा, यूपी के जिला मेरठ की सरधना विधानसभा क्षेत्र के ग्राम चिरोड़ी की लगभग 17 वर्षीय बेटी एंव राष्ट्रीय

कबड्डी खिलाड़ी की हत्या समाज को झकझोर देने वाली है: बसपा

उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था ठप, रोज हो रही हैं हत्याएं: सपा

कबड्डी खिलाड़ी अनुष्का पाल की बदमाशों द्वारा की गई हत्या की खबर अत्यंत दुखद एंव चिंताजनक है। सरकार इस जघन्य अपराध में शामिल सभी दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित कर उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई करे, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके तथा भविष्य में ऐसी घटना की पुन. रावृति न हो। वहीं कन्नौज सांसद ने लिखा कि पश्चिमी उप्र में एशियन गेम्स में चयनित पैरा एथलीट चिराग त्यागी की हत्या, राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी अनुष्का पाल की हत्या, सूर्या चौहान और एक दूध व्यापारी की हत्या, उप्र की कानून व्यवस्था के ठप होने का प्रतीक है। गृह नामक कोई मंत्रालय यूपी में है क्या या अपराधियों के दुस्साहस को देखकर अंडरग्राउंड हो गया है।

जम्मू-कश्मीर पर संवाद के लिए साझा शिष्ट मंडल भेजा जाए

श्रीनगर, वार्ता

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने जम्मू-कश्मीर में शांति और नए सिरे से संवाद को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पक्षों से एकजुट होकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से संपर्क साधने का आह्वान किया है।

सुश्री महबूबा ने एक जून को मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, भाजपा नेता एवं विपक्ष के नेता सुनील शर्मा, जम्मू-कश्मीर कांग्रेस अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा और कई अन्य राजनीतिक और नागरिक समाज के नेताओं को संबोधित अलग-अलग पत्रों में कहा कि जम्मू-कश्मीर खुद को एक बार फिर इतिहास के उस चौराहे पर खड़ा पा रहा है, जहां निराशा और मोहभंग की व्यापक भावना ने राज्य को जकड़ लिया है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर पर निरंतर संवाद फिर से शुरू करने के लिए

मोदी और गृह मंत्री शाह के पास एक संयुक्त प्रतिनिधिमंडल भेजने की वकालत की। पीडीपी प्रमुख ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश के लोगों की आकांक्षाओं, शिकायतों और चिंताओं को राष्ट्रीय स्तर पर व्यक्त करने के लिए एक सामूहिक एवं समन्वित आवाज की आवश्यकता है। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा ने कहा कि लेह सर्वोच्च निकाय और कारगिल लोकतांत्रिक गठबंधन द्वारा केंद्र के साथ हाल ही में प्राप्त की गई सफलताएं एक महत्वपूर्ण सबक देती हैं कि केवल संवाद से ही सार्थक परिणाम प्राप्त किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री का ऐलान, फाजिलनगर का नाम पावागढ़ होगा

यूपी में माफिया-मच्छर दोनों खत्म: सीएम योगी

लखनऊ, वार्ता

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कुशीनगर में समाजवादी पार्टी पर बड़ा हमला बोलते हुए पिछली सरकारों की सत्ता को जंगल राज बताया और कहा कि पहले यहां न बिजली थी और न पानी। हमने मच्छर और माफिया दोनों को खत्म किया। सीएम योगी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने यूपी की तस्वीर बदली। इस दौरान उन्होंने फाजिलनगर का नाम भगवान महावीर के नाम पर होगा।

उन्होंने कहा कि पहले यूपी में जंगल पार्टी का आंतक था। कुशीनगर में 9 साल पहले भूख से मौत होती थी। पिछली सरकारों के पाप से गरीब भूख से मर रहा था। आम जनता माफिया से परेशान थी। यूपी के अंदर कोई सुविधा नहीं थी। बाहर पहचान का संकट था। सीएम

समाजवादी पार्टी पर बोला जमकर हमला, मच्छर बीमारी लाता है, तो माफिया बेरोजगारी

योगी ने कहा कि फाजिलनगर का नाम बदला जाएगा, इसका का नाम पावागढ़ होगा। हम फाजिल क्यों कहें? सीएम ने कहा कि मच्छर बीमारी लाता था और माफिया बेरोजगारी। बीमारी और बेरोजगारी की समस्या का समाधान करके आज उत्तर प्रदेश में जब कोई नौकरी निकलती है, तो उसमें हमारे कुशीनगर के नौजवान भी नियुक्ति पत्र प्राप्त करते हैं। सीएम योगी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने यूपी की तस्वीर बदली। उन्होंने कहा कि हर सरकार का अपना एक विजन होता है। 2022 से पहले कोई भी विकास के बारे में नहीं सोचता था। यहां तमकुही राज को महज मजाक का पात्र बनाकर रख दिया गया था। मगर आज मैं यह कह सकता हूं कि तमकुही राज के अंतर्गत स्थानीय विधायक पूरी लगन से काम करते हैं, विभिन्न योजनाएं लेकर आते हैं और सांसद भी इसमें सक्रिय भूमिका निभाते हैं। विधायक और सांसद मिलकर काम करते हैं, ताकि आपकी मांगों को जमीनी हकीकत में बदला जा सके। इसके अलावा हमने अब फाजिलनगर का नाम बदलने का प्रस्ताव रखा है। अब इसे फाजिलनगर के नाम से नहीं जाना जाएगा, बल्कि हम इसे भगवान महावीर को श्रद्धांजलि के रूप में 'पावागढ़' के तौर पर एक नई पहचान देने जा रहे हैं।

हर जरूरतमंद को मिले कल्याणकारी योजनाओं का लाभ

गोरखपुर। सीएम योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र नागरिक तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 200 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और कहा कि आवास से लेकर इलाज तक, बिटिया की पघई, विवाह से लेकर निराश्रित, बुजुर्ग के पेंशन तक समाज के हर जरूरतमंद के लिए सरकार की अनेक योजनाएं हैं। सभी पात्र लोगों से आवेदन कराकर इन योजनाओं का लाभ उन तक पहुंचाया जाए। उन्होंने जरूरतमंदों को आवास सहित अन्य योजनाओं का लाभ दिलाने और गंभीर बीमारियों से पीड़ितों के इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता देने का आत्मीय संबल दिया। सरकार हर जरूरतमंद और पात्र व्यक्ति को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने तथा हर समस्या के प्रभावी निस्तारण के लिए संकल्पित है।

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज़ पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहज़मी जॉन्डिस, फेटी लीवर, एल्कॉहलिक लिवर डिज़ीज़ आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

अर्थ व्यापार

सेंसेक्स 74649.84
निफ्टी 23483.55

सोना 156000
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

चांदी रु. 266000
प्रति किलो

शेयर बाजारों में भारी उतार चढ़ाव के बाद मुखय सूचकांक बढ़त में रहे

मुंबई, वार्ता

स्थानीय शेयर बाजारों में मंगलवार को भारी उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बीच सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों के शेयरों को निवेशकों के समर्थन से प्रमुख सूचकांक में तेजी दर्ज की गयी। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 382.50 अंक (0.52 प्रतिशत) चढ़ कर 74,649.84 पर और एनएसई निफ्टी-50 100.95 अंक (0.43 प्रतिशत) की बढ़त के साथ 23,483.55 पर रहा।

बीएसई का 30 सेंसेक्स सुबह बड़ी गिरावट के साथ 73,945.20 पर खुला और कारोबार के दौरान ऊपर में 74,862.19 तथा नीचे में 73,815.12 तक गिरने के बाद अंत में 74,649.84 पर बंद हुआ। जबकि कल सेंसेक्स 74,267.34 पर बंद हुआ था। सेंसेक्स के 30 में से 20 शेयर लाभ में और दस गिरावट में बंद हुए। लाभ में रहे प्रमुख शेयरों में आईटी कंपनी टीसीएस 6.53 प्रतिशत, इन्फोसिस 5.66 प्रतिशत, एचसीएल टेक 4.08 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 1.75 प्रतिशत और अडानी पोर्ट का शेयर 1.75 प्रतिशत लाभ में रहा। टाइटन, ट्रेन्ट, आईटीसी,

इटरनल और एशियन पेंट्स में भी एक प्रतिशत से अधिक तक की बढ़त दर्ज की गई। एसबीआई, इंडिगो, बीईएल और टाटा स्टील भी मुनाफे में बंद हुए। इसके विपरीत एनटीपीसी, एक्सिस बैंक, पावर ग्रिड, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस जैसे शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी। पहले सत्र की गिरावट के बाद बाजार ने सत्र के दूसरे भाग में तेजी से वापसी की। विश्लेषकों के अनुसार यह वापसी मुख्य रूप से शॉर्ट कवरिंग और आईटी शेयरों में मजबूत खरीदारी की दिलचस्पी के कारण हुई। बजाज ब्रोकिंग के अनुसार हालांकि दुनिया के विभिन्न इलाकों में भू.राजनीतिक अनिश्चितताओं के कारण निवेशकों का रुख अभी भी सतर्क बना हुआ है।

चांदी और सोना की कीमतों में बढ़ोतरी

नई दिल्ली। मंगलवार को सोने-चांदी के दाम में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने के दाम 760 रुपए बढ़कर 1.56 लाख रुपए हो गया है। वहीं 1 किलो चांदी की कीमत 2,950 रुपए बढ़कर 2.66 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

इस साल सोने-चांदी की कीमत में तेजी रही है। सोना 2026 में अब तक 26 हजार रुपए और चांदी 41 हजार रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.56 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.66 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था। हमेशा ब्यूरो आफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें।

नैनीताल की झीलों-तालाबों पर अवैध कब्जों की अब खैर नहीं

अफजल हुसैन फौजी

नैनीताल। उत्तराखंड की सरोवर नगरी नैनीताल और आसपास की झीलों, तालाबों और प्राकृतिक जल स्रोतों को अतिक्रमण और प्रदूषण से बचाने के लिए अब बड़े स्तर पर कार्रवाई की तैयारी शुरू हो गई है। राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) की प्रधान पीठ नई दिल्ली के सदस्य एवं उच्च न्यायालय के न्यायाधीश डॉ. अफरोज अहमद ने नैनीताल क्लब में जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक कर पर्यावरण संरक्षण से जुड़े मुद्दों की गहन समीक्षा की। बैठक में कचरा प्रबंधन, सीवेज निस्तारण, जल प्रदूषण, झीलों और नदियों के संरक्षण, अवैध खनन नियंत्रण तथा पौधारोपण जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान डॉ. अफरोज अहमद ने स्पष्ट किया कि जिले में पर्यावरण संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने

कहा कि भले ही कचरा प्रबंधन की दिशा में कार्य अपेक्षाकृत देर से शुरू हुआ हो, लेकिन अब इसमें तेजी लाई जा रही है। आने वाले समय में नैनीताल जिले को हजीरो वेस्ट मैनेजमेंटहृ मॉडल की ओर ले जाने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे पर्यावरणीय चुनौतियों को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सके। उन्होंने कहा कि झीलों और नदियों की सुरक्षा केवल जल संरक्षण का विषय नहीं है, बल्कि यह पूरे पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण से जुड़ा हुआ है। इसके लिए प्राकृतिक ड्रेनों, जल निकासी मार्गों और जल स्रोतों को संरक्षित रखना बेहद आवश्यक है।

हमीरपुर सेतु दुर्घटना के दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई: डीएम

हमीरपुर। हमीरपुर सेतु दुर्घटना की जांच के लिए दो उच्चस्तरीय समितियां गठित कर दी गई हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। बेतवा नदी पर निर्माणाधीन सेतु के सेगमेंटल स्पान पी-5 से पी-6 गिरने की घटना को लेकर के सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। जिला प्रशासन और उत्तर प्रदेश सेतु निगम द्वारा दो अलग-अलग उच्चस्तरीय जांच समितियों का गठन किया गया है। दोनों समितियों ने घटना की व्यापक जांच शुरू कर दी है।

जिलाधिकारी अभिषेक गोयल ने बताया कि इसके अलावा जिला प्रशासन द्वारा गठित तीन सदस्यीय जांच समिति घटना से संबंधित सभी प्रशासनिक, तकनीकी एवं प्रक्रियात्मक पहलुओं की गहन जांच कर रही है। इसकी अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे)

जांच के लिए उच्चस्तरीय समितियां गठित

कर रहे हैं। समिति के सदस्यों द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण एवं साक्ष्य संकलन का कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। जिलाधिकारी ने बताया कि उक्त दुर्घटना के संबंध में थाना कुरारा में भारतीय न्याय संहिता की धारा 106(1) एवं धारा 125(ए) के तहत अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है। प्रकरण की विवेचना प्रचलित है, जांच के दौरान मिले तथ्यों, साक्ष्यों और दोनों जांच समितियों की ओर से प्रस्तुत की जाने वाली आख्या के आधार पर आवश्यक विधिक कार्रवाई तय की जाएगी। घटना के लिए उत्तरदायी पाए जाने वाले व्यक्तियों या संस्थाओं के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि प्रभावित परिवारों को विभिन्न सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याणकारी योजनाओं से भी आच्छादित किया जा रहा है। दो पात्र परिवारों को राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना का लाभ प्रदान किया जा रहा है। दिवंगत राजेश पाल की पत्नी अनीता एवं पुष्पेन्द्र सिंह चौहान के पिता राजेन्द्र सिंह को राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना दी गई है, वहीं दिवंगत पुष्पेन्द्र सिंह चौहान के पिता राजेन्द्र सिंह को वृद्धावस्था पेंशन योजना तथा स्वर्गीय राजेश पाल की पत्नी अनीता को निराश्रित महिला पेंशन से आच्छादित किए जाने की कार्रवाई की जा रही है। डीएम ने बताया कि दिवंगत राजेश पाल की दो पुत्रियों को मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत लाभान्वित किया जाएगा, जिसके तहत दोनों बालिकाओं को 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने तक प्रतिमाह 2500 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

एसबीआई शाखा प्रबंधक रिश्वत के आरोप में गिरफ्तार

नई दिल्ली, वार्ता

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने झारखंड के डुमरिया में तैनात एसबीआई के एक शाखा प्रबंधक को रिश्वतखोरी मामले में गिरफ्तार किया है।

सीबीआई ने मंगलवार को यहां बताया कि 31 मई को इस आरोप में मामला दर्ज किया गया कि आरोपी रोहित कुमार सिंह ने शिकायतकर्ता की दिवंगत मां से संबंधित प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत दो लाख रुपये के दावे का निपटान करने के लिए 60,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी। आरोपी ने कथित रूप से शिकायतकर्ता की मां के बैंक खाते को शिकायतकर्ता के नाम पर स्थानांतरित करने के बाद 35,000 रुपये की निकासी पर लगी रोक को हटाने के लिए अतिरिक्त 17,000 रुपये की भी मांग की थी। शिकायत के आधार पर सीबीआई ने जाल बिछाकर आरोपी को शिकायतकर्ता से 77,000 रुपये की रिश्वत मांगते और लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरा.`पी के कार्यालय एवं आवासीय परिसर में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। गिरफ्तार शाखा प्रबंधक को आज धनबाद की सक्षम अदालत में पेश किया जाएगा। मामले की जांच जारी है।

पश्चिम एशिया संकट और तेल कीमतों पर मोदी की खामोशी अनुचित: कांग्रेस

नई दिल्ली, वार्ता

कांग्रेस ने पश्चिम एशिया में तनाव और ईरान-अमेरिका वार्ता का भारत पर पड़ने वाले प्रभाव का उल्लेख करते हुए कहा है कि इसमें भारत का बहुत कुछ दाव पर लगा हुआ है और ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी को उचित नहीं कहा जा सकता है।

पार्टी का कहना है कि यदि वार्ता सफल होती है, तो होर्मुज जलडमरूमध्य फिर से खुल सकता है और वैश्विक तेल कीमतों पर दबाव कम होगा, जिसका सीधा लाभ भारत को मिलेगा। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच पश्चिम एशिया में युद्ध जैसी स्थिति को समाप्त करने के लिए बात. चीत चल रही है, लेकिन इस बीच इजरायल की लेबनान में जारी सैन्य

अमेरिका-ईरान वार्ता का प्रभाव भारत पर पड़ रहा

कार्रवाई के कारण किसी भी समझौते को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भी इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की नीतियों पर नाराजगी जता चुके हैं और दुनिया के कई अन्य देश भी लेबनान में इजरायली अभियान की आलोचना कर रहे हैं।

रमेश ने कहा कि ऐसे समय में जब इजरायल की कार्रवाई संभावित अमेरिका-ईरान समझौते को प्रभावित कर सकती है मोदी ने इस मुद्दे पर पूरी तरह चुप्पी साध रखी है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री की यह चुप्पी कई सवाल खड़े करती है, जबकि इस पूरे घटनाक्रम का असर भारत की ऊर्जा सुरक्षा और तेल कीमतों पर पड़ सकता है।

ओडिशा बॉक्साइट खनन अनियमितताओं की जांच करे केंद्र

नई दिल्ली। कांग्रेस ने ओडिशा में बॉक्साइट खनन परियोजनाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर ग्रामीणों के विरोध प्रदर्शनों पर चिंता व्यक्त करते हुए केंद्र से इस मामले में हस्तक्षेप कर प्रभावितों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। पार्टी ने खनन परियोजनाओं से जुड़े वन अधिकार कानून, 2006 के कथित उल्लंघन, वन भूमि के उपयोग तथा ग्राम सभा की स्वीकृतियों में कथित अनियमितताओं के आरोपों को गंभीर बताते हुए उनकी व्यापक और निष्पक्ष जांच की मांग की है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक बयान में कहा कि ओडिशा के कोरापुट जिले में बॉक्साइट खनन के लिए दी गई स्वीकृतियों को लेकर ग्रामीणों का विरोध जारी है।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: सीएम

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि चारधाम यात्रा प्रबंधन का मूल मंत्र 'सुरक्षित यात्रा, सुगम दर्शन और सतत संवाद' होना चाहिए। उन्होंने कहा कि बेहतर समन्वय, प्रभावी संवाद और सुव्यवस्थित प्रबंधन से यात्रा को और अधिक सुरक्षित एवं सफल बनाया जा सकता है।

मंगलवार को सचिवालय में चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि चारों धामों में श्रद्धालुओं की संख्या के अनुरूप दर्शन व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित बनाने के लिए विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि रात्रि 10 बजे से सुबह 4 बजे तक चारधाम यात्रा मार्गों पर वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध का सख्ती से पालन कराया जाए। श्रद्धालुओं की सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। यात्रा मार्गों पर ट्रकों एवं अन्य आवश्यक सेवाओं से जुड़े भारी वाहनों को केवल रात्रिकाल में ही अनुमति दी जाए तथा दिन के समय ऐसे वाहनों का संचालन प्रतिबंधित रखा जाए।

■ चारधाम यात्रा प्रबंधन का मूल मंत्र 'सुरक्षित यात्रा, सुगम दर्शन और सतत संवाद' होना चाहिए ■ श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता, मानसून अवधि के लिए सभी विभाग रहें पूरी तरह सतर्क ■ रात्रि 10 बजे से सुबह ४ बजे तक यात्रा मार्गों पर वाहनों की आवाजाही पर रोक का सख्ती से पालन हो ■ धामों में क्षमता के अनुरूप दर्शन व्यवस्था के लिए बनाई जाए एसओपी, भीड़ प्रबंधन हो वैज्ञानिक एवं चरणबद्ध

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी धाम अथवा पड़ाव पर निर्धारित क्षमता से अधिक भीड़ होने की स्थिति में नीचे स्थित होल्डिंग एरिया एवं प्रमुख चेक प्वाइंट्स पर वाहनों और श्रद्धालुओं की आवाजाही को नियंत्रित किया जाए। भीड़ प्रबंधन के लिए चरणबद्ध व्यवस्था अपनाते हुए यात्रियों को आगे भेजा जाए, जिससे धामों में अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर श्रद्धालुओं को रोका या ठहराया जा रहा है, वहां पार्किंग, भोजन, पेयजल, शौचालय एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि भीड़ नियंत्रण के दौरान श्रद्धालुओं को केवल रोका न जाए, बल्कि उन्हें इसके कारण, संभावित प्रतीक्षा अवधि तथा आगे की व्यवस्थाओं की जानकारी नियमित रूप से उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने पुलिस, प्रशासन एवं यात्रा प्रबंधन से जुड़े सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को श्रद्धालुओं के प्रति संवेदनशील, विनम्र एवं सहयोगात्मक व्यवहार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यात्रियों को किसी भी परिस्थिति में सूचना के अभाव का सामना नहीं करना चाहिए। इसके लिए सार्वजनिक सूचना प्रणाली , एलईडी डिस्प्ले, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, व्हाट्सएप चौनल एवं एफएम रेडियो के माध्यम से लगातार अद्यतन सूचनाएं प्रसारित की जाएं। मार्ग अवरोध, मौसम में बदलाव, यातायात जाम अथवा दर्शन में विलंब जैसी परिस्थितियों की जानकारी भी समय रहते यात्रियों तक पहुंचाई जाए, जिससे भ्रम एवं असंतोष की स्थिति उत्पन्न न हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चारधाम यात्रा का प्रथम चरण प्रशासन, पुलिस, आपदा प्रबंधन एवं अन्य संबंधित विभागों के समन्वित प्रयासों से सफलतापूर्वक संचालित हुआ है। अब यात्रा दूसरे और अधिक चुनौतीपूर्ण चरण में प्रवेश कर रही है, जहां मानसून एवं प्रतिकूल मौसम प्रमुख चुनौती होंगे। ऐसे में यात्रा प्रबंधन को और अधिक सतर्कता, नियंत्रण तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ संचालित किया जाए।मुख्यमंत्री ने गढ़वाल आयुक्त एवं आईजी गढ़वाल को चारधाम यात्रा की सभी व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा करने को कहा।बैठक में कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, भरत चौधरी, विधायक अनिल नौटियाल, आशा नौटियाल, राज्य आपदा प्रबंधन सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष विनय कुमार रोहिला, उत्तराखण्ड अवस्थापना अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष विश्वास डाबर, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, सचिव शैलेश बगोली, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, विनय शंकर पाण्डेय, रणवीर सिंह चौहान, विनोद कुमार सुमन, आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप, अपर सचिव बंशीधर तिवारी तथा वर्चुअल माध्यम से विधायक सुरेश चौहान, बदरी-केदार मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी, आयुक्त गढ़वाल आनंद स्वरूप एवं संबंधित जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक उपस्थित रहे।

देवप्रयाग में गहरी खाई में गिरा वाहन, तीन के शव बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। ऋषिकेश बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर थाना देवप्रयाग क्षेत्रांतर्गत चकासा स्थित गंगा होटल दर्शन के समीप एक इनोवा वाहन के लगभग 200 मीटर गहरी खाई में गिरने की सूचना प्राप्त होने पर थाना देवप्रयाग पुलिस, राजस्व विभाग एवं एसडीआरएफ की टीमों द्वारा तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य प्रारम्भ किया गया।

घटना की गंभीरता को देखते हुए एसडीआरएफ की श्रीनगर, ब्यासी एवं ढालवाला इकाइयों से अतिरिक्त रेस्क्यू टीमें भी मौके पर भेजी गईं। संयुक्त रेस्क्यू अभियान के दौरान अब तक 02 पुरुष एवं 01 महिला का शव बरामद किया गया है, जबकि लगभग 15 वर्षीय 01 बालक को सुरक्षित रेस्क्यू कर उपचार हेतु बेस हॉस्पिटल श्रीकोट भेजा गया है। पुलिस एवं एसडीआरएफ की टीमें अत्यंत दुर्गम एवं चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अन्य यात्रियों की तलाश हेतु युद्धस्तर पर खोज एवं बचाव अभियान चला रही हैं।

घटनास्थल पर राहत एवं बचाव कार्य निरंतर जारी है। घायल आयुष्मान परिहार (12) पुत्र हरीश कुमार परिहार निवासी जैसलमेर राजस्थान का श्रीनगर बेस अस्पताल में इलाज चल रहा है। वो अभी आईसीयू में है। देर शाम तक रेस्क्यू ऑपरेशन जारी रहा।

सीएम ने देवप्रयाग दुर्घटना पर जताया गहरा शोक

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चारधाम यात्रा मार्ग पर देवप्रयाग के समीप हुई दुखद वाहन दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने हादसे में दिवंगत हुए श्रद्धालुओं एवं यात्रियों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति तथा शोक संतप्त परिजनों को इस असहनीय दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री ने दुर्घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि घायलों के उपचार में किसी भी प्रकार की कमी न रहे तथा उन्हें सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि दुर्घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन, पुलिस, राज्य आपदा प्रतिवादन बल राष्ट्रीय आपदा प्रतिवादन बल तथा अन्य संबंधित एजेंसियों को तत्काल राहत एवं बचाव कार्यों में लगाया गया। दुर्घटनास्थल पर युद्धस्तर पर राहत एवं बचाव अभियान संचालित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि इस कठिन समय में राज्य सरकार प्रभावित परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ खड़ी है तथा राहत एवं बचाव कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर संचालित किया जा रहा है।

6 आईएएस और पीसीएस अफसरों के प्रभार में फेरबदल

स्मृता परमार को अपर जिलाधिकारी की जिम्मेदारी

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड शासन ने छह आईएएस और पीसीएस अफसरों के प्रभार बदले हैं। इसके अलावा स्मृता परमार को अपर जिलाधिकारी की जिम्मेदारी भी दी गई है। शासन ने देर शाम इसके आदेश जारी किए।

सचिव प्रोटोकॉल आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन को परियोजना निदशक यूडीआरपी एएफ की जिम्मेदारी दी गई है। सौरभ गहरवार अपर सचिव उद्योग, आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास परियोजना से अपर सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास परियोजना निदेशक यूडीआरपी एएफ वापस लिया गया है जबकि उन्हें अपर सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग का दायित्व दिया है। 2016 बैच की आईएएस अधिकारी अपर सचिव ग्राम्य विकास झरना कामठान को अपर सचिव पेयजल एवं निदेशक स्वजल की भी जिम्मेदारी दी गई है।प्रकाश चंद्र अपर सचिव समाज कल्याण, प्रबंध निदशक बहुउद्देशीय वित्तीय विकास निगम और आयुक्त दिव्यांगजन उत्तराखंड से बहुउद्देशीय वित्त विकास निगम का दायित्व वापस लिया गया है।पीसीएस अधिकारी सुंदरलाल सेमवाल अपर सचिव सचिवालय प्रशासन विभाग को अपर सचिव समाज कल्याण निदेशक बहुउद्देशीय वित्तीय विकास निगम का दायित्व दिया गया है। सचिवालय सेवा के अधिकारी विक्रम सिंह यादव बाध्य प्रतिक्षारत को अपर सचिव समाज कल्याण, अल्पसंख्यक कल्याण और सचिवालय प्रशासन विभाग की जिम्मेदारी दी गई है।

पीसीएस-2024 में प्रयाग आईएएस एकेडमी का परचम

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड लोक सेवा आयोग (यूकेपीएससी) की ओर से आयोजित संयुक्त राज्य सिविल/प्रवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा-2024 का अंतिम परिणाम घोषित किए जाने के बाद सफल अभ्यर्थियों और उनके संस्थानों में उत्साह का माहौल है।देहरादून स्थित प्रयाग आईएएस एकेडमी ने भी परीक्षा परिणाम में उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज करने का दावा किया है।

■ 65 से अधिक अभ्यर्थियों ने हासिल की सफलता, संस्थान में दिन भर रहा जश्न का माहौल ■ डिप्टी कलेक्टर, डिप्टी एसपी, एआरटीओ समेत कई महत्वपूर्ण पदों पर हुआ चयन

संस्थान के अनुसार उसके मार्गदर्शन से जुड़े 65 से अधिक अभ्यर्थियों ने परीक्षा के विभिन्न चरणों में सफलता प्राप्त की है।

संस्थान की ओर से जारी जानकारी के अनुसार सफल अभ्यर्थियों ने प्रारंभिक परीक्षा,मुख्य परीक्षा तथा साक्षात्कार जैसे विभिन्न चरणों में प्रयाग आईएएस एकेडमी के शैक्षणिक मार्गदर्शन और अध्ययन कार्यक्रमों का लाभ लिया।

इन अभ्यर्थियों को मिली कामयाबी

प्रयाग आईएएस एकेडमी के चेयरमैन आर. ए. खान ने बताया कि संस्थान से जुड़े आशुतोष नौटियाल, अमित चंद्र द्विवेदी, मिराज मियां और काजल सैनी ने डिप्टी कलेक्टर पद पर सफलता प्राप्त की है। वहीं प्रकृति नेगी का चयन डिप्टी एसपी पद के लिए हुआ है। विनय कुमार आर्य और विशाल सैनी का चयन एआरटीओ पद पर हुआ है। इसके अलावा उपशिक्षा अधिकारी पद पर शबनम, तनु सैनी, निधि, विक्रांत सिंह, गौरव मेठाणी, नैन्सी कनवाल, आयुष बधानी, रचना सिंह, अवधेश कुमार, आशुतोष राणा, हरिओम सिंह, दिव्या जोशी, दीपक लखेड़ा और आलोक भट्ट, वहीं वित्त अधिकारी पद के लिए अपूर्व थपलियाल, अंबरीश प्रसाद नौटियाल और ऋतु बिष्ट का चयन हुआ है। सहायक आयुक्त पद पर कंचन रावत, योगेश बधवाल और नीतिन कुमार ने सफलता हासिल की है। राज्य कर अधिकारी पद के लिए शशांक राणा, आदेश चौधरी, कोमल भारती, नीतिन सिंह, क्षेत्रा बिष्ट, शुभम साह, अंजली नेगी, अक्षिता गर्ग और विपाशा गहलोत का चयन हुआ है।

कठिन परिश्रम, अनुशासन और सही दिशा से मिली सफलता: खान

परिणाम घोषित होने के बाद संस्थान परिसर में सफल अभ्यर्थियों का अपने शिक्षकों और मार्गदर्शकों से मिलने तथा उनका आशीर्वाद लेने का सिलसिला जारी रहा। इस अवसर पर चेयरमैन आर. ए. खान ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और सही दिशा में किया गया प्रयास किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने की कुंजी है। उन्होंने वर्तमान में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को भी निरंतर प्रयास करते रहने का संदेश दिया। वहीं चयनित छात्रों ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए प्रयाग आईएएस एकेडमी की ओर से उपलब्ध कराए गए मार्गदर्शन, अध्ययन सामग्री और अनुभवी शिक्षकों के सहयोग को अपनी सफलता का महत्वपूर्ण आधार बताया।

Mr. R.A. Khan
Chairman
Prayag IAS Academy

PRAYAG IAS ACADEMY

Uttarakhand's Leading Institute for
IAS/PCS/PCS (J)
Director: R.A. Khan

Foundation Batch for IAS/PCS

प्रयाग आईएएस एकेडमी ने फिर लहराया सफलता का परचम, 65 से अधिक अभ्यर्थी हुए सफल

देहरादून। उत्तराखंड राज्य लोक सेवा आयोग (UKPSC) द्वारा उत्तराखंड सम्मिलित राज्य सिविल/प्रवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा-2024 का परिणाम घोषित कर दिया गया है। परिणाम घोषित होते ही प्रदेश भर के अभ्यर्थियों में खुशी की लहर दौड़ गई। इस प्रतिष्ठित परीक्षा में प्रयाग आईएएस एकेडमी ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक गुणवत्ता और मार्गदर्शन का परिचय देते हुए शानदार सफलता हासिल की है।

संस्थान से संबंधित कुछ सफल अभ्यर्थियों में डिप्टी क्लेक्टर पद पर आशुतोष नौटियाल, अमित चंद्र द्विवेदी, फराज मियां, काजल सैनी, डिप्टी एसपी पद पर प्रकृति नेगी, एआरटीओ पद पर विनय कुमार आर्य, विशाल सैनी, उपशिक्षा अधिकारी पद पर शबनम, निशु सैनी, निधि, बिक्रांत सिंह, गौरव मैथानी, नैंसी कर्नवाल, आयुष बधानी, रचना सिंह, अवधेश कुमार, आशुतोष राणा, हरिओम सिंह, दिव्या जोशी, दीपक लखेरा, आलोक भट्ट, वित्त अधिकारी पद पर अपूर्वा थपलियाल, अंबरीश प्रसाद नौटियाल, ऋतु बिष्ट, सहायक आयुक्त पद पर कंचन रावत, योगेश बर्थवाल, नीतिन कुमार, राज्य कर अधिकारी पद पर शशांक राणा, आदेशा चौधरी, कोमल भारती, नीतिन सिंह, श्वेता बिष्ट, शुभम साह, अंजली नेगी, अक्षिता गर्ग, विपाशा गहलोत चयनित हुए हैं।

संस्थान के 65 से अधिक अभ्यर्थियों ने परीक्षा में सफलता प्राप्त कर एकेडमी का नाम रोशन किया है। सफल अभ्यर्थियों ने अपनी उपलब्धि का श्रेय संस्थान के अनुभवी शिक्षकों, व्यवस्थित अध्ययन सामग्री तथा नियमित टेस्ट सीरीज को दिया है। संस्थान के निदेशक आर. ए. खान ने सभी सफल अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रयाग आईएएस एकेडमी का उद्देश्य केवल परीक्षा में सफलता दिलाना नहीं, बल्कि योग्य एवं जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारी तैयार करना है। संस्थान के निदेशक ने बताया कि सफल अभ्यर्थी इस परीक्षा के लिए प्रारंभिक, मुख्य परीक्षा अथवा साक्षात्कार किसी न किसी स्तर पर संस्थान से जुड़े थे।उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन का ही परिणाम है कि संस्थान लगातार उत्कृष्ट परिणाम दे रहा है।

परिणाम घोषित होने के बाद एकेडमी परिसर में उत्साह का माहौल रहा। सफल अभ्यर्थियों, उनके अभिभावकों तथा शिक्षकों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी साझा की। संस्थान ने भविष्य में भी प्रदेश और देश को उत्कृष्ट प्रशासनिक अधिकारी देने के अपने संकल्प को दोहराया।

गौरतलब है कि प्रयाग आईएएस एकेडमी पिछले कई वर्षों से सिविल सेवा एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले प्रमुख संस्थानों में अपनी पहचान बनाए हुए है। इस वर्ष भी बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों की सफलता ने संस्थान की उपलब्धियों में एक नया अध्याय जोड़ दिया है।

ADVT.

Opp. DBS College, 40 Maansingh Wala D.Dun. 0135-2744550,+91-8279690799

ठंडी सड़क में कुत्ते ने 11 लोगों को काटा

अस्पताल ले जाकर सभी को इंजेक्शन लगाने पड़े

शाह टाइम्स संवाददाता

बागेश्वर। जिला मुख्यालय में मंगलवार सुबह एक कुत्ते के हमले से लोगों में दहशत फैल गई। विकास भवन रोड से अग्निकुंड पुल के समीप ठंडी सड़क क्षेत्र में सुबह करीब 8 से 9 बजे के बीच एक काले कुत्ते ने राह चलते लोगों पर हमला कर दिया। इस दौरान 11 लोग उसकी चपेट में आ गए, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हमले में तहसील माजियाखेत निवासी गोपाल सिंह (46) पुत्र राम सिंह, प्रकाश चंद्र (63) पुत्र भवानी दत्त, प्रताप सिंह पालनी (52) पुत्र गोविंद सिंह, खुशी (12) पुत्री जगदीश कुमार, उमा जोशी (42) पत्नी किशोर चंद्र, पूजा जोशी (24) पुत्री किशोर चंद्र, दीपा तिवाड़ी (45) पत्नी कैलाश चंद्र, दीपिका (4) पुत्री दीपेश तथा संतोषी (33) पत्नी दिनेश सहित कुल 11 लोग घायल हो गए। घटना के बाद सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उन्हें एंटी रैबीज वैक्सीन लगाई गई। पीड़ितों और स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन तथा नगर पालिका से आवारा कुत्तों की समस्या पर प्रभावी कार्रवाई करने और हमलावर कुत्ते के मालिक की पहचान कर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि कुत्ता आवारा था या किसी का पालतू। घटना के बाद नगर पालिका की टीम सतर्क हो गई है और मामले की जानकारी जुटाई जा रही है। स्थानीय लोगों ने भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है।

कल राहुल गांधी की जनसभा में काशीपुर से अल्मोड़ा जाएंगे सैकड़ों कांग्रेसी

काशीपुर। कांग्रेस सांसद एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का उत्तराखंड दौरा आगामी विधानसभा चुनाव के लिए प्रदेश की राजनीति में महत्वपूर्ण साबित होगा। काशीपुर कांग्रेस महानगर जिला अध्यक्ष अलका पाल ने बताया कि राहुल गांधी 4 जून को अल्मोड़ा में विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे, जिसमें काशीपुर सहित पूरे उत्तराखंड से हजारों की तादाद में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रहेगी। महानगर जिलाध्यक्ष अलका पाल ने बताया कि 4 जून को ही अल्मोड़ा जनसभा के बाद राहुल गांधी दोपहर 3.30 बजे पौड़ी में पूर्व सैनिक सम्मेलन में भाग लेंगे, जहां वह पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों से सीधा संवाद करेंगे। उत्तराखंड सैनिक बहुल प्रदेश राज्य होने के कारण राहुल गांधी का पूर्व सैनिकों उनके परिवार से सीधा संवाद महत्वपूर्ण स्थान रखता है। कांग्रेस महानगर जिला अध्यक्ष अलका पाल ने कहा कि 5 जून को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी देहरादून में कांग्रेस संगठन के वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे, जिसमें संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की सक्रियता, विधानसभा चुनाव की रणनीति, बूथ एवं वार्ड स्तर पर कांग्रेस संगठन को मजबूत करने की योजना पर मंथन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 4 जून को अपने निजी वाहनों से काशीपुर से बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता प्रात: 5.00 बजे अल्मोड़ा के लिए प्रस्थान करेंगे।

आईएमपीसीएलः पहाड़ की अर्थव्यवस्था की धड़कन पर निजीकरण का साया

1978 में हुई थी इंडियन मेडिसिन फार्मास्यूटिकल कारपोरेशन लिमिटेड की स्थापना

मोहित अधिकारी

शाह टाइम्स, अल्मोड़ा। जिले के सल्ट विकासखंड के मोहान क्षेत्र में स्थित इंडियन मेडिसिन फार्मास्यूटिकल कारपोरेशन लिमिटेड (आईएमपीसीएल) आज एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है। केंद्र सरकार के विनिवेश और निजीकरण संबंधी प्रयासों की आशंकाओं के बीच फैक्ट्री के कर्मचारी विरोध के स्वर बुलंद कर रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि यह केवल एक औद्योगिक इकाई का मामला नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की आजीविका, स्थानीय अर्थव्यवस्था और आयुर्वेदिक विरासत से जुड़ा मुद्दा है। उल्लेखनीय है कि आईएमपीसीएल देश की प्रमुख आयुर्वेदिक एवं यूनानी औषधि निर्माण इकाइयों में गिनी जाती है। मोहान स्थित यह प्रतिष्ठान वर्ष 1978 में स्थापित हुआ था। इसका उद्देश्य आयुर्वेद और यूनानी चिकित्सा पद्धति के लिए उच्च गुणवत्ता वाली औषधियों का उत्पादन करना तथा सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों को दवाओं की आपूर्ति करना था। वर्तमान में यह कंपनी भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अधीन कार्यरत है और देशभर के सरकारी अस्पतालों, आयुष चिकित्सालयों तथा विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के लिए दवाओं का निर्माण करती है। दशकों से आईएमपीसीएल न केवल औषधि उत्पादन में अपनी पहचान बनाई है बल्कि उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में रोजगार का एक बड़ा आधार भी तैयार किया है। सल्ट, मोहान और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में सीमित औद्योगिक अवसरों के बीच आईएमपीसीएल रोजगार का प्रमुख केंद्र रहा है। फैक्ट्री में स्थायी और संविदा कर्मचारियों सहित बड़ी संख्या में स्थानीय युवक-युवतियां कार्यरत हैं। इसके अलावा परिवहन, पैकेजिंग, सफाई, सुरक्षा, लघु आपूर्ति और अन्य सहायक गतिविधियों से भी अनेक परिवारों की आजीविका जुड़ी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि फैक्ट्री का निजीकरण होता है तो भविष्य में स्थानीय युवाओं की रोजगार सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। कर्मचारियों को आशंका है कि निजी प्रबंधन लागत कम करने के लिए कर्मचारियों की संख्या घटा सकता है या स्थानीय नियुक्तियों को प्राथमिकता न दे।

फैक्ट्री के निजीकरण का विरोध तेज

आईएमपीसीएल के निजीकरण के विरोध में मंगलवार को फैक्ट्री के कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने सरकार के खिलाफ धरना देकर प्रदर्शन किया। जल्द निजीकरण के फैसले को वापस लेने की मांग उठाई। वक्ताओं ने कहा कि आईएमपीसीएल लगातार करोड़ों रुपये का लाभ अर्जित करने वाली संस्था है, इसके बावजूद आयुष मंत्रालय, नीति आयोग और वित्त मंत्रालय द्वारा कंपनी का निजीकरण कर इसे मात्र 121 करोड़ रुपये में बेच दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने देश की एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक संपत्ति को उसके वास्तविक मूल्य से कम कीमत पर निजी हाथों में सौंप दिया है।

जड़ी-बूटी उत्पादकों से भी जुड़ा है नाता

आईएमपीसीएल का महत्व केवल रोजगार तक सीमित नहीं है। आयुर्वेदिक दवाओं के निर्माण में प्रयुक्त कई वनौषधियां और जड़ी-बूटियों की खरीद से उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों के संग्रहकर्ताओं, किसानों और स्वयं सहायता समूहों को भी अप्रत्यक्ष लाभ मिलता रहा है। इस कारण यह संस्थान स्थानीय वन आधारित अर्थव्यवस्था का भी महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है।

भारतीय भाषा समर कैंप का समापन

बागेश्वर। पीएम श्री विक्टर मोहन जोशी स्मारक राजकीय इंटर कालेज में आयोजित सात दिवसीय भारतीय भाषा समर कैंप का समापन उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। अंतिम दिन योग सत्र के साथ विभिन्न पारंपरिक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मुर्गा झपट प्रतियोगिता में करन कनवाल प्रथम रहे, जबकि रूमाल झपट में कार्तिक कुमार की टीम और गिटी प्रतियोगिता में गुड्डी आर्या की टीम विजेता रही। समर कैंप प्रभारी संजय कुमार टम्टा ने कैंप की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि विद्यार्थियों को भारतीय भाषाओं, संस्कृति और स्थानीय विरासत से परिचित कराया गया। मुख्य अतिथि हेमा देवी ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। प्रधानाचार्य दीप चंद्र जोशी ने विद्यार्थियों से कैंप में सीखी बातों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

एसआईआर कार्यक्रम के संबंध में बैठक

अल्मोड़ा। डीएम अंशुल सिंह ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के संबंध में जनपद के विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। एसआईआर प्रक्रिया, विभिन्न चरणों तथा सफल क्रियान्वयन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में डीएम ने कहा कि बूथ लेवल एजेंट प्रथम एवं बूथ लेवल एजेंट द्वितीय की निर्वाचन प्रक्रिया में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपने-अपने बीएलए को सक्रिय रूप से कार्य करने तथा बूथ लेवल अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने पर जोर दिया। कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य निर्वाचक नामावली को अधिक शुद्ध, त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाना है। इसके लिए सभी संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों तथा बीएलए की सहभागिता और सहयोग आवश्यक है।

एक नजर

विवि के विद्यार्थियों का नामी कंपनी में चयन

शाह टाइम्स संवाददाता

पंतनगर। गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के सेवायोजन एवं परामर्श निदेशालय के माध्यम से 12 विद्यार्थियों का प्रतिष्ठित कंपनी में चयन हुआ है। चयनित छात्रों में बीटेक, एमसीए, बीएससी एवं एमएससी के विद्यार्थी शामिल हैं। कंपनी द्वारा ऑनलाइन मूल्यांकन परीक्षा के आधार पर चयन किया गया। प्रशिक्षण के बाद विद्यार्थियों को 6 से 8 लाख रुपये वार्षिक पैकेज के साथ अन्य सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी। कुलपति डा. शिवेन्द्र कुमार कश्यप ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए इसे विश्वविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया।

एसआईआर के लिए दिया प्रशिक्षण

बागेश्वर। तहसील सभागार में आयोजित एसआईआर प्रशिक्षण कार्यक्रम में मगलवार को मुख्य विकास अधिकारी आरसी तिवाड़ी ने प्रशिक्षणार्थियों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षण की बारीकियों पर विस्तार से चर्चा करते हुए निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता और शुद्धता बनाए रखने पर जोर दिया। सीडीओ तिवारी ने कहा कि एसआईआर से संबंधित तकनीकी एवं व्यावहारिक जानकारी वर्तमान कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी और सुदृढ़ बनाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी प्रशिक्षणार्थियों से प्रशिक्षण को गंभीरता से लेने तथा प्राप्त ज्ञान को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करने का आह्वान किया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी प्रियंका रानी, तहसीलदार रीतू गोस्वामी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटना रोकथाम के लिए अभियान 8 से

बागेश्वर। जनपद में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने और आम जनमानस को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आगामी आठ जून से विशेष अभियान शुरू होने जा रहा है। सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा नाम से आयोजित होने वाला यह जागरूकता अभियान 14 जून तक चलाया जाएगा। प्राधिकरण के सचिव व सिविल जज (सीनियर डिवीजन) अनीता कुमारी ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़कों और विशेष रूप से पर्वतीय क्षेत्रों व राष्ट्रीय राजमार्गों पर होने वाली दुर्घटनाओं को कम करना है। उन्होंने बताया कि अभियान का शुभारंभ आठ जून को 11 बजे से ब्लॉक सभागार बागेश्वर में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसमें एसडीआरएफ की टीम के सहयोग से पराविधिक कार्यकर्ताओं (पीएलवी) को आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके उपरांत इसी दिन अपराह्न एक बजे से सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा विषय पर जागरूकता रैली निकाली जाएगी।

अनर्सा-रैगांव लिफ्ट सिंचाई योजना का लोकार्पण

बागेश्वर। कपकोट विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत अनर्सा में जिला योजना मद के अंतर्गत 1 करोड़ 34 लाख रुपये की लागत से निर्मित अनर्सा-रैगांव लिफ्ट सिंचाई योजना का लोकार्पण किया गया। योजना को क्षेत्र की जनता को समर्पित करते हुए इसे किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण सौगात बताया गया। विधायक सुरेश गढ़िया ने योजना लोकार्पण करते हुए हुए कहा कि यह केवल एक सिंचाई योजना नहीं, बल्कि क्षेत्र के किसानों के सपनों, संघर्षों और समृद्ध भविष्य की आधारशिला है। लंबे समय से बेहतर सिंचाई सुविधा की अपेक्षा रखने वाले किसानों को इस योजना से बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास और किसानों की उन्नति के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। सिंचाई सुविधाओं के विस्तार से किसानों की आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख बागेश्वर दीपा देवी, मंडल अध्यक्ष देवल चौरा भूपेश फर्त्याल, ग्राम प्रधान प्रवीण कुमार, क्षेत्र पंचायत प्रतिनिधि प्रमोद कुमार, भाजपा जिला उपाध्यक्ष मनोहर राम, दीवान सिंह खेतवाल, केदार सिंह खेतवाल, प्रमोद मेहता, युवा मोर्चा अध्यक्ष हरीश चौहान, दीपक खेतवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

समाधान समारोह के प्रचार को निकला विधिक रथ

अल्मोड़ा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अनामिका सिंह के निर्देशन में मंगलवार को अधिकार मित्रों ने विधिक न्याय रथ के माध्यम से समाधान समारोह (विशेष लोक अदालत) 2026 का व्यापक प्रचार-प्रसार किया। अधिकार मित्र विनीता आर्या, भावना तिवारी, संदीप सिंह नयाल, पंकज भगत, आशा भारती एवं आरती कठायत ने लक्ष्मेश्वर, एनटीडी चौराहा, धारानौला, ऑफिसर्स कालोनी, पुलिस लाइन, दुगालखोला, करबला, चौहानपाटा और मालरोड सहित विभिन्न क्षेत्रों में लोगों को जागरूक किया। अभियान के दौरान बताया कि समाधान समारोह 2026 के अंतर्गत 21, 22 एवं 23 अगस्त को विशेष लोक अदालत आयोजित होगी।

अल्मोड़ा में बिजली संकट पर फूटा जनाक्रोश

अल्मोड़ा। नगर के धारानौला, चीनाखान, मकेड़ी तथा धारानौला बाजार क्षेत्र में पिछले एक सप्ताह से जारी विद्युत संकट को लेकर स्थानीय जनता, व्यापारियों एवं जनप्रतिनिधियों का आक्रोश खुलकर सामने आया। क्षेत्र में लगातार हो रही अघोषित बिजली कटौती से नाराज भूतपूर्व अध्यक्ष कुमाऊं विश्वविद्यालय परिसर छात्रसंघ राजेंद्र सिंह बोरा के नेतृत्व में पार्षदों एवं स्थानीय नागरिकों के एक शिष्टमंडल ने विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता (एक्शन) का घेराव कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि पिछले एक सप्ताह से क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। ज्ञापन देने वालों में पार्षद अंजू बिष्ट, विजय भट्ट, संजय कुमार जोशी, भूपाल सिंह मनराल, नवीन चंद्र आर्य सहित अन्य मौजूद रहे।

प्राधिकरण के विरोध में अल्मोड़ा में धरना

अल्मोड़ा। पर्वतीय क्षेत्रों से जिला विकास प्राधिकरण समाप्त करने की मांग फिर से तेज हो गई है। मंगलवार को विभिन्न संगठनों के लोगों ने अल्मोड़ा के चौघानपाटा स्थित गांधी पार्क में धरना दिया। इस दौरान सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। डीडीए समाप्ति का शासनादेश जारी नहीं होने तक धरना जारी रखने की चेतावनी दी। धरना स्थल पर समिति के संयोजक व पूर्व पालिकाध्यक्ष प्रकाश चंद्र जोशी ने कहा कि भाजपा सरकार आम जनता की परेशानी को नजरअंदाज कर रही है। कहा कि डीडीए लागू होने से लोग परेशान हैं। लेकिन अब तक सरकार की तरफ से इस पर कोई सकारात्मक कार्यवाही नहीं की गई। जिससे जनता की परेशानी बढ़ते जा रही है। लोगों ने एक स्वर में शीघ्र डीडीए समाप्ति का शासनादेश जारी नहीं होने पर सड़कों पर उतरने की चेतावनी दी।

गुरु अर्जुन देव के शहीदी दिवस पर मीठे शरबत की छबील लगाई

शाह टाइम्स संवाददाता

कालाढूंगी। सिक्खों के पांचवें गुरु श्री गुरु अर्जुन देव जी के शहीदी दिवस के अवसर पर मंगलवार को कालाढूंगी में मीठे शरबत और छोले का वितरण किया गया। सिक्ख समुदाय एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के सहयोग से आयोजित छबील में राहगीरों, वाहन चालकों और स्थानीय लोगों को रोककर शरबत पिलाया गया, जिससे उमस भरी गर्मी में लोगों को राहत मिली। कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा हरविंद्र पाल सिंह की अरदास के साथ हुआ। इस दौरान जनक राज उप्पल, मनोज अधिकारी, सुच्चा सिंह, जसविंद्र सिंह, राजेश कुमार उप्पल, जसवंत सिंह, गुरविंदर सिंह, पंकज कंबोज, गोपाल सामंत, सुरेंद्र सिंह, त्रसेंद्र सिंह, अमृत सिंह, जर्नल सिंह गिल और गुरप्रीत सिंह सहित बड़ी संख्या में सिक्ख समुदाय के लोग एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

डीएम के सामने पहुंची समस्याएं

शाह टाइम्स संवाददाता

बागेश्वर। जिलाधिकारी अपूर्वा पाण्डे की अध्यक्षता में मंगलवार को तहसील कपकोट की उप-तहसील शामा में तहसील दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने सड़क, पेयजल, आपदा, दूरसंचार नेटवर्क, स्वास्थ्य सेवाओं तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखीं। तहसील दिवस में कुल 48 शिकायतें प्राप्त हुईं। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को सभी शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन जनपद के अंतिम छोर पर बसे ग्रामीणों तक जनसेवाएं पहुंचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सभी शिकायतों पर एक सप्ताह के भीतर की गई कार्रवाई एवं प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए। जिलाधिकारी ने निर्धारित समय सीमा से अधिक विलंबित परियोजनाओं पर

तहसील दिवस: सम्बंधित अधिकारियों को निदान के निर्देश

नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने को कहा। विकास कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कुछ परियोजनाओं का तृतीय पक्ष निरीक्षण कराने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। सिंचाई विभाग की कार्यशैली पर असंतोष व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने अधिकारियों को कार्यप्रणाली में सुधार लाने के निर्देश दिए। साथ ही दूरस्थ क्षेत्रों में दूरसंचार नेटवर्क की समस्या के स्थायी समाधान के लिए जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को शिकायतों के समाधान में सकारात्मक प्रगति सुनिश्चित करने तथा नियमित रूप से प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। तहसील दिवस में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं और सुझाव प्रशासन के समक्ष रखे। इस अवसर पर समस्त जिला स्तरीय अधिकारी, जिला पंचायत सदस्य विजया कोरंगा, क्षेत्र पंचायत सदस्य कला देवी, ग्राम प्रधान गोपाल सिंह कोरंगा, प्रेम देवी, मीना देवी, चरण कोश्यारी, बबीता देवी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राम सिंह कोरंगा, भवन सिंह कोरंगा, भूपेंद्र कोरंगा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

कोटाबाग में पहली बार तहसील दिवस, 13 शिकायतों पर सुनवाई

शाह टाइम्स संवाददाता

कालाढूंगी। शासन की सरकार जनता के द्वार पहल के तहत कोटाबाग ब्लॉक सभागार में पहली बार तहसील दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी सुधीर कुमार ने जनसमस्याएं सुनीं। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे फरियादियों ने कुल 13 शिकायतें दर्ज कराईं।

एसडीएम ने बताया कि कई मामलों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों के निस्तारण के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि कोटाबाग में पहली बार आयोजन होने के कारण अपेक्षाकृत कम लोग पहुंच सके। भविष्य में तहसील दिवस का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। उन्होंने यह भी कहा कि आगामी तहसील दिवस अलग-अलग क्षेत्रों में आयोजित किए जाएंगे, जिससे लोगों को अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखने के लिए दूर न जाना पड़े। कार्यक्रम में तहसीलदार पूजा शर्मा, ब्लॉक प्रमुख मनीषा जंतवाल, ज्येष्ठ प्रमुख गीता तिवारी, कनिष्ठ प्रमुख अपूर्वा बिष्ट, पूर्व प्रधान मदन बजवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आर्य समाज काशीपुर का वार्षिक चुनाव संपन्न

शाह टाइम्स संवाददाता

काशीपुर। आर्य समाज काशीपुर का वार्षिक चुनाव संपन्न हो चुका है। विगत 31 मई रविवार को द्रोणासागर स्थित श्री श्रीमददयानन्द आश्रम में साप्ताहिक सत्संग के पश्चात वार्षिक चुनाव की प्रक्रिया प्रारंभ हुई। उक्त चुनाव में आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तराखंड के सभी नियमों का पालन करते हुए सभी निर्वाचित सभासदों में से पदाधिकारियों का चयन किया गया क्योंकि किसी भी पद पर एक से अधिक व्यक्तियों ने इच्छा व्यक्त नहीं की थी अत: सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन संपन्न हुआ, जिसमें प्रधान-अतुल कुमार रस्तोगी 'आजाद', उपप्रधान-अजय कुमार अग्रवाल, मंत्री-संजय अग्रवाल, उप मंत्री-मनोज कुमार विश्नोई, प्रचार मंत्री-विकल्प गुड़िया, कोषाध्यक्ष-अमरीश गर्ग, आय व्यय निरीक्षक-सुरेश चंद्र तिवारी, संयोजक आर्यवीर दल - मयंक अग्रवाल एवं एडवोकेट वीरेंद्र कुमार चौहान को द्रोणासागर स्थित श्री श्रीमददयानन्द आश्रम का प्रबंधक चुना गया है। इसके अतिरिक्त विजय कुमार शर्मा, प्रेम प्रकाश गुप्ता, प्रभाकर पाठक एवं विनोद कुमार मेहरोत्रा अंतरण सदस्य निर्वाचित हुए। सभी नव निर्वाचित कार्यकारिणी ने अपने वरिष्ठ सदस्य शिव चरण बिश्नोई को आर्य समाज काशीपुर का संरक्षक मनोनीत किया। इस प्रकार वर्ष 2026-27 का वार्षिक चुनाव संपन्न हुआ, इसकी सूचना आर्य प्रति निधि सभा उत्तराखंड को भेज दी गई है।

विभिन्न स्थानों में लगे योग शिविर

शाह टाइम्स संवाददाता

अल्मोड़ा। एसएसजे विवि के योग विभाग की ओर से आओ हम सब योग करें अभियान जारी है। मंगलवार को अभियान के तहत अल्मोड़ा नगर के विभिन्न स्कूलों और स्थानों पर शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं समेत लोगों को योग के आसानों का अभ्यास कराया गया।

अभियान के तहत मंगलवार रानीखेत, धौलादेवी, खत्याड़ी, धारानौला, कर्नाटक खोला, दुगालखोला, विवेकानंद पुरी, नंदा देवी क्षेत्र, स्यालीधार, पलना बैंड समेत दर्जनों स्थलों पर योग सत्रों का संचालन किया गया। इस मौके पर योग विभागाध्यक्ष डा. नवीन चंद्र भट्ट ने कहा कि योग भारत की सनातन ज्ञान परंपरा का अमूल्य उपहार है, जो आज सम्पूर्ण विश्व को स्वास्थ्य, संतुलन और शांति का मार्ग दिखा रहा है। उन्होंने कहा कि आओ हम सब योग करें अभियान केवल योग प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज को स्वस्थ, जागरूक और संस्कारित बनाने का एक जन-आंदोलन है। उन्होंने बताया कि योग के माध्यम से लोग न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ हो रहे हैं, बल्कि मानसिक तनाव, चिंता एवं अवसाद जैसी समस्याओं से भी राहत प्राप्त कर रहे हैं। इस दौरान प्रशिक्षकों ने लोगों को योग के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्कृति की जानकारी दी। कहा कि योग कोई विकल्प नहीं, बल्कि जीवन की एक आवश्यक विधा है। यहां डा. गिरीश सिंह अधिकारी अन्य मौजूद रहे।

धर्मशाला व कुएं के जीर्णोद्धार को महापौर को दिया ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

काशीपुर। अखिल भारतीय रुहेला क्षत्रिय महासभा रजिस्टर्ड भारत के राष्ट्रीय महामंत्री संजय रुहेला एडवोकेट के नेतृत्व में काशीपुर के रुहेला समाज के व्यक्तियों ने काशीपुर नगर निगम के महापौर दीपक वाली को एक ज्ञापन रुहेला समाज की जो धर्मशाला व कुआं जो मोहल्ला कटोराताल काशीपुर में स्थित है, उसके जीर्णोद्धार के लिए व अवैध कब्जे को हटाने के लिए दिया, जिस पर दीपक वाली ने तत्काल निर्णय लेते हुए नगर आयुक्त काशीपुर को जांच करते हुए उसे पर अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए हैं और आश्वासन दिया है कि जल्दी रुहेला समाज कि धर्मशाला व कुएं का जीर्णोद्धार कराया जाएगा उसमें जो रुहेला समाज का योगदान होगा वह भी पूर्ण रूप से लिया जाएगा तथा रुहेला समाज के उत्थान के बारे में चर्चा की जाएगी। इस दौरान राष्ट्रीय महामंत्री संजय रूहेला एडवोकेट, राष्ट्रीय सचिव विशाल रुहेला, कोषाध्यक्ष प्रेम रुहेला, विनीत रुहेला, सुनील रुहेला, राजीव रुहेला, प्रदीप रुहेला, कौशल रुहेला, पवन रुहेला, अर्जुन रुहेला, राजेंद्र रुहेला, सचिन रुहेला, अनिल रुहेला, मीत रुहेला, रुद्र रुहेला व समाज के कई व्यक्ति उपस्थित थे।

दुर्गा वाहिनी ने नगर में किया पथ संचलन

अल्मोड़ा। विश्व हिंदू परिषद दुर्गावाहिनी प्रान्त प्रशिक्षण वर्ग जारी है। मंगलवार को प्रशिक्षण वर्ग के पांचवे दिवस नगर में पथ संचलन किया गया। वहीं, लव जिहाद के खिलाफ प्रदर्शन कर पुतला फूंका। दुर्गा वाहिनी का पथ संचलन शहर के चौघानपाटा से शुरू होकर मिलन चौक, लाला बाजार, बाटा चौक, रघुनाथ मंदिर, जौहरी बाजार होते हुए मालरोड स्थित गांधी पार्क में संपन्न हुआ। इस दौरान संचलन में भारी संख्या में घोष के साथ युवतियां शामिल रही। इस मौके पर यहां विश्व हिंदू परिषद की केंद्रीय सह मंत्री सरोज सोनी, प्रांत संगठन मंत्री अजय कुमार, चिन्ता मणि सेमवाल, प्रान्त संयोजिका दुर्गावाहिनी पूजा लटवाल, प्रान्त उपाध्यक्ष विश्व हिंदू परिषद कमलेश सिंह, संध्या कौशिक, विभाग संयोजिका दुर्गावाहिनी चंद्रा कोहली आदि थे।

विधायक चीमा से मुलाकात कर लोगों ने की विकास कार्यों पर चर्चा

शाह टाइम्स संवाददाता

काशीपुर। विधायक त्रिलोक सिंह चीमा ने अपने कार्यालय में काशीपुर विधानसभा क्षेत्र से आए व्यक्तियों से मुलाकात कर क्षेत्र में संचालित विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान जनसमस्याओं एवं क्षेत्रीय आवश्यकताओं को भी उन्होंने गंभीरता से सुना तथा प्राप्त शिकायतों एवं सुझावों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित समाधान हेतु निर्देशित किया।

विधायक ने कहा कि जनसेवा ही हमारा सर्वोच्च दायित्व है। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में 'विकल्प रहित संकल्प' एवं 'सरलीकरण, समाधान, निस्तारण और संतुष्टि' के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए हम जनता की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। उधर, मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से प्राप्त आर्थिक सहायता के चेकों का वितरण भी विधायक त्रिलोक सिंह चीमा द्वारा किया गया। निर्धन एवं जरूरतमंद परिवारों की बेटियों के विवाह तथा गंभीर बीमारी से जूझ रहे व्यक्तियों के उपचार हेतु सहायता राशि के चेक प्रदान करते हुए उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना ही सुशासन का वास्तविक उद्देश्य है। मुख्यमंत्री श्री धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड सरकार निरंतर गरीब, असहाय एवं जरूरतमंद परिवारों के जीवन में आशा और विश्वास का संचार कर रही है।

डॉ. दीपिका गुड़िया आत्रेय बनी चंद्रावती तिवारी कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य

शाह टाइम्स संवाददाता

काशीपुर। चंद्रावती तिवारी कन्या महाविद्यालय में नई प्राचार्य के रूप में डॉ. दीपिका गुड़िया आत्रेय के कार्यभार ग्रहण करने पर पूरे महाविद्यालय परिवार में हर्ष और उत्साह का माहौल है। महाविद्यालय परिसर में आयोजित स्वागत समारोह में शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने डॉ. आत्रेय को पुष्पगुच्छ भेंट कर तथा मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं। स्वागत समारोह के दौरान सभी शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने डॉ. आत्रेय के उज्ज्वल नेतृत्व में संस्थान के शैक्षणिक, सांस्कृतिक और प्रशासनिक विकास की आशा व्यक्त की। उपस्थितजनों ने कहा कि डॉ. दीपिका गुड़िया आत्रेय का शिक्षा जगत में लंबा अनुभव और उनकी सकारात्मक कार्यशैली महाविद्यालय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर डॉ. दीपिका गुड़िया आत्रेय ने सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा छात्राओं का सर्वांगीण विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और संस्थान की उत्कृष्ट परंपराओं को आगे बढ़ाना मेरी प्राथमिकता होगी।

खिलाड़ियों के सपनों को उड़ान देगा खेल विवि

खेल विश्वविद्यालय की भूमि पर पहुंचीं खेल मंत्री रेखा आर्या

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। गौलापार में प्रस्तावित खेल विश्वविद्यालय की भूमि हस्तांतरण प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्रदेश की खेल मंत्री रेखा आर्या पहली बार विश्वविद्यालय परिसर के लिए चिन्हित भूमि पर पहुंचीं। जिसे हाल ही में वन विभाग से विश्वविद्यालय के लिए अंतिम रूप से हस्तांतरित किया गया है। निरीक्षण के दौरान खेल मंत्री ने विश्वविद्यालय परिसर के लिए चल रहे समतलीकरण कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयसीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। वर्तमान में भूमि को समतल करने तथा झाड़ियों एवं अन्य अवरोधों को हटाने का कार्य तेजी से चल रहा है।

खेल मंत्री रेखा आर्य ने कहा कि किसी अन्य व्यक्ति के लिए यह सिर्फ जमीन का एक टुकड़ा हो सकता है, लेकिन एक खेल मंत्री के रूप में मेरे लिए और प्रदेश के लाखों खिलाड़ियों के लिए यह किसी तीर्थस्थल से कम नहीं है। इस भूमि पर उत्तराखंड के खिलाड़ियों के सपने आकार लेंगे, उनकी प्रतिभा को नई दिशा मिलेगी और यहीं से भविष्य के राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी तैयार होंगे। यह केवल एक विश्वविद्यालय की भूमि नहीं, बल्कि उत्तराखंड के खेल भविष्य की नींव है। आने वाले समय में यह स्थान खेल उत्कृष्टता का केंद्र बनेगा और देवभूमि के युवाओं को विश्वस्तरीय मंच प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व और दृढ़ संकल्प के कारण यह महत्वाकांक्षी परियोजना अब वास्तविकता का रूप ले रही है। यह विश्वविद्यालय उत्तराखंड को देश के अग्रणी खेल राज्यों की श्रेणी में स्थापित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित होगा। निरीक्षण के दौरान खेल उपनिदेशक राशिका सिद्दीकी, जिला खेल अधिकारी निर्मला पंत, उप जिला क्रीड़ा अधिकारी वरुण बेलवाल, सतीश कुमार सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

नेशनल यूथ मुए थाई चैंपियनशिप का किया शुभारंभ

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। गौलापार स्थित अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित नेशनल यूथ मुए थाई चैंपियनशिप-2026 का मंगलवार को प्रदेश की खेल मंत्री रेखा आर्या ने औपचारिक उद्घाटन किया। 1 जून से 4 जून तक आयोजित होने वाली इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के 26 राज्यों एवं 5 केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 900 खिलाड़ी प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। इस दौरान खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि उत्तराखंड अब राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में तेजी से उभर रहा है। प्रदेश में विकसित हो रहे आधुनिक खेल ढांचे और खिलाड़ियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के कारण देशभर के खिलाड़ी यहां आकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुए थाई केवल एक खेल नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, शारीरिक दक्षता और मानसिक दृढ़ता विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर की ऐसी प्रतियोगिताएं खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने और बड़े मंच पर खुद को साबित करने का अवसर प्रदान करती हैं। साथ ही विभिन्न राज्यों से आए खिलाड़ियों के बीच अनुभवों का आदान-प्रदान भी होता है, जिससे खेलों का स्तर और अधिक ऊंचा होता है। इस मौके पर खेल उपनिदेशक राशिका सिद्दकी, जिला खेल अधिकारी निर्मला पंत, उप जिला क्रीड़ा अधिकारी वरूण बेलवाल, एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज वर्मा, महासचिव राम चौधरी, उत्तराखंड अध्यक्ष सतीश जोशी, निलेश जोशी, भाजपा जिला महामंत्री विशन कन्वाल, गणेश जलाल, पान सिंह बिष्ट, विजय भंडारी, राजेंद्र सिंह जलाल सहित कई लोग मौजूद रहे।

वाइन शॉप में भीषण आग, दो करोड़ तक नुकसान का अनुमान

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। तिकोनिया चौराहे के पास स्थित एक शराब की दुकान और उससे जुड़े गोदाम में सोमवार देर रात भीषण आग लग गई। आग की सूचना पुलिस और दमकल तक पहुंचती, तब तक देर हो चुकी थी। बमुश्किल पुलिस और दमकल की टीम ने शटर काटा। दुकान का शटर उठते ही आग और तेजी से फैली। करीब साढ़े 3 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद किसी तरह आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन तब तक डेढ़ से दो करोड़ रुपए की शराब व अन्य सामान जल चुका था। दमकल घटना के कारणों की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार हल्द्वानी कोतवाली क्षेत्र के तिकोनिया चौराहे के पास राजेंद्र पाल और नीरज मिश्रा की पार्टनरशिप में शराब की दुकान है। इसी दुकान में शराब का गोदाम भी है। बताया जाता है कि सोमवार रात तय समय पर सभी कर्मचारी दुकान बंद कर चले गए थे। रात करीब दो बजे एक ब्लिंकिट ब्वॉय उधर से गुजरा तो उसने शटर के नीचे से धुआं निकलता देखा। उसने फौरन पुलिस को सूचना दी। कुछ ही पल में पुलिस के साथ दमकल की टीम मौके पर पहुंच गई। दुकान का शटर बंद था। किसी तरह काट कर शटर खोला गया तो अंदर आग बुरी तरह धधक रही थी। एक के बाद एक दमकल की करीब सात गाड़ियों से लगातार पानी की बौछार की गई। तब कहीं जाकर सुबह साढ़े 5 बजे आग पर पूरी कर काबू पाया गया। एफएसओ एमपी सिंह ने बताया कि आग कैसे लगी, इसकी जांच की जा रही है। सीओ सिटी अमित सैनी ने बताया कि आग से डेढ़ के दो करोड़ के बीच नुकसान का अनुमान जताया जा रहा है। आग लगने के संभावित कारणों में शार्ट सर्किट भी हो सकता है। हालांकि इसकी जांच की जा रही है।

जलते सिलेंडर ने बढ़ाया खतरा

दमकल अधिकारियों के अनुसार आग बुझाने के दौरान गोदाम के अंदर एक कॉमर्शियल गैस सिलेंडर भी जलता हुआ मिला। आग की लपटों के बीच सिलेंडर को सुरक्षित बाहर निकालकर उसकी आग बुझाई गई। अधिकारियों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं होती तो सिलेंडर फटने से आसपास की दुकानों और इमारतों को भी भारी नुकसान पहुंच सकता था। एफएसओ एमपी सिंह ने बताया कि शराब बेहद ज्वलनशील होती है और ऐसे में शराब की दुकान में सुरक्षा मानकों का खास ख्याल रखना होता है। हालांकि तिकोनिया स्थित शराब की दुकान में नियमों को ताक पर रख दिया गया था और इसकी वजह न सिर्फ शराब की दुकान बल्कि आस-पास की दुकानों और इमारतों को भी खतरा पैदा हो गया था। उन्होंने कहा आग लगने के कारणों और सुरक्षा मानकों की जांच की जा रही है।

श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ एवं विष्णु सहस्रनाम पाठ यज्ञ 5 जून से

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। श्री गिरिजा देवी सनातन सेवा समिति एवं क्षेत्रवासियों के सहयोग से विश्व कल्याणार्थ श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ एवं विष्णु सहस्रनाम पाठ यज्ञ का आयोजन आगामी 5 जून से 12 जून तक श्री दत्तात्रेय आश्रम रामपुर रोड में किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन श्री श्री 1008 महामण्डलेश्वर स्वामी परेशयति महाराज की अध्यक्षता में संपन्न होगा। यह बात समिति के संरक्षक प्रो. डा. एसडी तिवारी ने पत्रकार वार्ता के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि आयोजन के दौरान प्रतिदिन अपराह्न 3 बजे से सायं 6 बजे तक प्रसिद्ध विद्वान एवं कथावाचक डा. नवीन चन्द्र जोशी श्रीमद्भागवत कथा का रसपूर्ण वाचन करेंगे। उन्होंने कहा कि इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में क्षेत्रवासियों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। स्थानीय संयोजक एवं समाजसेवी मोहन पाठक ने बताया कि यह यज्ञ सर्वजन कल्याण की भावना से आयोजित किया जा रहा है, जिससे मानव मात्र के आध्यात्मिक एवं नैतिक उत्थान का मार्ग प्रशस्त होता है। समिति सदस्य हर्षवर्धन पाण्डेय ने बताया कि आयोजन के शुभारंभ अवसर पर 5 जून को मातृशक्ति एवं श्रद्धालुओं द्वारा भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। उन्होंने बताया कि मुख्य यजमान के रूप में तुलसी बिष्ट एवं पान सिंह बिष्ट प्रतिदिन हवन एवं यज्ञ की पूर्णाहुति संपन्न करेंगे। महामण्डलेश्वर स्वामी परेशयति महाराज ने श्रद्धालुओं से अपील करते हुए कहा कि मानव कल्याण की भावना से आयोजित इस यज्ञ में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर दर्शन, श्रवण एवं पूजन का पुण्य लाभ अर्जित करें तथा अपने जीवन को धन्य बनाएं। पत्रकार वार्ता में पंडित हेम चन्द्र जोशी शास्त्री, आचार्य प्रमोद कुमार जोशी मौजूद रहे।

छात्रों और वंचित वर्गों के संवैधानिक अधिकार सुनिश्चित करने की मांग

हल्द्वानी। पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक) उत्तराखण्ड इकाई ने छात्र-छात्राओं तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समुदायों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर मंगलवार को तहसीलदार कुलदीप पांडे के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन भेजा। सीएम को भेजे गए ज्ञापन में कहा कि हाल के वर्षों में प्रतियोगी परीक्षाओं, विशेषकर नीट परीक्षा से जुड़े विवादों के कारण लाखों छात्र-छात्राओं के भविष्य पर प्रतिकू.ल प्रभाव पड़ा है। पार्टी ने मांग की कि आगामी समय में ऐसी परीक्षाओं को अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए कड़े प्रबंधन उपाय लागू किए जाएं। ज्ञापन देने वालों में लक्ष्मी नारायण, शंकर कोहली, अंशुमन, कुंती आर्या, सुंदर लाल बौद्ध आदि मौजूद रहे।

स्कूटी की डिग्गी से दो लाख उड़ाने वाला गिरफ्तार

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। 12 दिन पूर्व मुखानी थाना क्षेत्र के अंतर्गत स्कूटी की डिग्गी से दो लाख उड़ाने वाले शातिर चोर को पुलिस ने आखिरकार पकड़ लिया। जबकि उसका दूसरा साथी फरार बताया जा रहा है। पकड़े गए शातिर के पास से पुलिस ने चोरी की गई रकम में से केवल 20 हजार 230 रूपये ही बरामद किए। आरोपी के खिलाफ पूर्व में हत्या, लूट और चोरी जैसे कई मुकदमें दर्ज है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया।

जानकारी के अनुसार बीती 22 मई को गौलापार काठगोदाम निवासी दीपक शर्मा ने मुखानी थाने पहुंचकर तहरीर दी कि 20 मई को अज्ञात चोरों ने केएकसी के पास उनकी स्कूटी की डिग्गी से दो लाख रूपये चोरी हो गए।

पुलिस ने पीड़ित दीपक की तहरीर के आधार पर तुरंत मुकदमा दर्ज करते हुए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला शुरू किया। कैमरों में दो युवक संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिए पुलिस ने युवकों की पहचान कर दोनो युवक की गिरफ्तार के लिए घेराबंदी शुरू कर दी।

इसके बाद पुलिस ने सर्विलांस और मुखबिर की सूचना के आधार पर घेराबंदी करते हुए आरोपी अमर सिंह निवासी धानेपुर गोंडा उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरा.`पी ने बताया कि उसने अपने साथी राजेश कुमार के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। दोनों बैंक से नकदी निकालने वाले लोगों की रेकी करते थे। घटना के दिन भी उन्होंने बैंक से पैसे लेकर निकले व्यक्ति का पीछा किया और मौका पाकर स्कूटी की डिग्गी तोड़कर दो लाख रुपये उड़ा लिए। आरोपी ने बताया कि चोरी की रकम के बंटवारे को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया था। उसका साथी राजेश एक लाख 20 हजार रुपये लेकर फरार हो गया, जबकि उसके हिस्से में आए 80 हजार रुपये में से अधिकांश रकम पिता के इलाज में खर्च हो गई। बताया जा रहा कि पकड़ा गया आरोपी अमर सिंह एक शातिर अपराधी है, और उसके खिलाफ उत्तर प्रदेश के विभिन्न थानों में हत्या, लूट, चोरी और गुंडा एक्ट समेत कई मुकदमें दर्ज है। पुलिस अब फरार चल रहे आरोपी राजेश कुमार की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है। टीम में मुखानी थानाध्यक्ष मुखानी सुशील जोशी, एसआई वीरेंद्र चंद, एआई सूरज, कांस्टेबल बलवंत सिंह शामिल रहे।

छह माह की गर्भवती महिला की संदिग्ध मौत

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। काठगोदाम क्षेत्र के दमुवाढूंगा में छह माह की गर्भवती विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतका के मोबाइल फोन से एक वीडियो मिलने के बाद मामला और

सास के खिलाफ वीडियो बनाकर फंदे से लटककर दी जान पुलिस को नहीं दी सूचना, परिजनों ने उतारा फंदे से शव

गंभीर हो गया है। वीडियो में महिला ने अपनी सास पर प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए हैं।

परिजनों ने आनन फानन में महिला को लेकर अस्पताल पहुंचे लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मंगलवार को चिकित्सकों के पैनल और वीडियोग्राफी के बीच शव का पोस्टमार्टम किया गया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। जानकारी के अनुसार मल्ला प्लाट दमुवाढूंगा काठगोदाम निवासी संतोष कुमार यहां अपनी 24 वर्षीय पत्नी मनीषा देवी और मां के साथ रहता है। मनीषा 6 माह की गर्भवती थी। संतोष का कहना है कि सोमवार को मनीषा का अपनी सास के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इससे नाराज संतोष अपने कमरे में चली गई और फिर वापस बाहर नहीं आई। कुछ देर बाद परिजन कमरे में पहुंचे तो सामने मनीषा का शव फंदे से लटक रहा था। परिजनों ने आनन-फानन में शव को फंदे से उतारा और उसे लेकर महिला चिकित्सालय पहुंच गए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से मिली सूचना के बाद दमुवाढूंगा चौकी प्रभारी कुमकुम धानिक मौके पर पहुंची। मंगलवार को तहसीलदार कुलदीप पांडे, तीन चिकित्सकों के पैनल और वीडियोग्राफी के बीच शव का पोस्टमार्टम कराया गया। इस घटना के बाद पुलिस ने मनीषा के मोबाइल की जांच की। मोबाइल गैलरी में एक वीडियो मिला, जिसे उसे मौत से ठीक पहले बनाया था। वीडियो में उसने अपनी सास पर जीने नहीं देने, खाना नहीं देने सहित कई गंभीर आरोप लगाए हैं। तहसीलदार कुलद.ीप पांडे ने बताया कि मनीषा और संतोष की शादी को सात साल से कम समय हुआ है। जिसके चलते नियमों के तहत पोस्टमार्टम कराया गया। काठगोदाम कोतवाल जसवीर सिंह ने बताया कि यदि परिजनों की ओर से तहरीर आने पर आगे की कार्रवाई की जायेगी।

कस्टमर केयर नंबर बना जाल, स्क्रीन शेयर करते ही खाते से उड़ाए दो लाख रुपये

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। इंटरनेट पर मिले कथित कस्टमर केयर नंबर पर संपर्क करना एक युवक को भारी पड़ गया। साइबर ठगों ने स्क्रीन शेयरिंग का झांसा देकर उसके बैंक खाते से दो लाख रुपये निकाल लिए। पीड़ित के पिता की शिकायत पर काठगोदाम पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार ग्राम पसौली निवासी नारायण सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि उनके बेटे देवेंद्र को ऑनलाइन भुगतान में समस्या आ रही थी। समाधान के लिए उसने इंटरनेट पर खोजकर एक कस्टमर केयर नंबर पर संपर्क किया। बातचीत के दौरान सामने वाले व्यक्ति ने तकनीकी सहायता के नाम पर मोबाइल स्क्रीन शेयर करने को कहा। आरोप है कि स्क्रीन शेयरिंग के बाद ठगों ने बैंक खाते से जुड़ी गोपनीय जानकारी हासिल कर ली। कुछ ही देर में मोबा. इल पर लगातार ओटीपी आने लगे और देखते ही देखते खाते से दो लाख रुपये निकल गए। ठगी का एहसास होते ही देवेंद्र ने तत्काल बैंक खाता फ्रीज कराया और अधिकारियों को सूचना दी। काठगोदाम कोतवाल जसवीर सिंह चौहान ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस साइबर ठगों की पहचान और रकम की रिकवरी के लिए जांच कर रही है।

सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर कार्यशाला

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भाजपा ने आगामी कार्यक्रमों को लेकर मंगलवार को कुमाऊं संभाग कार्यालय में जिला कार्यशाला आयोजित की। इसमें जिले भर से आए पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य वक्ता पुष्कर सिंह काला, जिलाध्यक्ष प्रताप सिंह बिष्ट, प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह बिष्ट, विधायक सरिता आर्या, विधायक डा. मोहन सिंह बिष्ट, मेयर गजराज सिंह बिष्ट समेत अन्य पदाधिकारियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यशाला के दौरान जिलाध्यक्ष प्रताप सिंह बिष्ट ने कहा कि केंद्र सरकार ने पिछले 12 वर्षों में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को प्राथमिकता देते हुए अनेक ऐतिहासिक कार्य किए है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। मुख्य वक्ता पुष्कर सिंह काला ने बताया कि 5 से 23 जून तक जिले में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके तहत 5 से 11 जून तक एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाया जाएगा। 12 जून को जिला मुख्यालय में मीडिया संवाद कार्यक्रम होगा। इसके अलावा जनसंपर्क अभियान, विकास प्रदर्शनी, जनकल्याण शिविर, प्रबुद्ध सम्मेलन, प्राकृतिक एवं जैविक खेती कार्यशाला, अंत. राष्ट्रीय योग दिवस तथा डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यशाला को प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह बिष्ट, विधायक सरिता आर्या, विधायक मोहन सिंह बिष्ट और मेयर गजराज सिंह बिष्ट ने भी संबोधित किया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष दीपा दरम्वाल, दर्जा मंत्री सुरेश भट्ट, दीपक मेहरा, दिनेश आर्या, डा. अनिल कपूर डब्बू, शांति मेहरा, डा. जोगेंद्र रौतेला, प्रदीप बिष्ट, रंजन बर्गली, विनीत अग्रवाल, कंचन उप्रेती, किशोर जोशी सहित पदाधिकारी मौजूद रहे।

स्मैक तस्कर गिरफ्तार

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बनभूलपुरा पुलिस ने बीती रात्रि चैकिंग के दौरान एक स्मैक तस्कर को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से पुलिस ने 9.09 ग्राम स्मैक बरामद की है। जानकारी के अनुसार बनभूलपुरा प्रभारी निरीक्षक दिनेश सिंह फर्त्याल के नेतृत्व में बीते सोमवार की रात ऑपरेशन प्रहार के तहत टीम क्षेत्र में चैकिंग कर रही थी तभी पुलिस को चिराग अली शाह बाबा मजार के समीप गेट लाइन नंबर-18 के पास एक युवक संदिग्ध अवस्था में घूमता दिखाई दिया युवक को रूकने का इशारा किया लेकिन युवक टीम को देख भागने लगा। शक होने पर टीम ने घेराबंदी करते हुए युवक को दबोच लिया। पकड़े गए तस्कर ने अपना नाम साहिल खान पुत्र अय्यूब खान निवासी गौलापार बागजाला काठगोदाम बताया।

यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष पपनै का स्वागत

नई बसों की खरीद, डग्गामारी पर नियंत्रण और समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देने का किया वादा

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तरांचल रोडवेज कर्मचारी यूनियन के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष कमल पपनै के मंगलवार को काठगोदाम डिपो पहुंचने पर यूनियन के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ढोल-नगाड़ों, नारेबाजी और मिष्ठान वितरण के साथ उनका भव्य स्वागत किया।

स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए कमल पपनै ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी प्राथमिकता परिवहन निगम की उन्नति तथा उसे घाटे से उबारने के लिए प्रभावी नीतियां तैयार करना होगी। पपनै ने कहा कि निगम में नई बसों के बेड़े को बढ़ाने, प्रदेशभर में

डग्गामारी पर प्रभावी नियंत्रण लगाने, कार्यशालाओं में कलपुर्जों की कमी दूर करने तथा आगामी पीक सीजन को देखते हुए हल्द्वानी, काठगोदाम, देहरादून और हरिद्वार से छोटी बसों का संचालन बढ़ाने की मांग प्रमुखता से उठाई जाएगी। उन्होंने बताया कि यूनियन की प्रदेश कार्यसमिति शीघ्र ही नैनीताल, देहरादून और टनकपुर मंडल का दौरा करेगी। इस दौरान यूनियन पदाधिकारी कर्मचारियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को सुनेंगे और उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। स्वागत करने वालों में प्रदेश उपाध्यक्ष दयाल जोशी, प्रदेश संयुक्त मंत्री ललित प्रसाद, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य ममता बिष्ट, नवीन लोहनी, कैलाश कांडपाल, नैनीताल मंडल अध्यक्ष आनंद बिष्ट, शाखा अध्यक्ष मनोज भट्ट, शाखा मंत्री हरीश रावत, संदीप बिष्ट, बीसी भट्ट, पुष्कर मेहरा, संदीप रेसवाल, गुरमीत सिंह, दिनेश जोशी, दीपक कुमार, अजय श्रीवास्तव, निर्मल जोशी, केसर सिंह, रंजीत सिंह, सूरज मोहन, नागेंद्र सिंह, प्रदीप शर्मा, राजवीर सिंह, रघुवीर सिंह, गर्वित तिवारी, हेम महतोलिया, ललित पांडे, प्रेम प्रकाश, दिनेश कुमार सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे।

आम्रपाली के विद्यार्थियों ने विकसित किए सॉफ्टवेयर उत्पाद

विश्वविद्यालय में भव्य शुभारंभ, तकनीकी प्रतिभा और नवाचार क्षमता का दिखा प्रदर्शन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। आम्रपाली विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा विकसित चार अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर उत्पादों का मंगलवार को विश्वविद्यालय परिसर में भव्य शुभारंभ किया गया। बुइम्ब रिसर्च एलएलपी के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों की तकनीकी प्रतिभा और नवाचार क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन देखने को मिला। लॉन्च किए गए सॉफ्टवेयर उत्पादों में एचआरएमएस सॉफ्टवेयर, एसईओ ऑडिटर, एआई वर्कस्पेस और लीड जनरेशन सॉफ्टवेयर शामिल हैं। विद्यार्थियों द्वारा विकसित ये उत्पाद उद्योग जगत की वर्तमान आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किए गए हैं, जो संस्थानों एवं व्यवसायों की कार्यक्षमता बढ़ाने के साथ उनकी डिजिटल क्षमता को

भी सशक्त बनाएंगे। इस दौरान विद्यार्थियों को उद्योग जगत का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने के साथ-साथ वास्तविक सॉफ्टवेयर विकास परियोजनाओं पर काम करने का अवसर भी मिला।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डा. अक्षत सिंह बिष्ट ने कहा कि विद्यार्थियों में अपार नवाचार क्षमता मौजूद है।

यदि उद्योग और शिक्षण संस्थान मिलकर कार्य करें तो ऐसे उत्पाद विकसित किए जा सकते हैं जो वास्तविक समस्याओं का प्रभावी समाधान प्रस्तुत करें। उन्होंने उत्पाद विकास में शामिल सभी विद्यार्थियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर प्रो. आलोक सक्सेना और प्रो. रविशंकर प्रसाद ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि आम्रपाली विश्वविद्यालय की शोध, नवाचार और कौशल आधारित शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को उद्योगोन्मुखी परियोजनाओं और स्टार्टअप संस्कृति से जोड़ने के लिए लगातार प्रयासरत है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि यह उपलब्धि न केवल विद्यार्थियों की प्रतिभा, परिश्रम और तकनीकी दक्षता का प्रमाण है, बल्कि उद्योग और शिक्षण संस्थानों के बीच प्रभावी सहयोग का भी एक सफल मॉडल प्रस्तुत करती है। यह आयोजन तकनीकी शिक्षा, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

कच्ची शराब के साथ युवक गिरफ्तार

हल्द्वानी। कोतवाली पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ अभियान के तहत एक युवक को 96 पाउच कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधि. नियम के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बीते सोमवार की शाम एसआई आरती अपनी टीम के साथ गश्त पर थीं। इसी दौरान रेलवे फाटक कैंट के पास गौला गेट के आगे ब्लॉक नंबर-1 क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री की सूचना मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस को देखकर एक युवक भागने लगा, जिसे घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम अंकित कश्यप पुत्र किशन पाल कश्यप निवासी वार्ड नंबर-2, राजेंद्र नगर, हल्द्वानी बताया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 96 पाउच कच्ची शराब बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

दो सप्ताह से ज्यादा खांसी टीबी हो सकती है

समय पर जांच, नियमित उपचार से नियंत्रण सम्भव: डा. नौटियाल

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। टीबी (क्षय रोग) एक गंभीर संक्रामक बीमारी होने के बावजूद पूरी तरह उपचार योग्य और रोकथाम योग्य है। समय पर जांच, नियमित उपचार और जागरूकता के माध्यम से इस बीमारी पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। यह बात राजकीय मेडिकल कालेज के टीबी एवं श्वांस रोग विभागाध्यक्ष प्रो. डा. आरजी नौटियाल ने कही। उन्होंने बताया कि टीबी माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलो. सिस नामक जीवाणु के कारण होती है और संक्रमित व्यक्ति के खांसने, छींकने या थूकने के दौरान हवा के माध्यम से फैलती है। यह मुख्य रूप से फेफड़ों को प्रभावित करती है, हालांकि शरीर के अन्य अंग भी इसकी चपेट में आ सकते हैं। प्रो. डा. नौटियाल ने कहा कि दो सप्ताह से अधिक समय तक लगातार खांसी रहना, बलगम में खून आना,

सीने में दर्द, लगातार बुखार, रात में अत्यधिक पसीना आना, वजन कम होना, भूख में कमी और लगातार कमजोरी टीबी के प्रमुख लक्षण हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच करानी चाहिए। उन्होंने कहा कि टीबी के उपचार को बीच में छोड़ना मरीजों की सबसे बड़ी भूल साबित हो सकता है। इसलिए चिकित्सकों द्वारा निर्धारित दवाओं का पूरा कोर्स नियमित रूप से लेना बेहद आवश्यक है।

शाह टाइम्स
स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं कृष्णा लोहा भण्डार, प्रथम तल काला ढुंगी रोड, हल्द्वानी (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक:
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎05946-250286
मुख्यालय:
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No. UTTHIN/2003/10264
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

निजी फाइनेंस कंपनी का कारनामा उजागर

- ज्यादा ब्याज का लालच देकर खुलवाया खाता, अब पैसे देने से कर रहे इन्कार
- पीड़ित व्यापारियों के साथ पहुंचा चौकी
- लाखों की जमा धनराशि वापस दिलाने की लगाई गुहार
- चौकी इंचार्ज ने दिया मामले में छानबीन कर कार्रवाई करने का आश्वासन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर । नैनीताल मार्ग पर स्थित एक निजी फाइनेंस कंपनी के संचालकों द्वारा खाताधारक के जमा लाखों रुपए वापस न लौटने और अभद्र व्यवहार किया जाने के बाद आज व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जुनेजा की अगुवाई में तमाम लोगों ने आवास विकास चौकी में प्रदर्शन के साथ प्रभारी प्रकाश चंद्र का घेराव किया और उन्हें तहरीर सौंपकर कंपनी संचालक पर कार्रवाई कर जमा धनराशि वापस दिलवाने की मांग की।

अध्यक्ष संजय ने कहा कि तीन पानी डाम फुलसुंगा निवासी संदीप चौहान पुत्र योगेन्द्र को एक व्यक्ति सचिन ने बताया था कि वह एक वित्तीय संस्था संपूर्णा जीवन धन निधि लिमिटेड में कार्यरत है जिसका स्थानीय कार्यालय, पीएसी गेट के सामने आवास विकास रुद्रपुर में संचालित है। नंसंस्था बैंक की तरह ही काम करती है तथा उसने प्रतिदिन धनरा. शि जमा करने सहित अनेक लाभार्थी योजनाओं से अवगत कराया। उसने बताया प्रतिदिन धनराशि जमा करने पर बहुत अच्छा ब्याज दिया जाता है तथा जब चाहें, खाता बन्द कर धनराशि का भुगतान प्राप्त कर सकते है।

इसी आश्वासन के आधार संदीप द्वारा स्वयं के नाम से 1000 रुपए प्रतिदिन व अपनी पत्नी कुमारी राज कुमारी चौहान के नाम से 1000 रुपए प्रतिदिन का खाता संचालित किया गया। उक्त खातों में कमशः वर्तमान में 2,03,000 रुपये एवं 1,85,000 रुपये जमा है। उन्होंने बताया संदीप को धनरा. शि की अत्यधिक आवश्कता होने पर दोनों खातों का भुगतान प्राप्त करने हेतु सम्पर्क किया तो एजेन्ट व उक्त वित्तीय संस्था द्वारा भुगतान करने से इन्कार कर दिया और उसके साथ अभद्रता की गयी और कार्यालय में प्रवेश करने पर हाथ पैर तोडने व असत्य आरोपों में फँसाने की धमकी दी गयी।

उन्होंने तहरीर सौंपकर संदीप की रिपोर्ट दर्ज कर उक्त संस्था व एजेन्ट के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही करने एवं जमा धनराशि वापस दिलाने की मांग की। चौकी इंचार्ज ने आश्वासन दिया कि वह इस मामले में छानबीन कर कार्रवाई करेंगे।

इस दौरान संदीप चौहान, शिशुपाल सिंह, रोहित चौहान, संजीव चौहान, अभिजीत, पवन, जसवीर, पुष्पेंद्र, भानु यादव, सूरज, प्रकाश, मदन, पप्पू , कमलेश, राजेश, रमेश, नरेंद्र आदि मौजूद थे।

दिनदहाड़े फायरिंग से दहशत

- पुरानी रंजिश में हाईवे पर चली गोली
- एनएच-74 पर मनजोत ढाबे के पास फायरिंग, बदमाश फरार, पुलिस जांच में जुटी

शाह टाइम्स संवाददाता

गदरपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग-74 पर मनजोत ढाबे के पास दिनदहाड़े हुई फायरिंग की घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। व्यस्त हाईवे पर हुई इस वारदात ने एक बार फिर पुलिस की कार्यप्रणाली और कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए, जबकि सूचना मिलने पर पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बाजपुर निवासी कौशल अपने मामा के घर प्रेमनगर,गदरपुर से अपनी गाड़ी से वापस बाजपुर जा रहा था। बताया जा रहा है कि जैसे ही वह मनजोत ढाबे के पास पहुंचा, तभी एक क्रेटा कार में सवार बदमाश वहां पहुंचे और उन्होंने अचानक उन्होंने हवाई फायरिंग शुरू कर दी। हमले से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और आसपास मौजूद लोग दहशत में आ गए। कौशल ने बताया कि यह घटना पुरानी रंजिश का परिणाम है। फायरिंग के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। हालांकि इस हमले में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है, लेकिन दिनदहाड़े हुई इस घटना ने लोगों में भय का माहौल पैदा कर दिया है।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस के सब इंस्पेक्टर मुकेश मिश्रा टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मौके से एक जिंदा कारतूस भी बरामद किया है, जिसे जांच के लिए कब्जे में ले लिया गया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है तथा आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि राष्ट्रीय राजमार्ग जैसे व्यस्त मार्ग पर इस प्रकार की घटना होना सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है। लोगों ने पुलिस से आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और क्षेत्र में गश्त बढ़ाने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

एक नजर

हजरत नून शाह रहमतुल्लाह अलैह का 28वां उर्स मुबारक शुरू

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। बाजपुर-हल्द्वानी स्टेट हाईवे पर बाजपुर-बरहैनी मार्ग के मध्य स्थित हजरत नून शाह रहमतुल्लाह अलैह का 28वां चार दिवसीय उर्स मुबारक मंगलवार से शुरू हो गया। उर्स 5 जून तक विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों के साथ आयोजित किया जाएगा। दरगाह के सज्जादा गद्दीनशीन रफी बाबा ने उर्स कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि मंगलवार सुबह कुरआन ख्वानी के साथ उर्स का शुभारंभ हुआ। शाम को दरगाह परिसर में मिलाद शरीफ का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि उर्स के दूसरे दिन 3 जून (बुधवार) को दरगाह पर अजीमोशान कव्वाली कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें मुरादाबाद के प्रसिद्ध कव्वाल सुल्तान अली साबरी अपनी प्रस्तुति देंगे।उर्स के तीसरे दिन 4 जून (बृहस्पतिवार) को चादरपोशी की रस्म अदा की जाएगी। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद बाजपुर के मोहल्ला मुंडियापिस्तौर से दरगाह नमूना तक चादर का जुलूस निकाला जाएगा। इसके बाद दरगाह परिसर में कव्वाली कार्यक्रम आयोजित होगा। उर्स के चौथे एवं अंतिम दिन 5 जून (शुक्रवार) को सुबह 11 बजे कुल शरीफ की रस्म अदा की जाएगी। रफी बाबा ने बताया कि उर्स के दौरान 3, 4 और 5 जून को दरगाह परिसर में दिन-रात लंगर की व्यवस्था रहेगी। उन्होंने क्षेत्र एवं आसपास के सभी अकीदतमंदों से अधिक से अधिक संख्या में उर्स मुबारक में पहुंचकर धार्मिक कार्यक्रमों में सहभागिता करने की अपील की है।

पांच जून तक होंगे विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम

16.58 ग्राम स्मैक के साथ एक गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

नानकमत्ता । ऑपरेशन प्रहार के तहत कोतवाली पुलिस ने लाखों रुपये कीमतके मादक पदार्थ के साथ तस्कर को गिरफ्तार किया है।

मंगलवार को पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ऑपरेशन प्रहार के तहत पुलिस उपाधीक्षक खटीम के पर्यवेक्षण में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक संजय पाठक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। जिसकी तलाशी लेने पर कब्जे से 16.58 ग्राम स्मैक बरामद हुई है। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम परमजीत सिंह उर्फ बौबी पुत्र भजन सिंह निवासी सिद्धानवदिया, नानकमत्ता बताया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध धारा 8/21/60 के तहत अभियोग पंजीकृत किया हैं वही आरोपी की मोटरसाइकिल को सीज कर दिया है। पकड़ी गई स्मैक की कीमत पांच लाख रुपये आंकी जा रही है पकड़ने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक संजय पाठक, उप निरीक्षक संजय कुमार, उप निरीक्षक मनोज जोशी, सिपाही नवीन जोशी, चालक नरेंद्र बोरा शामिल हैं।

रुद्रपुर को मिलेगी पहली 200 वाहन क्षमता वाली ग्रीन पार्किंग की सौगात

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। विधायक शिव अरोरा द्वारा 2023 में रुद्रपुर क्षेत्र में जाम की समस्या से जनता को निजाद दिलाने की दृष्टि से सिचाई विभाग की जमीन पर पार्किंग बनाये जाने के प्रस्ताव जिसको मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा मुख्यमंत्री घोषणा शामिल करने का कार्य किया गया।

वहीं इस कार्य को गति देते हुऐ विधायक शिव अरोरा ने जिला विकास प्राधिकरण कार्यालय मे वीसी जय किशन व सचिव पंकज उपाध्याय के साथ बैठक की जिसमे रुद्रपुर क्षेत्र के लिए सुखद खबर है कि सिंचाई विभाग जमीन जो आवास विभाग को ट्रांसफर हो गई थी, तो इसकी डिजाइन डीपीआर का भी विधायक शिव अरोरा ने अवलोकन किया, जिसमे विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष जय किशन द्वारा द्वारा बताया गया कि डिजाइन डीपीआर तैयार है, अगले एक सप्ताह में 200 गाड़ियों की क्षमता वाली ग्रीन पार्किंग का टेंडर विकास प्राधिकरण द्वारा लगाया जाएगा जिसमे बाउंड्री, गार्ड, शौचालय, टाइल्स जिसमे पानी बरसात के समय जमीन में जा सकेगा ऐसी अत्यधिक सुविधा से युक्त पार्किंग का निर्माण विधायक शिव अरोरा के प्रस्ताव पर किया जा रहा है जो मुख्यमंत्री घोषणा मे शामिल था।

शराब के नशे में हंगामा करना पड़ा महंगा, वाहन सीज, चालक गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। कोतवाली पुलिस रामनगर द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों एवं नशे में वाहन चलाने वालों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस द्वारा एक व्यक्ति के खिलाफ कार्यवाही की गई।कोतवाल सुशील कुमार के नेतृत्व में रामनगर पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान वाहन संख्या यूके 04सी-0021 स्कॉर्पियो के चालक मोधवीर निवासी काशीपुर को शराब के नशे में वाहन चलाते और सार्वजनिक स्थान पर हंगामा करते हुए पाया गया।कोतवाल ने बताया कि चालक का मेडिकल परीक्षण एवं एल्कोमीटर परीक्षण कराए जाने पर उसके शराब के नशे में होने की पुष्टि हुई।वाहन चालक के विरुद्ध कोतवाली रामनगर में मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज कर वाहन यूके 04सी-0021 स्कॉर्पियो को सीज किया गया।कोतवाल ने कहा कि शराब का सेवन कर वाहन न चलाएं। नशे में वाहन चलाना स्वयं एवं अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं के जीवन के लिए खतरा है। यातायात नियमों का पालन करें एवं सुरक्षित यात्रा करें।

द्विवार्षिक कार्यकारिणी के लिए समिति का गठन

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। उत्तराखंड परिवर्तन पार्टी के द्विवार्षिक सम्मेलन में पार्टी के दो साल की गतिविधियों और कार्यक्रमों की विस्तृत आख्या जिलों से आए प्रतिनिधियों ने रखी। सम्मेलन में पुरानी कार्यकारिणी को भंग कर नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। सर्वसम्मति से प्रभात ध्यानी को पार्टी का केंद्रीय अध्यक्ष और नरेश नौडियाल को प्रधान महासचिव नियुक्त किया गया।चुनाव अधिकारी चारु तिवारी एवं पर्यवेक्षक मोहन कांडपाल के देख रेख में संपन्न उत्तराखंड परिवर्तन पार्टी की द्विवार्षिक कार्यकारिणी के लिये प्रभात ध्यानी को केंद्रीय अध्यक्ष और नरेश नौडियाल को प्रधान महासचिव नियुक्त किया गया। बाद में नवनियुक्त अध्यक्ष ने केंद्रीय कार्यकारिणी की घोषणा की। अध्यक्ष पद के लिए प्रभात ध्यानी के नाम का प्रस्ताव राज. कुमार त्यागी, अनुमोदन पूर्व अध्यक्ष पीसी तिवारी,लालमणि ने किया। प्रधान महासचिव नरेश नौडियाल के नाम का प्रस्ताव कुलदीप मधवाल और अनुमोदन आनंदी वर्मा,अमीनुर रहमान, हीरा देवी ने किया। बाद में पार्टी के नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रभात ध्यानी ने केंद्रीय कमेटी की घोषणा की। केंद्रीय कमेटी में केंद्रीय उपाध्यक्ष पद पर कुलदीप मधवाल देहरादून, नारायण राम अल्मोड़ा, जेपी बडोनी हरिद्वार,केंद्रीय महासचिव पद पर दिनेश उपाध्याय नैनीताल, आनंदी वर्मा अल्मोड़ा, अमीनुर रहमान हल्द्वानी सचिव पद पर प्रकाश जोशी द्वारहाट, किरण आर्य सोमेश्वर, भोपाल सिंह रावत कोटद्वार, लालमणि रामनगर, बी डी असनोड़ा गैरसैंण सर्व समिति से चुना गया।चुनाव प्रक्रिया को चुनाव अधिकारी चारु तिवारी और पर्यवेक्षक डा. मोहन कांडपाल ने संपन्न कराया।

आस्था अग्रवाल ने सिविल सर्विसेज में लहराया सफलता का परचम

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। सिविल सर्विसेज के परीक्षा परिणाम आने के बाद रामनगर की होनहार बिटिया आस्था अग्रवाल पुत्री दीपा अग्रवाल एवं विजय अग्रवाल रामनगर ने टॉप 10 मे पास किया। जैसे ही परीक्षा पर डिक्लेअर हुआ उसके बाद सबसे पहले उनके माता-पिता एवं छोटे भाई ने बधाई दी। पीसीएस परीक्षा पास कर आस्था अग्रवाल से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बताया कि हमें गाइड करने वाले उत्तर प्रदेश लखनऊ में 2018 बैच के अधिकारी रामनगर के रहने वाली पूर्व दर्जा राज्यमंत्री अमिता लोहनी के दामाद हैं और उनकी बिटिया आईएएस पीसीएस की तैयारी करने वाली संस्था हल्द्वानी से ताल्लुक रखते हैं। रामनगर के एमपी इंटर कॉलेज की छात्रा के रूप में 10वीं बोर्ड 12वीं की परीक्षा उत्तराखंड बोर्ड से सर्वश्रेष्ठ अंकों से पास की। बीएससी की पढ़ाई डू यूनिवर्सिटी दिल्ली से पास की।

समर कैंप का सफल समापन

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। दूरस्थ गांव बग्घा-54 के राजकीय इंटर कॉलेज में आयोजित सात दिवसीय समर कैंप का आज हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ शानदार समापन हो गया। इस सात दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर में बच्चों ने खेल-खेल में आने को नई कलाएं और कौशल को सीखा तथा अपने उत्साह और ऊर्जा को लगातार बनाए रखा।

इस समर कैंप के समापन अवसर पर ग्राम प्रधान रमेश चंद्र बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे।बच्चों ने क्विज, कहानी, कविता, गायन, पेंटिंग, नृत्य और संगीत की शानदार, आकर्षक और भव्य प्रस्तुतियों से कैंप के वातावरण को रोचक बनाए रखा। वहीं विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे शिविर बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए बहुत जरूरी है। वहीं कार्यक्रम के नोडल अधिकारी भीम प्रकाश ने बंगाली गीतों पर अपनी शानदार और मनमोहक प्रस्तुति दी। इसके साथ ही विद्यार्थियों ने भी विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। वहीं शिविर के अंतिम दिवस पर सभी प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। समर कैंप के समापन अवसर पर किशोर कुमार, अतुल राठौर, गोविंद चंद, लीला खोलिया तथा इशिता सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

गदरपुर नगर पालिका पर कांग्रेस का हमला

- सिद्धार्थ भुसरी बोले: विकास कार्यों में हो रहा भ्रष्टाचार
- रजत जयंती पार्क बना 'भ्रष्टाचार जयंती पार्क'
- कांग्रेस नगर अध्यक्ष ने लगाए गंभीर आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

गदरपुर। कांग्रेस नगर अध्यक्ष सिद्धार्थ भुसरी ने नगर पालिका परिषद पर गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए पालिका प्रशासन और अध्यक्ष के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। उन्होंने पालिका अध्यक्ष के आवास के सामने स्थित पार्क में पत्रकार वार्ता आयोजित कर नगर पालिका के विभिन्न कार्यों में अनियमितताओं और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया।

पत्रकारों से बात. चीत करते हुए सिद्धार्थ भुसरी ने कहा कि नगर के विकास कार्यों के नाम पर जनता के पैसे का दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने आवास विकास क्षेत्र में निर्माणाधीन रजत जयंती पार्क को भ्रष्टाचार का प्रतीक बताते हुए इसका नाम बदलकर "भ्रष्टाचार जयंती पार्क" रख देने की बात कही। उनका आरोप है कि पार्क निर्माण में गुणवत्ता और वित्तीय पारदर्शिता की अनदेखी की जा रही है तथा कार्यों में भारी अनियमितताएं बरती जा रही हैं। उन्होंने कहा कि पालिका द्वारा चामुंडा मंदिर के पास इंटरलॉकिंग टाइल्स बिछाने के लिए जो टेंडर जारी किया गया है, उसमें भी गंभीर सवाल खड़े होते हैं। भुसरी का आरोप है कि जिस कार्य का टेंडर अब जारी किया जा रहा है, वह कार्य पहले ही कराया जा चुका है। ऐसे में टेंडर प्रक्रिया की पारदर्शिता और वैधता पर संदेह उत्पन्न होना स्वाभाविक है। उन्होंने इस मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

कांग्रेस नेता ने नगर की सफाई व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उनका कहना था कि सफाई व्यवस्था के नाम पर लाखों रुपये खर्च दिखाए जा रहे हैं, जबकि धरातल पर स्थिति संतोषजनक नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सफाई कार्यों में भी व्यापक स्तर पर भ्रष्टाचार किया जा रहा है और जनता को इसका कोई लाभ नहीं मिल रहा। सिद्धार्थ भुसरी ने कहा कि नगर पालिका में विकास कार्यों की आड़ में भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने प्रशासन से सभी विवादित कार्यों और टेंडरों की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि मामलों की निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो कांग्रेस कार्यकर्ता जनता के साथ मिलकर आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

सीएम धामी के जीरो टॉलरेंस पर सवाल

गदरपुर। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति को लेकर बड़े बड़े दावे करते रहे हैं, लेकिन गदरपुर नगर पालिका की कार्यप्रणाली इन दावों को लगातार खोखला साबित करने में जुटा है । स्थानीय स्तर पर विकास कार्यों, सफाई व्यवस्था, निर्माण कार्यों और प्रशासनिक निर्णयों को लेकर उठ रही शिकायतों ने लोगों में नाराजगी बढ़ा दी है। आरोप है कि जनहित से जुड़े मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही का अभाव दिखाई दे रहा है, जिससे सरकार की मंशा पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। जबकि शहरवासियों की माने तो यदि शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति केवल कागजों तक सीमित होकर रह जाएगी। ऐसे में शहरी विकास मंत्रालय को मामले का संज्ञान लेना चाहिए । जिससे सरकार की स्वच्छ छवि दागदार ना हो

निजी व सरकारी अस्पतालों की सुरक्षा को लेकर डीएम ने गठित किया निरीक्षण दल

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर । जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने बताया कि 20 मई 2026 को देहरादून हरिद्वार रोड स्थित पैनेसिया हॉस्पिटल के आईसीयू वार्ड के एसी में आग लग जाने से आगजनी की घटना के दृष्टिगत जनपद में विभिन्न स्थानों में घटित घटनाओं एवं सम्भावित जोखिमों के दृष्टिगत जनपद के जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, निजी सरकारी नर्सिंग होम, क्लीनिक एवं अन्य स्वास्थ्य संस्थानों में अग्नि सुरक्षा, सार्वजनिक सुरक्षा, भवन सुरक्षा, आपदा निवारण उपायों के परीक्षण हेतु सयुक्त सुरक्षा ऑडिट कराया जाना अत्यन्त आवश्यक हैं।

जिलाधिकारी ने जनपद क्षेत्रान्तर्गत संचालित समस्त चिकित्सालयों निजी/सरकारी, नर्सिंग होम क्लीनिक, ट्रॉमा सेन्टर आदि संस्थानों के संयुक्त निरीक्षण एवं सुरक्षा ऑडिट हेतु निरीक्षण दल का गठन किया है। उन्होंने बताया कि निरीक्षण दल में सम्बन्धित नगर मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी/तहस. ीलदार, मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा नामित अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, सम्बनिधत अधिशासी अभियन्ता लोनिवि, सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड, सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता जल संस्थान, सहायक नगर आयुक्त नगर निगम/सम्बन्धित अधिशासी अधिकारी नगर पालि. का/नगर पंचायत, सचिव जिला विकास प्राधिकरण द्वारा नामित सहायक/अवर अभियन्ता शामिल रहेंगे।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि गठित संयुक्त निरीक्षण समिति अपने क्षेत्रान्तर्गत संचालित समस्त चिकित्सालयों-निजी/सरकारी, नर्सिंग होम, क्लीनिक, ट्रॉमा सेन्टर आदि संस्थानों को संयुक्त निरीक्षण कर निर्धारित बिन्दुओं की जांच सुनिश्चित करेगी। उन्होंने निर्देश दिए है कि चिकित्सा परिसरों/संस्थानों में अग्निशमन विभाग द्वारा निर्धारित सभी अग्नि सुरक्षा मानकों का पूर्ण अनुपालन किया जा रहा है अथवा नहीं।

गैस ब्लैक करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई, जाएंगे जेल : राजेश कुमार

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। पूर्व राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त राजेश कुमार ने मंगलवार को मंडी स्थित इंडेन गैस एजेंसी पहुंचकर एजेंसी प्रबंधक बाबूराम से डीएसी (डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड) व्यवस्था को लेकर वार्ता की। इस दौरान उन्होंने उपभोक्ताओं को गैस वितरण में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और किसी भी प्रकार की अनियमितता पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी।

राजेश कुमार ने कहा कि सरकार द्वारा लागू की गई डीएसी व्यवस्था का उद्देश्य गैस वितरण प्रक्रिया को पारदर्शी बनाना और कालाबाजारी पर रोक लगाना है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गैस सिलेंडरों की ब्लैक मार्केटिंग किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि कोई व्यक्ति या एजेंसी कर्मचारी गैस की कालाबाजारी में संलिप्त पाया जाता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी और दोषियों को जेल जाना पड़ेगा।

उन्होंने एजेंसी प्रबंधन से उपभोक्ताओं को डीएसी प्रणाली के बारे में जागरूक करने तथा समय पर गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही चेतावनी दी

कि यदि एक सप्ताह के भीतर व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ और उपभोक्ताओं की शिकायतें दूर नहीं हुईं तो जनहित में आंदोलन शुरू किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विभाग और एजेंसी प्रबंधन की होगी।

एजेंसी प्रबंधक बाबूराम ने आश्वासन दिया कि उपभोक्ताओं की समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाएगा तथा गैस वितरण व्यवस्था को और अधिक सुचारू एवं पारदर्शी बनाया जाएगा।

बैक हो रहे वाहन की चपेट में आया युवक, मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। सोमवार की रात्रि ग्राम जयपुर नम्बर पांच में सड़क किनारे आराम कर रहे युवक को अज्ञात वाहन के चालक ने वाहन बैक करने के दौरान कुचल दिया। जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए तत्काल जिला चिकित्सालय ले जाया गया जहां उसने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। घटना से परिजनों में को. हराम मच गया।

जानकारी के अनुसार जयनगर नम्बर 5 निवासी 24 वर्षीय रवि सिंह पुत्र स्व. चन्दन सिंह निजी वाहनों में चालक के रूप में काम करता था। बताया जाता है कि रवि सोमवार की देर सायं कालीनगर बाजार सामान लेने आया था।

जब वह सामान लेकर पैदल घर वापस लौट रहा था तो मार्ग में वह शिव मंदिर के पास सड़क किनारे आराम करने के लिए रूक गया। इसी दौरान वहां खड़े एक वाहन के चालक ने जब वाहन बैक किया तो रवि उसकी चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। वाहन चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर रवि के परिजन मौके पर आ गये और उसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय ले गये जहां उपचार के दौरान रवि ने दम तोड़ दया। जिससे परि. जनों में कोहराम मच गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने चिकित्सालय पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाऊस भिजवाया। मृतक रवि तीन भाईयों में मझला था।

जिला टैक्स बार एसो. रुद्रपुर का शपथ ग्रहण कार्यक्रम संपन्न

- कनिष्ठ सदस्य बनने पर मो. अफसर सैफी को बधाइयों का लगा तांता

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। जिला टैक्स बार एसोसिएशन, रूद्रपुर (उधमसिंह नगर) का शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन सिटी क्लब में किया गया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि बतौर सदस्य न्यायायिक प्राधिकरण कुमाऊं जोन राकेश वर्मा के द्वारा अध्यक्ष कुन्दन सिहं रौतेला, उपाध्यक्ष सुनील शर्मा, सचिव ओमशंकर श्रीवास्तव, उपसचिव सोमवीर सिंह, कोषाध्यक्ष गौरव अग्रवाल, वरिष्ठ सदस्य योगेश छाबडा एवं कनिष्ठ सदस्य मौ. अफसर सैफी को पद एवं गोपनियता की शपथ ग्रहण करायी गई।

भुपेश चन्द्र दुम्का के संचालन मे समपन्न हुये कार्यक्रम मे बार कांउसिल ऑफ उत्तराखंड के नव निर्वाचित सदस्यों का स्वागत किया गया जिसमे

दिवाकर पांडेय, चन्द्रशेखर जोशी, मेहरबान सिंह कोंरगा, राजन सिंह मेहरा, सुशीला मेहता बिष्ट, अमनद. ीप कौर एवं पर्यवेक्षक के रूप मे नियुक्त हिमानी बोरा, मुख्य चुनाव अधिकारी अवतार सिंह एवं सहायक चुनाव अधिकारी समीर सेन आदि शामिल रहे। कार्यक्रम में डीपी यादव, स. जोगेद्र सिंह, भूपेश दुम्का, इजहार अहमद, उत्तम सिंह रावत, जीवन राय, हरीश शर्मा, रिंकु कुमार, मनोज रप्तान, नित्यानंद सिंह, नरेश बंसल, राजन बजाज, शहावत रजा जैदी, तरुण चोपडा, प्रियांशी मिश्रा, हजरत अंसारी, अजय आनंद, अभिषेक मिश्रा, नवल अरोरा आदि मौजूद रहे।

करोड़ों के टेंडर, खाली खजाना! गदरपुर पालिका की कार्यशैली पर उठे गंभीर सवाल

93 निविदाएं रद्द, लेकिन सवाल बरकरार, किसके इशारे पर जारी हुए करोड़ों के टेंडर?

- बजट एक करोड़, टेंडर आठ करोड़ के; गदरपुर पालिका की 'मनमानी' उजागर
- डीएम के निर्देशों को किया दरकिनार? गदरपुर पालिका की टेंडर प्रक्रिया विवादों में

शाह टाइम्स संवाददाता

गदरपुर। भ्रष्टाचार के आरोपों से लगातार घिर रही नगर पालिका एक बार फिर अपनी मनमानी और तानाशाही पूंण रवैये को लेकर फिर सुर्खियों का केंद्र बन रही है। पालिका प्रशासन पर आरोप है कि अधिशासी अधिकारी और पालिकाध्यक्ष' ने डीएम के आदेशों और नियमों को ताक पर रखते हुए आठ करोड़ रुपये से अधिक के कार्यों की निविदाएं जारी कर दीं, जबकि पालिका के पास उपलब्ध बजट लगभग एक करोड़ रुपये ही बताया जा रहा है। इस मामले ने स्थानीय स्तर पर प्रशासनिक पारदर्शिता और वित्तीय अनुशासन को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। अब आनन फानन में 93 निविदाओ को निरस्त कर मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर पालिका द्वारा दो समाचार पत्रों में लगभग 93 विकास कार्यों की निविदाएं प्रकाशित की गई थीं। आरोप है कि इतनी बड़ी राशि के टेंडर उस समय जारी किए गए, जब पालिका की वित्तीय स्थिति स्वयं इतने खर्च की अनुमति नहीं देती थी। सूत्रों का कहना है कि जिलाधिकारी की ओर से स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि जिस कार्य के लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध न हो, उसकी निविदा प्रक्रिया शुरू न की जाए। इसके बावजूद करोड़ों रुपये के कार्यों के लिए टेंडर जारी किए जाने को प्रशासनिक आदेशों की अवहेलना माना जा रहा है। इस संबंध में मामले ने तूल

पकड़ा और शिकायतें उच्च स्तर तक पहुंचीं। इसके बाद जांच और आपत्तियों के बीच पालिका प्रशासन द्वारा प्रकाशित लगभग 93 कार्यों की निविदाओं को आनन फानन में निरस्त कर दिया गया। निविदाएं निरस्त होने के बाद यह सवाल और गहरा गया है कि आखिर बिना पर्याप्त बजट के इतनी बड़ी टेंडर प्रक्रिया शुरू करने की अनुमति किस आधार पर दी गई थी।

स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों का कहना है कि यदि पालिका के पास केवल एक करोड़ रुपये के आसपास का बजट था, तो आठ करोड़ रुपये से अधिक के कार्यों की निविदा निकालना वित्तीय नियमों और शासन के निर्देशों की अनदेखी है। विपक्षी नेताओं ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। जिसके बाद अब सबकी निगाहें जिला प्रशासन पर टिकी हैं और जनता जानना चाहती है कि करोड़ों रुपये की इस विवादित टेंडर प्रक्रिया के पीछे आखिर किसकी जिम्मेदारी तय होगी और क्या नियमों की अनदेखी करने वालों पर कोई ठोस कार्रवाई होगी या मामला केवल निविदाएं निरस्त होने तक ही सीमित रह जाएगा।

नवविवाहिता की मौत के मामले में पति समेत पांच पर मुकदमा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। विवाह के महज तीन माह बाद एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका के पिता ने पति समेत ससुराल पक्ष के पांच लोगों पर दहेज की मांग को लेकर मानसिक, शारीरिक उत्पीड़न करने और आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुक. दमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बरेली निवासी राजवीर शर्मा ने ट्रांजिट कैंप कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि उनकी पुत्री काजल शर्मा का विवाह 18 फरवरी को किच्छा निवासी अजय कुमार के साथ हुआ था। आरोप है कि विवाह के बाद पति अजय कुमार, ससुर राजू शर्मा, सास सुमन शर्मा, देवर आदित्य शर्मा और सूरज शर्मा दहेज से संतुष्ट नहीं हुए और काजल पर 15 लाख रुपये और बुलेट मोटरसाइकिल लाने का दबाव बनाने लगे। मांग पूरी न होने पर उसका मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न किया जाता था। 15 मई को ससुराल पक्ष के लोग काजल को उसके मायके स्थित वसुंधरा कॉलोनी, रुद्रपुर में छोड़ गए थे। इसके बाद भी फोन पर उसे लगातार प्रताड़ित किया जाता रहा। आरोप है कि इसी मानसिक दबाव और प्रताड़ना से परेशान होकर काजल ने जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कोतवाल धर्मवीर सोलंकी ने बताया कि तहरीर के आधार पर पति समेत पांच आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

टनकपुर की बेटी अंजली ने रचा इतिहास

पीसीएस परीक्षा में सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम किया रोशन

शाह टाइम्स संवाददाता

टनकपुर/चम्पावत। मेहनत, लगन और अटूट आत्मविश्वास के बल पर टनकपुर के ककरालीगेट निवासी अंजली चंद ने उत्तराखंड पीसीएस परीक्षा में शानदार सफलता हासिल कर सहायक नगर आयुक्त (Assistant Municipal Commissioner) के पद पर चयनित होकर पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि से टनकपुर सहित पूरे चम्पावत जनपद में खुशी की लहर दौड़ गई है। लोग इसे क्षेत्र की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक उपलब्धि बता रहे हैं।

वर्तमान में अंजली चंद अल्मोड़ा जिले के लमगड़ा में उपखंड शिक्षा अधिकारी के पद पर अपनी सेवाएं दे रही हैं। अब पीसीएस जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता प्राप्त कर उन्होंने यह साबित कर दिया है कि कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प के आगे कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। उनके चयन की खबर मिलते ही उनके आवास पर शुभचिंतकों, रिश्तेदारों और क्षेत्रवासियों का तांता लग गया तथा सभी ने उन्हें बधाई देकर उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अंजली ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा सेंट फ्रांसिस स्कूल, टनकपुर से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने इंटरमीडिएट की शिक्षा नौजे पब्लिक स्कूल, खटीमा से पूरी की तथा उच्च शिक्षा एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा से हासिल की। छात्र जीवन से ही वे मेधावी और लक्ष्य के प्रति समर्पित रही हैं, जिसका परिणाम आज पूरे क्षेत्र के सामने है।

अंजली चंद एक प्रतिष्ठित एवं सामाजिक परिवार से संबंध रखती हैं। उनके पिता प्रकाश चंद सामाजिक कार्यकर्ता एवं व्यवसायी हैं, जबकि माता दीपा चंद गृहिणी हैं। उनके चाचा धर्मेंद्र चंद स्वतंत्र पत्रकार, अधिवक्ता एवं शिक्षाविद् हैं, वहीं दूसरे चाचा बसंत राज चंद नगर पालिका में वरिष्ठ लिपिक के पद पर कार्यरत हैं।

अपनी सफलता का श्रेय अंजली चंद ने परिवार के सहयोग, सकारात्मक सोच, कठिन परिश्रम और निरंतर प्रयास को दिया है। उन्होंने कहा कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए तो सफलता अवश्य मिलती है।

अंजली चंद की यह उपलब्धि केवल उनके परिवार की नहीं, बल्कि पूरे टनकपुर, चम्पावत और उत्तराखंड के लिए गर्व का विषय है। उनकी सफलता ने यह संदेश दिया है कि सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखे जा सकते हैं और उन्हें साकार भी किया जा सकता है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि अंजली ने अपनी प्रतिभा और संघर्ष के दम पर टनकपुर का नाम पूरे प्रदेश में रोशन कर दिया है तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए एक नई मिसाल कायम की है।

एक नजर

आबकारी ने हरियाणा मार्का की शराब के साथ दो को पकड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। उत्तराखण्ड आबकारी आयुक्त के आदेशानुसार, सयुंक्त आबकारी आयुक्त केके कांड पाल, संयुक्त आबक. री आयुक्त प्रदीप कुमार के निर्देशन में जिला आबकारी अधिकारी एमएस बिष्ट के नेतृत्व में विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत डीडी चौक नैनीताल रोड रुद्रपुर में दो संदिग्ध व्यक्तियों के कब्जे से कुल 60 बोतल सिग्नेचर रेयर व्हिस्की(फॉर सेल इन हरियाणा ओनली मार्का) बरामद की गई।

पकड़े गए आरोपियों ने अपने नाम अमित अग्रवाल पुत्र ओम प्रकाश अग्रवाल निवासी हाउस नंबर 64 दोहाल बुजुर्ग थाना सरीला जिला हमीरपुर उत्तर प्रदेश हाल पता " चंडीपुर कलीनगर थाना- दिनेशपुर ऊ.सिं.नगर एवं विवेक गायन पुत्र पंचा राम गायन निवासी हाउस नंबर 105 शक्तिफार्म थाना सितारगंज ऊ.सिं.नगर बताए। दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध उत्तराखण्ड आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया। न्यायालय के आदेशानुसार दोनों अभियुक्तों को जेल भेजने की कार्यवाही की गई। कार्यवाही टीम में आबकारी निरीक्षक रुद्रपुर सोनू सिंह, आबकारी निरीक्षक खटीमा बीएन जोशी व अन्य आबकारी कार्मिक मौजूद रहे।

बीएलओ, सुपरवाइजर व सेक्टर मजिस्ट्रेटों ने जानी बीएलओ ऐप की बारीकियां

शाह टाइम्स संवाददाता

चम्पावत। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार के निर्देशन में आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के अंतर्गत बीएलओ, सुपरवाइजरों, सेक्टर मजिस्ट्रेटों, पदाभिहित अधिकारियों तथा कंप्यूटर ऑपरेटरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को बीएलओ ऐप के नवीन फीचर्स एवं विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गईं।

प्रशिक्षण के दौरान सहायक नोडल अधिकारी प्रकाश चन्द्र उपाध्याय ने विशेष गहन पुनरीक्षण की आवश्यकता, वैधानिक प्रावधानों तथा इसके पूर्व के अनुभवों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने उपस्थित कार्मिकों की विभिन्न जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया। नोडल अधिकारी डॉ. नारायण सिंह ने एसआईआर की संपूर्ण प्रक्रिया, मतदाताओं की मैपिंग, विभिन्न प्रकार की विसंगतियों की पहचान एवं उनके निराकरण, नए मतदाताओं के नामांकन तथा बीएलओ ऐप के माध्यम से गणना प्रपत्रों को स्कैन कर डिजिटाइज एवं अपलोड करने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी।

वनखंडी महादेव ओपन नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। चकरपुर बन्दा क्षेत्र में आयोजित वनखंडी महादेव ओपन नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि अजय मौर्य जिला पंचायत अध्यक्ष उधम सिंह नगर द्वारा फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि मौर्य ने क्षेत्र के युवाओं को नशे से दूर रहकर खेल के प्रति जागरूक होने के लिए कहा। वहीं कॉमनवेल्थ गेम में प्रतिभा करने वाले महतगांव (खटीमा) मुक्केबाज कपिल पोखरिया के पिता नरेंद्र सिंह पोखरिया को शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

स्पोर्ट्स क्लब चकरपुर को हरा संजू हंटर बनी विजेता

अंतिम मुकाबला संजू हंटर और स्पोर्ट्स क्लब चकरपुर के बीच खेला गया। टॉस जीतकर संजू हंटर ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम ने सात ओवरों में स्पोर्ट्स क्लब चकरपुर को 100 रन का लक्ष्य दिया। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्पोर्ट्स क्लब चकरपुर की टीम 75 रन पर ढेर हो गई। इस प्रकार संजू हंटर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टूर्नामेंट का फाइनल मैच अपने नाम कर लिया। टूर्नामेंट के आयोजन में अध्यक्ष सुरेश चंद (उपग्राम प्रधान), किशन चन्द (कुक्कू), सूरज सिंह गुसाईं, सूरज चंद, दीपक यादव, गोविन्द सिंह धामी, विकास कापड़ी, विकास जोशी, शुभम खनका, सतीश भट्ट, भवानी भंडारी, राकेश बिष्ट, गणेश जोशी, सोमनाथ मौर्य, अज्जू थापा, अनिल चंद, रोहन चंद, नरेंद्र बिष्ट, पूरन जोशी, मनोहर सिंह बीज, एडवोकेट हर्ष बहादुर सिंह (बॉबी) आदि लोग मौजूद थे।

काशीपुर बाईपास चौड़ीकरण का रास्ता साफ

नगर निगम ने लोक निर्माण विभाग को दी एनओसी

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में बहुप्रतीक्षित काशीपुर बाईपास मार्ग के चौड़ीकरण का रास्ता अब पूरी तरह साफ हो गया है। नगर निगम रुद्रपुर ने चौड़ीकरण के लिए अधिग्रहित भूमि को लोक निर्माण विभाग को हस्तांतरित करने के लिए अपनी अनापत्ति (एनओसी) दे दी है। नगर निगम की सहमति मिलने के बाद अब सड़क चौड़ीकरण कार्य को गति मिलने की उम्मीद है।

महापौर विकास शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि काशीपुर बाईपास मार्ग का चौड़ीकरण लंबे समय से प्रस्तावित था। शहर के सबसे व्यस्त मार्गों में शामिल इस सड़क पर वाहनों का भारी दबाव रहता है और अक्सर लोगों को जाम की समस्या से जूझना पड़ता है। यातायात व्यवस्था को सुचारू करने के उद्देश्य से इस मार्ग के चौड़ीकरण की योजना बनाई गई थी। हालांकि चौड़ीकरण की जद में नगर निगम की कुछ दुकानें आने के कारण व्यापारियों में चिंता बनी हुई थी। प्रभावित

व्यापारियों ने अपनी दुकानों को बचाने और राहत दिलाने की मांग की थी। व्यापारियों की समस्या को देखते हुए मुख्यमंत्री से वार्ता कर मामले को प्रमुखता से रखा। इसके बाद सड़क की प्रस्तावित चौड़ाई को कुछ कम करने का निर्णय लिया गया, जिससे व्यापारियों को राहत मिल सकी।

महापौर ने बताया कि चौड़ीकरण से संबंधित कुछ तकनीकी प्रक्रियाएं लंबित थीं। लोक निर्माण विभाग द्वारा अधिग्रहित भूमि के हस्तांतरण के संबंध में नगर निगम से सहमति मांगी गई थी। इस पर कार्रवाई करते हुए नगर निगम ने भूमि हस्तांतरण के लिए लोक निर्माण विभाग को अनापत्ति प्रदान कर दी है।

श्रीमद्भागवत कथा पर निकाली भव्य कलश यात्रा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। श्री प्रेम आश्रम धाम न्यास कमेटी की ओर से दादा गुरु श्री श्री 1008 भैरवनाथ महाराज के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में प्रेम आश्रम संपतपुर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा भक्ति ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ भव्य कलश शोभायात्रा के साथ हुआ। कार्यक्रम गुरु गायत्री नाथ महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित किया जा रहा है।

कलश यात्रा ग्राम जाफरपुर से प्रेम आश्रम संपतपुर तक श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ निकाली गई। इस दौरान गुरु गायत्री नाथ महाराज फूलों से सुसज्जित रथ पर विरा. जमान होकर श्रद्धालुओं को दर्शन देते रहे। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धार्मिक वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक राज. कुमार ठुकराल ने भी सहभागिता की। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजन समाज में आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करने का कार्य करते हैं। ऐसे आयोजनों से समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव और संस्कारों का प्रसार होता है।

कार्यक्रम में कमल वशिष्ठ, योगेश नाथ, जगदीश सुखीजा, राजकुमार भुसरी, शुभम सुखीजा, सोमनाथ

छाबड़ा, राजेन्द्र बठला, चिमन लाल ढुकराल, मनीष छाबड़ा, पुरुषोत्तम छाबड़ा, ललित बिष्ट, अशोक यादव, रमेन विश्वास, सुभाष मक्कड़, विशाल छाबड़ा, सचिन छाबड़ा, तीरथ सीकरी, इन्दर खुराना, दर्शन लाल छाबड़ा, विनोद ठुकराल, बंटी कुमार, गुलशन शर्मा, विक्की छाबड़ा, सुमन, शकुंतला रानी सुखीजा, वर्षा छाबड़ा, मीनू हुड़िया, शशि भुसरी, कांता मक्कड़, शोभा फूटेला, रजनी, सीमा सेतिया, सोनिया, सुदेश छाबड़ा, राधा रानी छाबड़ा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

खटीमा सफाई कर्मियों के विवाद मामले में हुआ समझौता

सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारे को मजबूत करने की पहल से हुआ समाधान

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। कोतवाली क्षेत्र में सफाई कर्मचारी के साथ मारपीट और सोशल मीडिया पर मिली धमकियों व आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर उत्पन्न विवाद का मंगलवार को आखिरकार हो गया।

नगर पालिका परिषद कार्यालय में शाम 4 बजे आयोजित बैठक में बजरंग दल के प्रतिनिधियों, पालिका कर्मचारियों तथा क्षेत्र के गणमान्य लोगों की उपस्थिति में शांतिपूर्ण समझौते का प्रयास शुरू हुआ और सफलता मिली। नगरपालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, भाजपा नेता जीवन धामी की मध्यस्थता में कई घंटों तक चली मैराथन वार्ता के बाद दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति से समझौता हो गया।

बैठक में निर्णय लिया गया कि आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द को बनाए रखने के उद्देश्य से दोनों पक्ष पुलिस को दी गई अपनी-अपनी शिकायतें वापस लेंगे। साथ ही सभी ने भविष्य में ऐसी किसी भी घटना या विवाद की पुनरावृत्ति न होने देने का संकल्प लिया। वार्ता के दौरान सोशल मीडिया पर प्रसारित विवादित फेसबुक पोस्ट को हटाने पर भी सहमति बनी।

इसके अलावा सोशल मीडिया पर भड़काऊ टिप्पणियों के माध्यम से माहौल खराब करने का प्रयास करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ पुलिस जांच कर आवश्यक कार्रवाई करेगी। बैठक के सफल समापन के बाद क्षेत्र में स्थिति पूरी तरह सामान्य और शांतिपूर्ण बताई जा रही है। उपस्थित गणमान्य लोगों ने दोनों पक्षों द्वारा सौहार्दपूर्ण समाधान निकालने की सराहना करते हुए सामाजिक एकता बनाए रखने की अपील की।

चोरी का खुलासा करने वाली पुलिस टीम को किया सम्मानित

गौरी कम्युनिकेशन ने 21000 तथा राइस मिल एसोसिएशन ने 11000 रुपये की दी नकद राशि

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। विगत दिनों मेलाघाट रोड के तीन प्रतिष्ठित व्यापारियों की दुकानों में एक ही रात सेंधमारी कर लाखों की चोरी के मामले का पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए खुलासा किया था ,जिससे प्रफुल्लित खटीमा के विभिन्न धार्मिक, राजनीतिक व सामाजिक संगठनों के लोगों ने मंगलवार को कोतवाली पहुंचकर खुलासा करने वाली पुलिस टीम का स्वागत सम्मान किया।

गौरतलब है कि मेलाघाट रोड स्थित गौरी कम्युनिकेशन, संजय इलेक्ट्रॉनिक्स तथा किशन लाल जनरल स्टोर की दुकानों में सेंधमारी कर चोरों ने लाखों की नगदी पर अपना हाथ साफ किया। तब से यह घटना पुलिस के लिए चुनौती बनी हुई थी। इसी क्रम में पुलिस ने

लगातार छानबीन कर कुछ ही दिनों में घटना में शामिल शातिर चोरों को गिरफ्तार करते हुए एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया था। साथ ही पर्याप्त मात्रा में चोरी की रकम व कुछ अन्य सामान भी बरामद किए थे।

वहीं खटीमा व्यापार मंडल, उत्तराखंड उत्तरांचल पंजाबी महासभा, भारत विकास परिषद् ,अग्रवाल सभा, गुरुद्वारा गुरु नानक सिंह सभा, पूर्वांचल सेवा समिति, मुक्ति धाम सेवा समिति, शिवसेना, बजरंग दल, किराना एसोसिएशन, मोबाइल एसोसिएशन, स्वर्णकार एसोसिएशन, महाकाल कावड़ सेवा समिति, मस्जिद कमेटी खटीमा, ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन कादरी कॉलोनी, वेलफेयर सोसाइटी, ड्रग एसोसिएशन, लोहा व्यापार मंडल, सनातन श्री रामलीला पात्र परिषद आदि संगठनों ने एसपी उत्तम सिंह नेगी तथा नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी की उपस्थिति में और व्यापार मंडल अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल की अध्यक्षता में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विजेंद्र शाह, वरिष्ठ उप निरीक्षक कंसी आर्य, बाजार चौकी इंचार्ज जीवन चुफाल एवं टीम के अन्य सदस्यों को माला पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर तथा धार्मिक प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। इसके साथ ही गौरी कम्युनिकेशन द्वारा पुलिस टीम को 21000 तथा राइस मिल एसोसिएशन द्वारा 11000 रुपये की नगद राशि देकर पुरस्कृत किया गया।

एसपी उत्तम सिंह नेगी ने बताया कि चोरी का खुलासा करने वाली टीम को पुलिस विभाग द्वारा भी सम्मानित किया जाएगा। वहीं सभी संगठनों ने पुलिस की इस कार्यशैली और त्वरित कार्यवाही पर संतोष व्यक्त करते हुए उनकी प्रशंसा की। कार्यक्रम का संचालन गौरी शंकर अग्रवाल व मनोज बाधवा ने संयुक्त रूप से किया।

इस मौके पर भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री सतीश गोयल, पूर्व नगर मंडल महामंत्री मनोज बाधवा, सुनील रैदानी, कामिल खान, संतोष अग्रवाल, टीडी कांडपाल, भुवन भट्ट, अश्वनी अग्रवाल, सूरज शर्मा, राहुल रोहिल्ला, आशीष, अशोक बंसल, नीरज रस्तोगी, सुमित गुंबर, उदय प्रताप सिंह राहुल सक्सेना तथा तरुण ठाकुर अनवार मलिक सहित अनेकों लोग मौजूद रहे।

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर के दो दिन में 500 से अधिक लोगों ने लिया लाभ

देश-विदेश के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने संभाली कमान

शाह टाइम्स संवाददाता

लोहाघाट। अद्वैत आश्रम मायावती के धर्मार्थ चिकित्सालय में आयोजित निशुल्क चिकित्सा सेवा शिविर जनसेवा का महाकुंभ बन गया है। पिछले दो दिनों के दौरान लगातार हुई भारी वर्षा के बावजूद 500 से अधिक मरीजों ने यहां पहुंचकर विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाओं का लाभ उठाया।

मंगलवार को मौसम साफ होने के साथ ही चिकित्सालय में मरीजों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कोलकाता से आए वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. सौरव सान्याल के नेतृत्व में विशेषज्ञ चिकित्सा दल लगातार सेवाएं दे रहा है। वहीं इंग्लैंड से पहुंचे डॉ. आशीष कुमार हृदय रोग से पीड़ित मरीजों का उपचार कर रहे हैं। पिछले दो दिनों में करीब तीन दर्जन नेत्र रोगियों के सफल ऑपरेशन किए गए, जबकि 150 से अधिक लोगों की आंखों की विस्तृत जांच की गई। पहली बार आयोजित न्यूरोलॉजी चिकित्सा शिविर भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

विश्वविख्यात यूरोलॉजिस्ट एवं किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपक दुबे मरीजों का उपचार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में न्यूरोलॉजी और यूरोलॉजी संबंधी रोगियों की संख्या अपेक्षा से कहीं अधिक देखने को

मिल रही है।

आश्रम के अध्यक्ष स्वामी शुद्धिदानंद महाराज ने शिविर का निरीक्षण कर मरीजों से मुलाकात की और उनकी कुशलक्षेम जानी। चिकित्सालय प्रभारी स्वामी एकदेवानंद महाराज ने बताया कि मौसम अनुकूल होने के कारण मंगलवार को मरीजों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। शिविर के सफल संचालन में निकटवर्ती फोर्ती गांव के समाजसेवी युवा सुधांशु उपाध्याय, शुभम बगोली, आदित्य बिष्ट, योगेश सुतेडी एवं मोहित महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान कर रहे हैं। जबकि पांडिचेरी एम्स के पूर्व निदेशक डॉ डीएस दुबे जैसे अनुभवी चिकित्सक यहां बाहर से आए विशेषज्ञ डॉक्टरों को अपने अनुभव का लाभ दे रहे है।

राकेश और मनोज बने उप शिक्षा अधिकारी

मुख्यमंत्री धामी और डीएम मनीष कुमार ने दी बधाई

शाह टाइम्स संवाददाता

लोहाघाट। यदि लक्ष्य को पाने का जुनून हो, संघर्ष करने का साहस हो और सही मार्गदर्शन मिल जाए तो आर्थिक अभाव भी सफलता की राह नहीं रोक सकते। इसका जीवंत उदाहरण लोहाघाट की लधियाघाटी क्षेत्र के दो युवाओं राकेश कुमार और मनोज सिंह ने प्रस्तुत किया है, जिन्होंने उत्तराखंड लोक सेवा आयोग की राज्य सिविल सेवा परीक्षा में सफलता प्राप्त कर उप शिक्षा अधिकारी पद पर चयनित होकर पूरे क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है।

कालीगांव के साधारण परिवार से आने वाले राकेश कुमार वर्तमान में

उत्तराखंड सचिवालय में सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) के पद पर कार्यरत हैं।

सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अपने लक्ष्य से कभी समझौता नहीं किया और निरंतर मेहनत के बल पर यह महत्वपूर्ण सफलता हासिल की। वहीं लधियाघाटी क्षेत्र के मनोज सिंह ने भी संघर्षों से भरे जीवन के बीच अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। आर्थिक चुनौतियों के बावजूद उन्होंने पढ़ाई जारी रखी और अपने बड़े भाई के सहयोग से आगे बढ़ते हुए उप शिक्षा अधिकारी का प्रतिष्ठित पद हासिल किया। उनके बड़े भाई वर्तमान में वन विभाग में फॉरेस्ट गार्ड के पद पर कार्यरत हैं और उन्होंने मनोज के सपनों को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन दोनों युवाओं की सफलता के पीछे समाजसेवी एवं शिक्षाविद् संजय देव का मार्गदर्शन भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दोनों सफल अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि चम्पावत की प्रतिभाएं लगातार राज्य स्तर पर अपनी पहचान बना रही हैं, जिससे जनपद का गौरव बढ़ रहा है। जिलाधिकारी मनीष कुमार ने भी राकेश कुमार और मनोज सिंह को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी सफलता जनपद के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

जिला एवं मण्डल पदाधिकारियों की परिचय बैठक संपन्न

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष विपिन सिंह गहलौत के नेतृत्व में मण्डी सभागार, सितारगंज में जिला एवं मण्डल पदाधिकारियों की परिचय बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में युवा मोर्चा नवनियुक्त जिला प्रभारी रोहित ओझा एवं सहप्रभारी अक्षय साह के ऊधम सिंह नगर आगमन पर जिला एवं मण्डल स्तर के पदाधिकारियों ने सहभागिता कर संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की तथा अपने-अपने दायित्वों एवं कार्य योजनाओं का परिचय प्रस्तुत किया, बैठक का उद्देश्य संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के साथ-साथ पदाधिकारियों के मध्य समन्वय स्थापित करना रहा। इस अवसर पर संगठन विस्तार, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तथा युवाओं की सहभागिता बढ़ाने संबंधी विषयों पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

जिला प्रभारी रोहित ओझा ने कहा कि भारतीय जनता युवा मोर्चा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की सबसे बड़ी शक्ति है, युवाओं के उत्साह, ऊर्जा और समर्पण के बल पर हम संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे। जिलाध्यक्ष विपिन सिंह गहलौत ने सभी पदाधिकारियों से संगठन हित में पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

गदरपुर में धर्मान्तरण के आरोपों पर प्रशासन सख्त

शाह टाइम्स संवाददाता

गदरपुर। धर्मांतरण संबंधी शिकायतों की जांच के लिए गठित समिति ने विभिन्न गांवों का निरीक्षण कर शिकायतकर्ताओं एवं ग्रामीणों के बयान दर्ज किए। समिति की प्रारंभिक जांच में कुछ मामलों में लगाए गए आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए जाने की बात सामने आई है।

जिला प्रशासन द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार, धर्मांतरण संबंधी मामलों की जांच के लिए अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति गठित की गई है। इससे पूर्व ग्राम रामजीवनपुर में कथित रूप से संचालित एक चर्च को प्रशासनिक

जांच में कई शिकायतें सही मिलने का दावा

धर्म परिवर्तन और दबाव के आरोपों से मचा हड़कंप, ग्रामीणों के बयान के बाद प्रशासन ने शुरू की विस्तृत जांच

टीम द्वारा सील किया गया था। वहीं, एक आवासीय भूमि पर ईसाई धर्म से जुड़े प्रार्थना स्थल के निर्माण को लेकर भी प्रशासन ने कार्रवाई शुरू की थी।

प्रेस नोट में बताया गया है कि श्वेता नामक युवती ने उप जिलाधिकारी गदरपुर के समक्ष शिकायत दर्ज कराई थी कि उसका कथित रूप से ईसाई रीति-रिवाजों के अनुसार धर्म परिवर्तन कराया गया और बाद में उसी परंपरा के तहत विवाह भी कराया गया। युवती ने यह भी आरोप लगाया कि वर्तमान में उसे प्रताड़ित किया जा रहा है। इसी शिकायत के आधार पर 2 जून 2026 को समिति ने ग्राम चकरपुर पहुंचकर जांच की। जांच के दौरान शिकायतकर्ता के बयान दर्ज किए गए। प्रशासन के अनुसार, बयानों से प्रथम दृष्टया यह प्रतीत हुआ कि युवती का ईसाई रीति-रिवाजों के माध्यम से धर्म परिवर्तन कराया गया था। युवती ने यह भी आरोप लगाया कि उस पर अपने परिजनों को भी ईसाई धर्म अपनाने के लिए दबाव बनाने का प्रयास

किया जा रहा है। समिति ने इसके अतिरिक्त ग्राम रतनपुर और रामजीवनपुर का भी निरीक्षण किया तथा ग्रामीणों से बातचीत की। कुछ ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि गांवों में विभिन्न स्थानों पर धार्मिक सभाएं आयोजित की जा रही हैं और लोगों पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाया जा रहा है।

प्रशासन का कहना है कि निरीक्षण के दौरान प्राप्त तथ्यों के आधार पर धर्मांतरण से जुड़े मामलों में प्रथम दृष्टया कुछ शिकायतें सही प्रतीत हुई हैं। मामले की विस्तृत जांच रिपोर्ट तैयार कर जिलाधिकारी को भेजी जा रही है, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

'विविधता में एकता' भारत की सबसे बड़ी शक्तिः राज्यपाल

लोक भवन में मनाया गया तेलंगाना का स्थापना दिवस, पंतनगर में अध्ययनरत विद्यार्थियों से राज्यपाल का संवाद

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। मंगलवार को लोक भवन, नैनीताल में तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि.) ने कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर में अध्ययनरत तेलंगाना के विद्यार्थियों से संवाद किया तथा प्रदेशवासियों को राज्य स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उत्तराखण्ड में अपने अनुभव साझा किए और यहां की संस्कृति, शिक्षा एवं वातावरण के प्रति अपने विचार व्यक्त किए। राज्यपाल ने कहा कि तेलंगाना समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक संपदा, वनों एवं वन्य जीवों से समृद्ध राज्य है। अपनी ऐतिहासिक धरोहर, सांस्कृतिक विविधता और विकासोन्मुख दृष्टिकोण के कारण तेलंगाना देश में एक विशिष्ट पहचान रखता है तथा पर्यटन की दृष्टि से भी अत्यंत आकर्षक है। उन्होंने कहा कि कृषि, तकनीकी एवं साइबर क्षेत्र में तेलंगाना द्वारा अर्जित उपलब्धियां देश के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

राज्यपाल ने अपने सैन्य सेवा काल के अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्हें तेलंगाना से विशेष आत्मीय जुड़ाव है। उन्होंने बताया कि सैन्य सेवा के दौरान लगभग तीन वर्षों तक वहां कार्य करने का अवसर मिला, जिसने उन्हें राज्य की संस्कृति, लोगों और परंपराओं को निकट से समझने का अवसर प्रदान किया।

राज्यपाल ने कहा कि विभिन्न राज्यों के स्थापना दिवस मनाने से देश की विविध सांस्कृतिक विरासत को जानने, समझने और आपसी संवाद को बढ़ावा देने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि 'विविधता में एकता' भारत की सबसे बड़ी शक्ति है और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना विभिन्न राज्यों के बीच सांस्कृतिक समन्वय, पारस्परिक समझ और राष्ट्रीय एकात्मता को मजबूत करती है। यह पहल एक सशक्त, समृद्ध और एकजुट भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस अवसर पर प्रथम महिला श्रीमती गुरमीत कौर, गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के प्रो. डीएस मूर्ति सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

एसओएस बाल ग्राम के बच्चों से राज्यपाल का आत्मीय संवाद

नैनीताल। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि.) ने मंगलवार को लोक भवन में एसओएस बाल ग्राम, भीमताल के बच्चों से आत्मीय संवाद किया। इस दौरान बच्चों ने राज्यपाल को स्वयं निर्मित पेंटिंग्स, शुभकामना कार्ड्स एवं अन्य रचनात्मक सामग्री भेंट की, जिसकी राज्यपाल ने सराहना करते हुए उनकी प्रतिभा, रचनात्मकता और आत्मविश्वास की प्रशंसा की। इस अवसर पर राज्यपाल ने सभी बच्चों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे बड़े सपने देखें, कड़ी मेहनत करें तथा अपने जीवन से समाज और राष्ट्र के लिए प्रेरणा देने वाला उदाहरण बनें। उन्होंने बच्चों के आत्मविश्वास और सीखने की जिज्ञासा की सराहना करते हुए कहा कि निरंतर प्रयास और सकारात्मक सोच से जीवन की हर चुनौती को अवसर में बदला जा सकता है। राज्यपाल ने बच्चों से कहा कि वे कभी स्वयं को कमतर न समझें और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों का सामना करके ही व्यक्ति मजबूत बनता है। उन्होंने बच्चों का आह्वान किया कि वे तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे आधुनिक क्षेत्रों में अपनी रुचि एवं कौशल विकसित करें, ताकि विकसित भारत के निर्माण में अपनी सार्थक भूमिका निभा सकें। राज्यपाल ने एसओएस बाल ग्राम के सेवा और समर्पण से परिपूर्ण कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह संस्था केवल एक आश्रय स्थल नहीं, बल्कि एक सजीव एवं स्नेहपूर्ण परिवार है, जहां बच्चों को शिक्षा, कौशल विकास, संस्कार और आत्मनिर्भरता का समुचित वातावरण उपलब्ध कराया जाता है। कार्यक्रम में प्रथम महिला श्रीमती गुरमीत कौर, सहायक निदेशक एसओएस बाल ग्राम, भीमताल आशीष कुमार सिंह, नंदी गोस्वामी, यशोदा सहित एसओएस बाल ग्राम, भीमताल के बच्चे उपस्थित रहे।

नदी, नालों व प्राकृतिक स्रोतों, जलधारे व नौलों को बचाना है तभी पहाड़ की प्राकृतिक सुन्दरता बनी रहेगी

बोले- राष्ट्रीय हरित अधिकरण के सदस्य/न्यायमूर्ति डा. अफरोज़ अहमद

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के सदस्य व न्यायमूर्ति डा. अफरोज अहमद ने मंगलवार को नैनीताल क्लब में नैनीताल जिले की पर्यावरणीय स्थिति एवं एनजीटी द्वारा पारित आदेशों के अनुपालन की अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में नैनी झील एवं उसके जलागम क्षेत्र के संरक्षण, वायु एवं जल गुणवत्ता प्रबंधन, ठोस एवं तरल अपशिष्ट निस्तारण, तालाबों, झीलों व नदी किनारे अवैध निर्माणों पर रोक तथा वन एवं जैव विविधता संरक्षण जैसे विषयों पर गहन चर्चा की गई। बैठक में न्यायमूर्ति डा. अफरोज अहमद ने कहा कि नैनी झील में प्रदूषण को रोके जाने व झील के चारों ओर ड्रेनेज सिस्टम को दुरुस्त कर सीवर ट्रीटमेंट प्लांट की क्षमता बढ़ाए जाने व उसका निर्माण कराए जाने हेतु शीघ्रता से कार्यवाही की जाए। उन्होंने ठोस अपशिष्ट के स्रोत पृथक्करण, गीला-सूखा कचरा संग्रहण एवं वैज्ञानिक निस्तारण के संबंध में भी जानकारी लेते हुए इस संबंध में उचित कार्यवाही करने को कहा। डा. अहमद ने पर्यटन सीजन में बढ़ने वाले कचरे के लिए विशेष कार्ययोजना बनाकर कार्य करने की बात कहते हुए कहा कि नगरीय क्षेत्रों में डोर-टू-डोर कलेक्शन को 100 प्रतिशत सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने एनजीटी द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों के क्रियान्वयन की स्थिति पर विभागवार रिपोर्ट ली गई।

लंबित प्रकरणों के निस्तारण में तेजी लाने और त्रैमासिक अनुपालन रिपोर्ट एनजीटी को भेजने के भी निर्देश दिए गए। बैठक में न्यायमूर्ति डा. अफरोज अहमद ने अधिकारियों से कहा कि नैनीताल की पारिस्थितिक संवे. दनशीलता को देखते हुए पर्यावरण संरक्षण सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने आश्वस्त किया कि एनजीटी द्वारा जिले को हर संभव तकनीकी एवं कानूनी सहयोग प्रदान किया जाएगा। बैठक में कुमाऊँ आयुक्त दीपक रावत द्वारा एनजीटी सदस्य डा. अफरोज अहमद का स्वागत करते हुए मण्डल में ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन हेतु की जा रही कार्यवाही एवं एनजीटी प्रकरण के सम्बन्ध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जनपद ऊधम सिंह नगर के रूद्रपुर में जो पुराना ठौस अपशिष्ट डंप पड़ा हुआ था उसका शतप्रतिशत निस्तारण कर लिया गया है। इसी प्रकार मण्डल के अन्य नगरीय क्षेत्रों में भी ठौस अपशिष्ट प्रबन्धन पर कार्यवाही गतिमान है। उन्होंने जनपद नैनीताल मुख्यालय में एसटीपी के निर्माण के संबन्ध में अवगत कराया कि भूमि का चयन कर लिया गया है इसके अतिरिक्त उन्होंने नैनीताल शहर के सीवरेज जो बहुत पुरानी है उसके बदले में नई लाइन हेतु 121 करोड़ का प्रस्ताव भेजा गया है। उन्होंने बताया कि सूखाताल पुर्नजन्म में भी सफलता मिली है। मंडलायुक्त द्वारा विभिन्न नगरीय क्षेत्रों में ट्रंचिंग ग्राउण्ड हेतु भूमि की समस्या का मामला रखने के साथ ही तेज एलईडी लाइट प्रदूषण (तेज रोशनी से जीव जन्तुओं पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव) तथा ध्वनि प्रदूषण के मामले की ओर भी एनजीटी सदस्य का ध्यानाकर्षित किया, इसके साथ ही उन्होंने पिथौरागढ़, अल्मोड़ा व बागेश्वर में सीवरेज योजना हेतु तैयार डीपीआर की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नगर निगम हल्द्वानी अन्तर्गत अभिनव पहल करते हुए कूड़ा कलेक्शन हेतु बैणी सेना के माध्यम से कार्य कराया जा रहा है जोकि सफल प्रयास है। इन सभी किये जा रहे कार्यों की सदस्य द्वारा भूरी भूरी प्रशंसा की गई। बैठक में जिलाधिक. ारी ललित मोहन रयाल द्वारा सदस्य का आभार व्यक्त करते हुए अवगत कराया कि जनपद नैनीताल में प्रतिदिन 230 मीट्रिक टन कूड़ा जिले के सभी नगरीय क्षेत्रों से एकत्रित होकर हल्द्वानी के गोलापार स्थित ट्रंचिंग ग्राउण्ड में एकत्रित किया जाता है। यहां पर 250 मीट्रिक टन प्रतिदिन कूड़े के निस्तारण क्षमता की एक आधुनिक मशीन शीघ्र स्थापित की जा रही है। इससे प्रतिदिन एकत्रित होने वाले जिलेभर के कूड़े का निस्तारण हो जायेगा। इसके अतिरिक्त यह भी अवगत कराया कि हल्द्वानी ट्रंचिंग ग्राउण्ड में पूर्व से एकत्रित 2.27 लाख मीट्रिक टन कूड़े में से 1.75 लाख मीट्रिक टन कूड़े का निस्तारण कर लिया गया है शेष कूड़े के निस्तारण की कार्यवाही गतिमान है। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने डा. अफरोज अहमद को जिले में पर्यावरण संरक्षण हेतु अब तक की गई कार्यवाही, भविष्य की कार्ययोजना एवं प्रमुख चुनौतियों से भी अवगत कराया। बैठक में सीडीओ अरविंद कुमार पाण्डे, प्रभागीय वना. धिकारी नैनीताल आकाश गंगवार, पुलिस अधीक्षक डा. जगदीश चंद्र, अपर जिलाधिकारी सौरभ असवाल, आयुक्त नगर निगम हल्द्वानी परितोष वर्मा सहित क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, विभिन्न नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी सहित पर्यावरण, सिंचाई, पेयजल निगम व जल संस्थान एवं अन्य संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी रहे।

हल्की बारिश में फिर उफनाया सीवर

मल्लीताल बाजार में फैली गंदगी और दुर्गंध

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। नैनीताल में हल्की बारिश ने एक बार फिर सीवर व्यवस्था की पोल खोल दी है। मंगलवार को मल्लीताल बाजार क्षेत्र में सीवर ओव. रफ्लो होने से सड़क पर गंदा पानी बहने लगाए जिससे स्थानीय लोगों, व्यापारियों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों के अनुसार मल्लीताल पोस्ट ऑफिस मार्ग तथा बाजार क्षेत्र में बावड़ी नमकीन की दुकान के समीप सीवर का पानी सड़क पर बहता रहा। सीवर का गंदा पानी बाजार की सड़क पर फैलने से न केवल दुर्गंध का माहौल बन गया बल्कि लोगों को वहां से गुजरने में भी दिक्कतें उठानी पड़ीं। सबसे बड़ी चिंता यह है कि पर्यटन सीजन के दौरान शहर के प्रमुख बाजार में इस तरह की स्थिति नगर की छवि पर भी सवाल खड़े करती है। लोगों का कहना है कि थोड़ी सी बारिश होते ही सीवर लाइनें जवाब दे देती हैं जिससे साफ सफाई और स्वास्थ्य संबंधी खतरे बढ़ जाते हैं। स्थानीय व्यापारियों ने आरोप लगाया कि सीवर ओवरफ्लो की समस्या कोई नई नहीं है बल्कि समय-समय पर सामने आती रहती है लेकिन स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा है। मामले में जल संस्थान के अधिशासी अभियंता रमेश गर्बियाल ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद विभागीय टीम को मौके पर भेजा गया था। टीम ने सीवर लाइन की समस्या को दूर कर दिया है और वर्तमान में स्थिति सामान्य है।

हल्की बारिश में चरमराई बिजली व्यवस्था, घंटों परेशान रहे लोग

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। मानसून की दस्तक से पहले ही ऊर्जा निगम की व्यवस्थाओं की पोल खुलने लगी है। रविवार व सोमवार को हुई हल्की बारिश के बाद नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में बार-बार बिजली गुल होने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। तल्लीताल बाजार में सुबह से ही बिजली की आंख मिचौली जारी रही जबकि देवीधूरा और पापड़ी क्षेत्रों में लंबे समय तक विद्युत आपूर्ति बाधित रही। बता दें मंगलवार को बार-बार बिजली जाने से दुकानदारों का काम प्रभावित हुआ। ऑनलाइन भुगतान, प्रिंटिंग तथा इंटरनेट आधारित कार्य और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां प्रभावित रहीं वहीं घरों में भी लोगों को रोजमर्रा के कार्यों में दिक्कतें झेलनी पड़ीं। ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों का कहना है कि हल्की बारिश में ही बिजली व्यवस्था ठप हो जाना चिंता का विषय है। ऊर्जा निगम के एसडीओ प्रियंक पांडे ने बताया कि बारिश के कारण कुछ स्थानों पर पेड़ गिरने से लाइनों के क्षतिग्रस्त होने की दिक्कतें आई थीं जिन्हें ठीक कर विद्युत आपूर्ति सुचारु करने का प्रयास किया गया। निगम की टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं और जहां भी शिकायतें मिल रही हैं उनका तत्काल समाधान किया जा रहा है।

एक नजर

बाइक से महिला को लगी टक्कर, बच्चा घायल

नैनीताल। नगर के तल्लीताल के बिड़ला रोड पर मंगलवार को एक टैक्सी बाइक ने पैदल जा रही महिला को टक्कर मार दी। हादसे में महिला की गोद से चार माह की बच्ची सड़क पर गिर गई और घायल हो गई। बच्ची को बीडी पांडे अस्पताल में प्राथमिक उपचार देने के बाद एहतियातन हायर सेंटर रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार लखनऊ निवासी ऋषि कुमार मंगलवार को दोपहर अपने परिवार के साथ बिड़ला रोड से पैदल नीचे की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रैमजे अस्पताल से पहले मोड़ के पास नीचे की ओर आ रही एक टैक्सी बाइक ने परिवार के साथ चल रही महिला को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही महिला की गोद में मौजूद चार माह की अन्वी सड़क पर गिर गई और चोटिल हो गई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। बच्ची को सड़क पर गिरता देख स्थानीय लोगों ने बाइक चालक को फटकार लगाई। इसके बाद चालक बच्ची और उसके परिजनों को लेकर उपचार के लिए बीडी पांडे अस्पताल पहुंचा। अस्पताल में तैनात चिकित्सक डा. साहिल ने बताया कि बच्ची के शरीर पर कोई खुली चोट नहीं है लेकिन एहतियात के तौर पर उसे हायर सेंटर रेु र किया गया है।

नैनीताल के एंट्री प्वाइंटों पर लगी वाहनों की कतार

नैनीताल। पर्यटन सीजन के दौरान बीते तीन दिनों से जाम की समस्या से जूझ रहे नैनीताल शहर को मंगलवार को कुछ राहत मिली। शहर के भीतर यातायात अपेक्षाकृत सुचारू रहा लेकिन नगर में प्रवेश करने वाले प्रमुख एंट्री प्वाइंटों रूसी बायपास पर वाहनों की लंबी कतारें लगने से पर्यटकों और स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मंगलवार को सुबह से ही हल्द्वानी, कालाढूंगी और भवाली मार्ग से नैनीताल पहुंचने वाले वाहनों की संखया अधिक रही। शहर के भीतर यातायात दबाव कम करने के लिए पुलिस ने एंट्री प्वाइंटों पर वाहनों को रोक-रोककर भेजा जिसके चलते एंट्री प्वाइंटों पर लंबा इंतजार करना पड़ा। कई वाहन चालकों को घंटों तक कतार में खड़े रहना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि कभी शहर व कभी प्रवेश मार्गों पर लग रही लंबी कतारें इस बात का संकेत हैं कि पर्यटन सीजन के दबाव को संभालने के लिए अभी भी प्रभावी और स्थायी व्यवस्था की जरूरत है। एसपी डा. जगदीश चन्द्र ने बताया कि शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। पार्किंग क्षमता और यातायात दबाव को देखते हुए वाहनों का संचालन नियंत्रित किया जा रहा है। पुलिस लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

टोल को लेकर पर्यटक और कर्मियों में विवाद

नैनीताल। नगर के तल्लीताल स्थित लेक ब्रिज चुंगी पर टोल शुल्क को लेकर पर्यटक और टोल कर्मियों के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के बीच हाथापाई की नौबत आ गईए जिससे कुछ देर के लिए क्षेत्र में जाम की स्थिति बन गई। जानकारी के मुताबिक मंगलवार सुबह यूपी नंबर की एक कार लेक ब्रिज चुंगी पर पहुंची। टोल कर्मियों ने वाहन चालक से निर्धारित शुल्क जमा करने को कहा लेकिन चालक ने टोल देने से इंकार कर दिया। चालक का कहना था कि उसने सोमवार को ही टोल शुल्क जमा किया है और वह रोज रोज टोल नहीं देगा। टोल कर्मियों ने उसे बताया कि टोल शुल्क प्रतिदिन के आधार पर लिया जाता है और प्रत्येक दिन अलग पर्ची जारी की जाती है। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच बहस शुरू हो गई जो देखते ही देखते हाथापाई में बदल गई। विवाद के चलते चुंगी पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात प्रभावित हो गया। स्थानीय लोगों ने मामले की सूचना पुलिस को दी लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही पर्यटक वाहन लेकर वहां से चला गया। कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक हरपाल सिंह ने बताया कि मामले की जानकारी मिली है।

देर रात टीआरसी की सुरक्षा दीवार भरभराकर गिरी

नैनीताल। लगातार हो रही बारिश के बीच तल्लीताल स्थित टीआरसी की सुरक्षा दीवार देर रात अचानक भरभराकर गिर गई जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। गनीमत रही कि घटना के समय वहां कोई व्यक्ति या वाहन मौजूद नहीं था अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। जानकारी के मुताबिक शनिवार से जारी बारिश के कारण कुमाऊं मंडल विकास निगम के तल्लीताल टीआरसी के मुख्य गेट के समीप बनी करीब 30 फीट लंबी सुरक्षा दीवार देर रात लगभग एक बजे ढह गई। दीवार गिरने की तेज आवाज से आसपास के लोग भी सहम गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि यह दीवार दिन के समय या आवाजाही के दौरान गिरती तो जनहानि और संपति को भारी नुकसान हो सकता था। खास बात यह है कि जिस स्थान पर दीवार गिरी उसके ठीक ऊपर टीआरसी का भवन स्थित है जिससे भवन की सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े हो गए हैं। टीआरसी की प्रबंधक भगवती लोहनी ने बताया देर रात दीवार टूटने की सूचना मिलते ही मलबा हटा दिया गया है।

मांगों को लेकर निगम कर्मियों का प्रदर्शन जारी

नैनीताल। विभिन्न मांगों को लेकर संयुक्त कर्मचारी महासंघ कुमाऊं-गढ़वाल मंडल विकास निगम एवं सेवानिवृत्त कर्मचारी संघर्ष समिति के सहयोग से कुमाऊं मंडल विकास निगम मुख्यालय में कर्मचारियों का धरना मंगलवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। प्रदर्शनकारियों ने संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण, समान कार्य के लिए समान वेतन तथा सेवा. निवृत्त कर्मियों के लंबित देयों के भुगतान की मांग उठाई। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने प्रबंध निदेशक विनीत तोमर और महाप्रबंधक विजय नाथ शुक्ल से वार्ता कर समस्याओं के समाधान की मांग की। संगठन के नेता दिनेश गुरुरानी ने चेतावनी दी कि यदि 28 जून तक मांगों का समाधान नहीं हुआ तो 29 जून से पर्यटन सचिव कार्यालय में धरना शुरू किया जाएगा।

पोखराड पम्पिंग योजना शुरू, धारी बाजार को मिली पेयजल राहत

धारी। धारी बाजार और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को पेयजल संकट से बड़ी राहत मिली है। बहुप्रतीक्षित पोखराड पम्पिंग योजना का संचालन शुरू हो गया है, जिससे क्षेत्र की जलापूर्ति व्यवस्था और मजबूत होगी। अब तक क्षेत्र में लद्दोड़ा पम्पिंग एवं कौल ग्रेविटी योजनाओं से पानी की आपूर्ति की जा रही थी, लेकिन बढ़ती मांग के कारण समस्या बनी रहती थी। अधिकारियों के अनुसार विधायक एवं कैबिनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा के प्रयासों से योजना पूर्ण हुई। एई हरीश द्विवेदी और जेई विपुल पुंडीर ने योजना को चालू करने में लगातार मेहनत की। स्थानीय लोगों ने इसे क्षेत्र के लिए बड़ी सौगात बताते हुए मंत्री राम सिंह कैड़ा का आभार जताया है।

सफाई कर्मचारी ने फांसी लगाकर जान दी

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। नगर के तल्लीताल क्षेत्र में नगर पालिका के एक संविदा कर्मी ने कथित रूप से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची तथा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार तल्लीताल हरिनगर निवासी दीपक कुमार (32) नगर पालिका नैनीताल में संविदा कर्मी के रूप में कार्यरत था। मंगलवार शाम को वह अपने घर के अंदर फांसी के फंदे से लटका मिला। बेटे को इस हालत में देखकर उसकी मां बदहवास हो गई। बताया जा रहा है कि दीपक का सुबह पत्नी से विवाद हुआ था जिसके बाद पत्नी मायके चली गई थी। सूचना पर

तल्लीताल पुलिस मौके पर पहुंची और कमरे को जांच के लिए फॉरेंसिक टीम को सौंप दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक हरपाल सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। परिजनों से पूछताछ की गई है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के स्पष्ट कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

स्मार्ट मीटरों पर बढ़ते विवाद के बीच हुई बैठक

नैनीताल। स्मार्ट मीटर लगाने को लेकर बढ़ते विवाद और उपभोक्ताओं के आक्रोश के बीच नगर पालिका परिषद नैनीताल में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। पालिकाध्यक्ष डा. सरस्वती खेतवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में विद्युत विभाग के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने स्मार्ट मीटरों की सटीकता तथा बढ़े हुए बिजली बिलों पर चर्चा की। पालिकाध्यक्ष ने अधिकारियों को जनता की समस्याओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। वहीं, यूपीसीएल के अधीक्षण अभियंता रवि राजोरा ने स्मार्ट मीटरों को पारदर्शी व्यवस्था का हिस्सा बताते हुए डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने की बात कही। दूसरी ओर, सभासद मनोज साह जगाती और अंकित चंद्रा ने बिलिंग प्रणाली में गड़बड़ियों का आरोप लगाया।

उप शिक्षाधिकारी बनीं नैनीताल की परवीन अज़हर

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। नैनीताल की परवीन अजहर ने मेहनत, आत्मविश्वास और लगातार संघर्ष के दम पर प्रतियोगी परीक्षाओं में उल्लेखनीय सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। वर्तमान में उनका चयन उप शिक्षाधिकारी के पद पर हुआ है। इससे पहले भी वह कई प्रतिष्ठित सरकारी पदों पर चयनित हो चुकी हैं। बता दें परवीन अजहर पत्नी मुहम्मद अजहर ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा प्राथमिक पाठशाला आर्य समाज मल्लीताल से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने कक्षा 6 से 12 तक की शिक्षा मोहन लाल साह बालिका विद्या मंदिर से पूरी की। शिक्षा के साथ उन्होंने राजकीय पॉलिटेक्निक नैनीताल से फार्मेसी में डिप्लोमा किया और करीब चार वर्षों तक कृष्णा अस्पताल हल्द्वानी में फार्मासिस्ट एवं मेडिकल स्टाफ के रूप में नौकरी की। नौकरी के साथ-साथ उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी और डीएसबी कैंपस से डिस्टेंस मोड में वर्ष 2013 में कला स्नातक तथा एमबीपीजी कालेज से वर्ष 2015 में हिंदी साहित्य विषय से परास्नातक की डिग्री प्राप्त की। वर्ष 2017 में उन्होंने निजी नौकरी छोड़ पूरी तरह से सरकारी नौकरी की तैयारी शुरू की। कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने बिना किसी कोचिंग के स्वयं अध्ययन कर सफलता हासिल की। वर्ष 2018 में उन्होंने उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की लगभग पांच अलग-अलग प्रतियोगी परीक्षाएं उत्तीर्ण कीं। इसके बाद वर्ष 2019 में उद्यान विभाग में समूह ग के पद पर चयन हुआ जहां उनकी नियुक्ति पिथौरागढ़ में हुई। वर्ष 2022 में उनका चयन उच्च न्यायालय उत्तराखण्ड में टाइपिस्ट पद पर हुआ जहां वह वर्तमान में कार्यरत हैं। इसके अलावा वर्ष 2024 में लोअर पीसीएस 2021 के अंतर्गत पूर्ति निरीक्षक पद तथा अपर पीसीएस 2021 में बाल विकास परियोजना अधिकारी पद पर भी उनका चयन हुआ। अब उप शिक्षा अधिकारी के पद पर चयनित होकर उन्होंने अपनी मेहनत और लगन का एक और उदाहरण पेश किया है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय परिवार को दिया है। उन्होंने कहा कि इस पूरे सफर में परिवार का पूरा सहयोग मिला। विशेष रूप से उनके पति ने एक दोस्त की तरह हर कदम पर साथ दिया। वहीं उनके छोटे भाई टैक्सी चलाने के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। परवीन अजहर की सफलता उन युवाओं के लिए प्रेरणा है जो सीमित संसाधनों के बावजूद मेहनत और आत्मविश्वास के दम पर बड़े लक्ष्य हासिल करना चाहते हैं।

बिना कोचिंग हासिल की कई बड़ी सफलता

ऑलसेंट्स कालेज की कॉक हाउस शील्ड ब्रैडबरी सदन के नाम

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। नगर के प्रतिष्ठित ऑल सेंट्स कालेज में आयोजित फिजिकल एजुकेशन डिस्प्ले कार्यक्रम उत्साह, अनुशासन और रंगारंग प्रस्तुतियों से सराबोर रहा। कार्यक्रम में छात्राओं ने शारीरिक दक्षता, सामूहिक तालमेल और सांस्कृतिक एकता का अद्भुत प्रदर्शन कर उपस्थित अभिभावकों, पूर्व छात्राओं एवं अतिथियों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्व शांति के लिए मशाल प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात भव्य ओप. निंग मार्च पास्ट ने पूरे मैदान को अनुशासन और ऊर्जा से भर दिया।स्वागत ड्रिल में छात्राओं ने आकर्षक प्रस्तुति देकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। प्रेप वर्ग की जूनियर ड्रिल तथा कक्षा 6 से 8 तक की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत शाइनिंग स्टार ड्रिल ने आत्मविश्वास, तालमेल और रचनात्मकता का सुंदर प्रदर्शन किया वहीं कक्षा 9 से 12 तक की छात्राओं की स्केल ऑफ जस्टिस प्रस्तुति ने न्याय, समानता और सामाजिक मूल्यों का प्रभावशाली संदेश दिया। कक्षा 3 से 5 तक की छात्राओं ने ऑल सी ला फेरिया कार्निवल प्रस्तुत कर स्पेनिश, जापानी एवं एफ्रो नृत्य का अनूठा समागम दिखाया और विविधता में एकता का संदेश दिया। पीस नो वॉर विषय पर आधारित मास पीटी ने विश्व शांति और भाईचारे का संदेश देकर दर्शकों को भावुक कर दिया। इस दौरान शांति के प्रतीक कबूतरों को आकाश में उड़ाकर विश्व में अमन की कामना भी की गई। छात्राओं द्वारा प्रस्तुत पिरामिड प्रदर्शन साहस, संत. ुलन और टीमवर्क का उत्कृष्ट उदाहरण रहा। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रस्साकशी प्रतियोगिता रही जिसमें स्कूल बनाम कालेज तथा कालेज बनाम पूर्व छात्राओं के बीच रोमांचक मुकाबले हुए। मुख्य अतिथि ऑल सेंट्स कालेज की पूर्व छात्रा एवं वर्तमान में भारतीय रेलवे में कार्यरत आईएएस अधिकारी साक्षी तोमर रहीं। उन्होंने विद्यालय में बिताई अपनी यादें साझा करते हुए कहा कि उन्हें भारत के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के साथ विभिन्न मंचों पर उपस्थित होने के अवसर मिले किंतु अपने अल्मा मेटर में लौटकर जो खुशी मिली उसकी तुलना किसी और अनुभव से नहीं की जा सकती। पुरस्कार वितरण समारोह में रिनी प्रभाकर मयूजिक ट्राफी सिद्धि संजी. वनी पाठक को प्रदान की गई। एफसी रास्तगी मेमोरियल कप फॉर एकसीलेंस इन आईएससी से कक्षा 12 में 99.5 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली छात्रा सैय्यदा आमना कामरान को सम्मानित किया गया। वहीं थ्री सिस्टर्स ट्राफी सैयदा आमना काम. रानए इकनूर कौर विर्क एवं आरवी शर्मा के नाम रही। प्रिंसिपल अवार्ड फॉर एक्सीलेंस इन एकेडमिकस एंड को करिकुलर एक्टिविटीज शांभवी शाह को प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त ऑल सेंट्स कालेज की ऐतिहासिक कॉक हाउस शील्ड ब्रैडबरी सदन के नाम रही। 80 अंक प्राप्त कर रॉबिंसन सदन ने मार्चिंग शील्ड अपने नाम की जबकि मिलमन सदन एवं डोरोथी किंग सदन ने क्रमशः 78 और 76 अंक प्राप्त कर द्वितीय एवं तृतीय स्थान हासिल किया। इस अवसर पर डायसीसन एजुकेशन बोर्ड के सचिव एवं कालेज की गवर्निंग बॉडी के सदस्य डा. अविनाश चंद, सेंट जोसेफ कॉलेज के प्रधानाचार्य ब्रदर सेबैस्चियन जॉर्ज, सेंट मैरीज कॉन्वेंट कालेज की प्रधानाचार्या सिस्टर टॉमसी जॉन सी जे, वृंदावन पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या राखी साह रेवरेंड हेराल्डए एचडी फाउंडेशन स्कूल की उपप्रधानाचार्या रूपाली बिष्ट, विद्यालय के खेल विभागाध्यक्ष गोपाल सिंह बिष्ट, शिक्षकगण एवं छात्राओं के अभिभावक उपस्थित रहे। अंत में ऑल सेंट्स कालेज की प्रधानाचार्या एंजिना रिचड्र्स ने ईश्वर के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए अभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

फिजिकल एजुकेशन डिस्प्ले कार्यक्रम

एलपीएस में स्कूल फेस्ट अभिव्यक्ति

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। नगर के प्रतिष्ठित लॉन्ग व्यू पब्लिक स्कूल के प्रांगण में मंगलवार को स्कूल फेस्ट अभिव्यक्ति-2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 26 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के चार हाउस की बच्चों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में मोबाइल फोटोग्राफी, साइंस मॉडल, समूह नृत्य व फैशन शो मुख्य आकर्षण का केंद्र रहे। फैशन शो में प्रतिभागियों द्वारा भारत के विभिन्न क्षेत्रों व राज्यों की विभिन्न जनजातियों को फैशन के माध्यम से दर्शाया गया जिसने कार्यक्रम में मौजूद दर्शकों व अतिथियों को मंत्र मुक्त कर दिया। डांस में छात्रों द्वारा 60 के दशक व 90 के दशक के गानों में परफार्मेंस की गई। कार्यक्रम के अंत में विजय हाउस की घोषणा करी गई जिसमें विद्यालय के ग्रीनहाउस (कैलाश हाउस) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा सत्र 2025-26 की हाई स्कूल बोर्ड की परीक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को सीडी त्रिपाठी मेमो. रियल ट्राफी व डा. गिरी बाला पंत छात्रवृति से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की संरक्षिका श्रीमती सुनीता त्रिपाठी समेत विद्यालय के प्रधानाचार्य भुवन चंद्र त्रिपाठी तथा विद्यालय की उप प्रधानाचार्य कविता सनवाल समेत सभी अतिथिगण तथा सभी शिक्षकगण व कर्मचारी गण मौजूद रहे।

मसूरी में पेयजल व्यवस्था, सड़क निर्माण व विकास कार्यों में तेजी लाएं: जोशी

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

मसूरी। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने आज मसूरी नगर पालिका टाउन हॉल में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ संचालित एवं प्रस्तावित विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की। बैठक में क्षेत्र के विकास कार्यों की प्रगति का विस्तृत जानकारी लेते हुए अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में कैबिनेट मंत्री जोशी ने मसूरी में पेयजल की समस्या को गंभीरता से लेते हुए जल निगम एवं जल संस्थान के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि 24 घंटे के भीतर पेयजल आपूर्ति एवं वितरण व्यवस्था को सुचारु बनाया जाए। मंत्री जोशी ने अधिकारियों को पानी की लाइनों में

कैबिनेट मंत्री मसूरी में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ की विकास कार्यों की समीक्षा

होने वाले लीकेज को तत्काल चिन्हित कर उनकी मरम्मत सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए, ताकि जल की बर्बादी रोकी जा सके और आम जनता को निर्बाध पेयजल उपलब्ध हो सके। उन्होंने अधिकारियों को सप्ताह में एक दिन स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर समस्याओं की समीक्षा एवं समाधान की प्रभावी मॉनिटरिंग करने के भी निर्देश दिए।कैबिनेट मंत्री जोशी ने मसूरी में एसटीपी निर्माण, सीवर ट्रीटमेंट तथा पैचवर्क से संबंधित कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को क्षेत्र में संचालित एवं प्रस्तावित सड़कों के निर्माण, सुधारीकरण एवं डामरीकरण कार्यों में तेजी लाने को कहा। साथ ही किमाड़ी मोटर मार्ग के निर्माण कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष मीरा सकलानी मंडल अध्यक्ष रजत अग्रवाल, उपजिलाधिकारी राहुल कुमार, ईई लोक निर्माण विभाग राजेश कुमार सहित विभागों के अधिकारीगण एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

मॉल रोड के सुधारीकरण एवं जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान पर की चर्चा: बैठक में मॉल रोड के सुधारीकरण एवं जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान पर भी चर्चा की गई। मंत्री जोशी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने इको पार्क एवं जीरो प्वाइंट पार्किंग से संबंधित योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की। बरसात के मौसम को देखते हुए मंत्री गणेश जोशी ने वन विभाग के अधिकारियों को ऐसे पेड़ों की पहचान कर उनकी समय रहते लॉपिंग करने के निर्देश दिए, जो दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि जनसुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। बैठक के दौरान विद्युत विभाग के अधिकारियों को पुराने विद्युत पोलों की शिफ्टिंग से संबंधित इस्टीमेट एवं अन्य आवश्यक कागजी कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बारीकियां सीखेंगे तकनीकी संस्थानों के छात्र: डॉ. रावत

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। प्रदेश के राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थानों एवं अन्य तकनीकी शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत छात्र-छात्राएं अपने पाठ्यक्रम के साथ-साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और कोडिंग की बारीकियां भी सीखेंगे। इसके लिए प्राविधिक शिक्षा विभाग ने कोडयोगी फाउंडेशन तथा कम्प्यूटर एंड लर्न फाउंडेशन के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

सोमवार को तकनीकी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के तहत राज्य के पॉलीटेक्निक संस्थानों के विद्यार्थियों को एआई के मूलभूत सिद्धांतों, कोडिंग, प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग तथा इसके व्यावहारिक अनुप्रयोगों का निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

प्राविधिक शिक्षा विभाग ने किया कोडयोगी व कम्प्यूटर एंड लर्न फाउंडेशन के साथ एमओयू साइन

इस अवसर पर डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि राज्य सरकार तकनीकी शिक्षा को समय की मांग के अनुरूप आधुनिक एवं रोजगारोन्मुख बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि यह पहल विद्यार्थियों को नई तकनीकों में दक्ष बनाने के साथ-साथ उनकी समस्या समाधान क्षमता (प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल) और नवाचार (इनोवेशन) की सोच को भी विकसित करेगी।

बैठक में सचिव तकनीकी शिक्षा डॉ. रंजीत सिन्हा, कुलपति तकनीकी विश्वविद्यालय प्रो. तृप्ता ठाकुर, निद. शैक तकनीकी शिक्षा देशराज, उप सचिव ब्योमकेश दुबे, सचिव यूबीटीआर डॉ. मुकेश पांडेय, कोडयोगी फाउंडेशन के संस्थापक प्रशांत चौधरी, कम्प्यूटर एंड लर्न फाउंडेशन के निदेशक साई प्रसाद साले अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदेश में डिजिटल क्रॉप सर्वे के कार्य में भी तेजी लाएं: सीएस

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने मंगलवार को सचिवालय में जिलाधिकारियों के साथ वीडियोकॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा कर महत्त्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने प्रदेश में एग्री स्टैक से सम्बन्धित कार्यों को प्रदेश के किसानों के लिए बहुत ही महत्त्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अंश निर्धारण के कार्य में में देहरादून, बागेश्वर, नैनीताल और हरिद्वार जनपद को विशेष कदम उठाये जाने की आवश्यकता है, उन्होंने कहा कि सभी जिलाधिकारियों को प्रोएक्टिव होकर कार्य करना होगा।

मुख्य सचिव ने कहा कि फर्टिलाइजर्स का वितरण का कार्य भी किसान पंजीकरण के आधार पर ही होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि लगातार मॉनिटरिंग करते हुए दैनिक प्रगति को बढ़ाने पर फोकस किया जाए ताकि किसानों का पंजीकरण कार्य पूर्ण किया जा सके। उन्होंने इसके लिए कैम्प आयोजित कर किसान पंजीकरण का कार्य शीघ्र से शीघ्र पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसान पंजीकरण कार्य पूर्ण

मुख्य सचिव ने जिलाधिकारियों के साथ वीडियोकॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा कर दिए महत्त्वपूर्ण दिशा निर्देश

ना होने से पीएम किसान और उर्वरक का वितरण अटक सकता है।

मुख्य सचिव ने प्रदेश में डिजिटल क्रॉप सर्वे के कार्य में भी तेजी लाए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सर्वेक्षण कर्मियों की कमी को देखते हुए इसमें स्वयं सहायता समूहों और युवा मंगल दलों सहित उच्च शिक्षण संस्थानों के छात्रों को लगाये जाने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि डिजिटल क्रॉप सर्वे के लिए आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान कर यह कार्य कराया जा सकता है।

मुख्य सचिव ने एग्री स्टैक से सम्बन्धित सभी कार्यों में तेजी लाये जाने के लिए किसानों को जागरूक किए जाने की भी बात कही। इससे युवा आपदा मित्र प्रशिक्षण ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि एग्री स्टैक बहुत महत्त्वपूर्ण है, समय से यह सभी कार्य पूर्ण ना होने से भारत सरकार की बहुत सी स्कीम्स का लाभ किसानों को मिलना बंद हो सकता है।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर. के. सुधांशु, सचिव शैलेश बगौली, नितेश कुमार झा, डॉ. वी. षणमुगम, विशेष सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते, एस. एन. पाण्डेय एवं रंजना राजगुरु सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

पुलिस ने महिला तस्कर को 6 किलो गांजे के साथ दबोचा

देहरादून। पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक महिला को लगभग 6 किलो अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। दिलचस्प बात यह है कि आरोपी महिला का पति भी पूर्व में इसी अपराध में जेल की हवा खा चुका है। क्षेत्राधिकारी अंकित कंडारी ने बताया कि मुखबिर की सटीक सूचना पर पुलिस टीम ने 1 जून की रात ब्रह्मपुरी कालाग्राउंड के पास घेराबंदी की। तलाशी लेने पर एक महिला के पास से 5 किलो 992 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में महिला ने अपना नाम निर्मला, पत्नी धर्मेंद्र साहनी, निवासी ब्रह्मपुरी बताया। अभियुक्ता ने स्वीकार किया कि वह इस गांजे को बिहार से लेकर आई थी। उसकी योजना इसे सेलाकुई के औद्योगिक क्षेत्र में कार्यरत मजदूरों और स्थानीय नशेड़ियों को ऊंचे दामों पर बेचने की थी।

पति भी है नशे का पुराना खिलाड़ी

गिरफ्तार निर्मला का पारिवारिक इतिहास भी अपराध से जुड़ा है। पुलिस ने बताया कि इससे पहले उसके पति धर्मेंद्र साहनी को भी अवैध गांजे की तस्करी के मामले में पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। पति के जेल जाने के बाद अब पत्नी भी उसी राह पर चल पड़ी थी, लेकिन समय रहते पुलिस ने उसके मंसूबों पर पानी फेर दिया।

जिला योजना में अब 'इनोवेटिव' प्रोजेक्ट्स को प्राथमिकता, डीएम ने दिए निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। राजधानी देहरादून की विकास रूपरेखा को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए नई जिला योजना संरचना पर मंथन किया। समीक्षा बैठक के दौरान डीएम ने सभी विभागों को जनहितकारी, व्यावहारिक और नवाचार से भरपूर परियोजनाएं प्रस्तावित करने के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला योजना केवल औपचारिक न हो, बल्कि इसका लाभ आम जनता तक सीधे पहुंचना चाहिए।

जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने स्पष्ट किया कि प्रत्येक विभाग अनिवार्य रूप से कम से कम एक अभिनव और स्थायी परियोजना प्रस्तुत करे, जो जिले की अर्थव्यवस्था को गति देने में सहायक हो। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिए कि वे ऐसी योजनाओं का चयन करें जिनमें भूमि उपलब्ध हो और जो किसी भी प्रकार के विवाद से मुक्त हों। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि

स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता पर जोर, ब्लूबेरी से ट्राउट पालन तक ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई उड़ान

पर्याप्त बजट होने के बावजूद समयबद्ध तरीके से काम पूरा न करना विभाग की बड़ी विफलता माना जाएगा और इसके लिए संबंधित अधिकारी जवाबदेह होंगे।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने पर विशेष जोर देते हुए जिलाधिकारी ने कृषि, उद्यान, पशुपालन, मत्स्य पालन और स्वरोजगार से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता देने को कहा। उन्होंने विशेष रूप से ब्लूबेरी फार्मिंग, ट्राउट मछली उत्पादन, पोल्ट्री और गन्ना उत्पादन जैसे क्षेत्रों में नई संभावनाओं को तलाशने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि जनपद का कोई भी विद्यालय बिजली, पेयजल और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित न रहे।जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी ने जानकारी दी कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए देहरादून जनपद हेतु कुल 99.39 करोड़ रुपये का परिव्यय अनुमोदित किया गया है। इसमें 37.19 करोड़ रुपये मानदेय व वचनबद्ध योजनाओं के लिए, 10.39 करोड़ रुपये लंबित कार्यों को पूरा करने के लिए, 15.93 करोड़ रुपये स्वरोजगार योजनाओं के लिए और 36.25 करोड़ रुपये नवीन व अभिनव कार्यों के लिए निर्धारित किए गए हैं।बैठक के समापन पर जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जिला योजना के अंतर्गत प्रस्तावित सभी कार्यों का भौतिक सत्यापन कराया जाएगा।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोज शर्मा, जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

प्रशासन का चला बुलडोजर ,शीशमबाड़ा में अवैध मजार ध्वस्त

देहरादून। उत्तराखंड सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत देहरादून जिला प्रशासन ने अतिक्रमणकारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी क्रम में मंगलवार को तहसील विकासनगर के शीशमबाड़ा क्षेत्र में सरकारी भूमि पर कब्जा कर बनाई गई एक अवैध मजार को प्रशासन ने ध्वस्त कर दिया। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान के निर्देशन में राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर यह कार्रवाई की। प्रशासन के अनुसार, शीशमबाड़ा स्थित जिस भूमि पर मजार का निर्माण किया गया था, वह सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज है। लंबे समय से इस पर अवैध कब्जा कर मजार संचालित की जा रही थी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नियमानुसार नोटिस देने और कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद ही यह ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई गई।

विपक्ष की भूमिका में विफल कांग्रेस को 27 में छींका फूटने का इंतजार: भट्ट

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस प्रभारी कि अपने गृह राज्य हरियाणा में बारम्बार फेल होने वाले उत्तराखंड में छींका फूटने का ख्वाब दिखा रही है जो कि हास्यास्पद है।

प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि भाजपा देहरादून से लेकर दिल्ली तक जनता से किये प्रत्येक वादे को पूरा कर लगातार भाजपा उनका विश्वास जीत रही है। लेकिन कांग्रेस पार्टी विपक्ष की भूमिका में भी फेल रहने के बाद आज भी बिल्ली के भाग से छींका फूटने का इंतजार कर रही है।

पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब में उनकी तरफ मीडिया ने जारी बयान में कहा कि विगत 9 वर्षों से भाजपा सरकार ने विकास के ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के नेतृत्व में वर्तमान सरकार ने तो प्रत्येक क्षेत्र में नए नए कीर्तिमान स्थापित किए है। यूसीसी, धर्मांतरण कानून, दंगारोधी कानून, धार्मिक अतिक्रमणों पर कार्रवाई जैसे डेमोग्राफी संतुलन बनाने के ऐतिहासिक कार्यों के साथ नकल कानून, आल टाइम रिकॉर्डतोड़ सरकारी नियुक्तियां, नकल माफियाओं का सफाया, लाखों लखपति दीदी बनाना, बुजुर्ग दम्पति दिव्यांग आदि की पेंशन वृद्धि के अतिरिक्त वीर जवानों और उनके परिजनों के सहयोग राशि में बढ़ोत्तरी जैसे अभूतपूर्व जनकल्याण के काम किए गए। इसी तरह सड़क रेल हवाई और रोवे आदि की कनेक्टिविटी की बेहतरी में तीव्र गति से काम आग बढ़ा है। वहीं पीएम मोदी के आशीर्वाद और मार्गदर्शन से लाखों करोड़ के विकास योजनाओं ने देवभूमि की तस्वीर बदल दी है। आज बारों मास चार धाम यात्रा संभव हुई है, राज्य के अंदर सभी क्षेत्रों का दिल्ली से दूरी कम हुई है, रेल पहाड़ पर चढ़ने वाली है और रोपवे से चीटियों को जोड़ने की तैयारी अंतिम रूप में है। यही वजह है कि सरकार या भाजपा ही नहीं समूचे प्रदेशवासियों को भरोसा है कि ये दशक उत्तराखंड का बनने लगा है।उन्होंने कांग्रेस प्रभारी के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि जो अपने गृह राज्य हरियाणा में विधानसभा के बाद अब निकाय चुनाव में जीत नहीं दिला पाई हों। जो अपने राज्य में गुटबाजी की प्रयाय हो, जिनकी हिमाचल आदि राज्य सरकारों पर निकाय चुनावों में हार का सिलसिला जारी हो, वो जीत के दावे कर रही हैं देवभूमि में।कहा, हाल में आए नतीजों में हरियाणा में 10 निगम में से 9 भाजपा और मात्र 1 पर कांग्रेस जीती है। हिमाचल में भी 4 निगमों में एक पर कांग्रेस जीती, बाकि नगर पालिका पंचायत परिषदों के नतीजे तो कांग्रेस के लिए और भी खराब रहे हैं। उन्होंने तंज किया कि ऐसे मुंगेरी लाल के हसीन सपने वो अपने स्थानीय कांग्रेस नेताओं को दिखा सकती हैं, लेकिन जनता को नहीं। कांग्रेस को लगता है कि वह राहुल जैसे फुके हुए कारतूस से बारूद तैयार कर सकती है तो ऐसी खुशफहमी उन्हें ही मुबारक।

उत्तराखण्ड राज्य हज समिति

उत्तराखण्ड सरकार

पत्रांक– 154-157 / उ0रा0ह0स0 / 2026–27 दिनांक: 02 जून, 2026

विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उत्तराखण्ड राज्य हज समिति, हज हाउस पिरान कलियर के कक्षों/डोरमेट्रियों में ठहरने की निःशुल्क व्यवस्था को बोर्ड बैठक दिनांक 07 सितम्बर, 2024 में पारित प्रस्ताव द्वारा समाप्त कर किराये पर संचालन किये जाने हेतु शासन को प्रस्ताव प्रेषित किया गया था, के क्रम में उत्तराखण्ड अल्पसंख्यक कल्याण अनुभाग के शासनादेश सं0 486/XVII-B-1/ 2025-05(05)/2020 ई–72788 दिनांक 16 दिसम्बर, 2025 द्वारा दी गयी प्रशासकीय अनुमति उपरान्त हज हाउस के कक्षों, डोरमेट्रियों एवं हॉल का किराये पर संचालन किये जाने हेतु उत्तराखण्ड राज्य हज समिति की बोर्ड बैठक दिनांक 25 मई, 2026 मे लिये गये निर्णय के अनुपालन में हज हाउस, पिरान कलियर के ए0सी0 कक्षों एवं डोरमेट्रियों तथा हॉल गढ़वाल मण्डल विकास निगम की निर्धारित दरों के अनुसार किराये पर दिनांक 02 जून, 2026 से उपलब्ध रहेगा। हज हाउस में ठहरने वाले आगन्तुक हज हाउस, पिरान कलियर में दूरभाष नम्बर 01332–297520 पर भी अपनी बुकिंग कर सकते है।

(मोहम्मद आरिफ)
अधिशासी अधिकारी
उत्तराखण्ड राज्य हज समिति।

कार्यालय जिला पंचायत पिथौरागढ़

पत्रांकः– 551 /जि0पं0/नि0अनु0/निविदा/ 2026–27 दिनांक 01.06.2026

निविदा सूचना

जिला पंचायत, पिथौरागढ़ के समस्त पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि, वित्तीय वर्ष 2026–27 में 15 वें वित्त /राज्य वित्त मद में प्राप्त धनराशि से निम्न निर्माण कार्यो हेतु दिनांक 15.06.2026 तक कार्यालय में निर्धारित शुल्क जमा कर निविदा प्राप्त की जायेंगी। प्राप्त निविदायें दिनांक 16.06.2026 को अपरान्ह 1:00 बजे तक ठेकेदारों/प्रतिनिधियों द्वारा निविदा बॉक्स में जमा की जायेगी तथा जमा निविदायें दिनांक 16.06.2026 को ही अपरान्ह 3:00 बजे निविदा समिति एवं ठेकेदारों/प्रतिनिधियों के सम्मुख खोली जायेंगी। प्रत्येक निविदा प्रपत्र पर दरों का उल्लेख अंकों तथा शब्दों अथवा प्रतिशत में करना होगा। निविदा के साथ ठेकेदार द्वारा रु0 100.00 मूल्य का नॉन ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर एवं जिला पंचायत पिथौरागढ़ के ठेकेदारी पंजीकरण प्रमाण–पत्र तथा जी0एस0टी0 अदेय प्रमाण पत्र की छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य है। निविदा के साथ 2 प्रतिशत की जमानत धनराशि एन0एस0सी0/के0वी0पी0/एफ0डी0आर0 जो कि अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत पिथौरागढ़ के नाम बंधक होनी आवश्यक है। अन्य शर्तो की जानकारी हेतु किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय में आकर सम्पर्क कर सकते हैं। बिना कारण बताये किसी भी निविदा को अस्वीकृत/निरस्त करने का अधिकार मा0 अध्यक्ष महोदय, जिला पंचायत, पिथौरागढ़ में निहित होगा।

नोटः– अवकाश की स्थिति में निविदा जमा एवं खुलने की प्रकिया उक्त तिथि से अगले कार्यालय दिवस में सम्पन्न होगी।

क्र.स.	कार्य का नाम	स्वीकृत धनराशि (लाख में)	जमानत की धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	जी0एस0टी0 की धनराशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	ग्राम विषाण के तोक कनारी से मछिनाखोली तक सी0सी0 मार्ग।	3.00	6000	600	108	90 दिन
2	जिला पंचायत के आवासीय परिसर में फर्नीचर एंव टिन शैड अवशेष कार्य।	10.00	20000	2000	360	90 दिन
3	ग्राम कनारी के केशर सिंह के मकान के पास सुरक्षा दीवार व सम्पर्क मार्ग।	3.00	6000	600	108	90 दिन
4	ग्राम सभा नाघर के मुख्य सड़क से नगधर तक सम्पर्क मार्ग निर्माण।	5.00	10000	1000	180	90 दिन
5	विकास खण्ड कनालीछीना के सिरौली में आन्तरिक सम्पर्क मार्ग निर्माण	5.00	10000	1000	180	90 दिन
6	विकासखण्ड कनालीछीना के चौड़ीईजर नाले में चैकडैम निर्माण	5.00	10000	1000	180	90 दिन
7	विकाखण्ड कनालीछीना के सिरौली में आन्तरिक सी0 सी0 मार्ग	3.00	6000	600	108	90 दिन
8	ग्राम दर मे पेयजल नौला निर्माण कार्य	3.00	6000	600	108	90 दिन
9	गलाती मोगाड से उपा सेकला जौलकाफल में पेयजल मरम्मत एंव टैंक मरम्मत कार्य	5.00	10000	1000	180	90 दिन
10	ग्राम पचायत बलुवाकोट तोक गुइयां आन्तरिक 400मी0 निकास नाली निर्माण कार्य	4.00	8000	800	144	90 दिन
11	ग्राम पचायत तोली में पेयजल योजना	5.00	10000	1000	180	90 दिन
12	क्वीरीजिमीया में धारा नवनिर्माण कार्य	3.00	6000	600	108	90 दिन
13	बुई में देवी मेलास्थल मे पेयजल लाईन निर्माण कार्य	3.00	6000	600	108	90 दिन
14	ग्राम पंचायत गिरगॉव में पेयजल कार्य	5.00	10000	1000	180	90 दिन
15	धामी फल्याटी में पेयजल योजना	3.00	6000	600	108	90 दिन
16	जौरासी दुर्लेख में सी0सी0 मार्ग व सुरक्षा दीवार निर्माण	3.00	6000	600	108	90 दिन
17	ग्राम पंचायत आमहाट में पाईप लाईन मरम्मत कार्य	3.00	6000	600	108	90 दिन
18	तमोलीग्वीर सैम मेलास्थल में शौचालय व स्नानागार निर्माण कार्य	3.00	6000	600	108	90 दिन
19	किम्टा में पानी टंकी एंव पाईप लाईन रिपेंरिंग कार्य	10.00	20000	2000	360	90 दिन
20	मुख्य मार्ग डम्डे से रा0इ0कालेज डम्डे की ओर सी0 सी0 मार्ग	3.00	6000	600	108	90 दिन
21	बैशोली मंदिर में सार्वजनिक शौचालय निर्माण	3.00	6000	600	108	90 दिन
22	ग्रामसभा ग्वासीकोट के तल्लापानी तोक में पिपलधार मन्दिर में स्नानागार/शौचालय निर्माण	3.50	7000	700	126	90 दिन
23	ग्राम सभा पण्डा के देवकटिया मे हैण्डपम्प निर्माण कार्य	4.00	8000	800	144	90 दिन
24	ग्राम पंचायत सुवाकोट में नौला सौन्दर्यीकरण कार्य	3.00	6000	600	108	90 दिन
25	ग्राम सभा सैनी में नौले से गॉव तक सी0सी0 मार्ग	3.00	6000	600	108	90 दिन
26	गूल निर्माण कार्य दिगरा बेलतड़ी	3.00	6000	600	108	90 दिन
27	ग्राम पंचायत बडारी मे नौला सुधारीकरण कार्य	5.00	10000	1000	180	90 दिन
28	प्रा0पा0डुंगरा और पू0मा0वि0तामाकोट मे पेयजल निर्माण	3.00	6000	600	108	90 दिन
29	नेशनल हाईवे सड़क से कचूरा तक सी0सी0 मार्ग निर्माण।	2.60	5200	520	94	90 दिन
30	मुख्य सड़क पाभे से एस0सी0 परिवार पालीगर तक सड़क कटिंग निर्माण।	3.00	6000	600	108	90 दिन
31	रा0प्रा0वि0 फूलीडार मे भवन मरम्मत कार्य	5.18047	10361	1036	186	120 दिन

अपर मुख्य अधिकारी
जिला पंचायत पिथौरागढ़।

ओपनिंग में सूर्यवंशी के साथ कोहली

एक ऐसी सीरीज जिसमें यकीन करना मुश्किल हो, सूर्यवंशी ने दूसरे नम्बर के सबसे बेहतरीन बल्लेबाज से 44 रन ज्यादा बनाए

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में अपनी तूफानी बल्लेबाजी से सबको प्रभावित करने वाले राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आईपीएल की टीम ऑफ द टूर्नामेंट में चुना गया है। उनके साथ ओपनिंग में उनका जोघीदार विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की रन मशीन विराट कोहली को बनाया गया है।

टीम ऑफ द टूर्नामेंट वैभव सूर्यवंशी :पारियां 16 (रन 776) स्ट्राइक रेट 237.30 औसत 48-50 (1ग100/ 5ग50 टीम में चुनने के लिए इससे आसान घ्सिला शायद ही कोई और हो सकता था। एक ऐसी सीरीज जिसमें यकीन

करना मुश्किल हो, वैभव सूर्यवंशी ने दूसरे नम्बर के सबसे बेहतरीन बल्लेबा से 44 रन घ्डादा बनाए, उनका स्ट्राइक रेट 23 पॉइंट बेहतर था और उन्होंने दूसरों के मुकाबले 29 छक्के ज्यादा लगाए। रन और रफ्तार की गिनती तो देख ली, अब घ्रा खेल की क्वालिटी भी देखिए: चैंपियन टीम के खिलाफ 202 रनों का पीछा करते हुए सिर्फ 26 गेंदों पर 78 रन ठोक दिए, सिर्फ 36 गें. दों में शतक जमाया, करो या मरो वाले एक बेहद जरूरी मैच में 221 रनों का पीछा करते हुए 38 गेंदों पर 93 रन बनाए, अपने पहले प्लेऑफ मैच में सिर्फ 29 गेंदों पर 97 रन की तूफानी पारी खेली और फिर क्वालीफायर 2 में जहां एक तरफ लगातार विकेट गिर रहे थे, वहां उन्होंने 47 गेंदों पर 96 रनों की शानदार पारी खेली। उम्र चाहे जो भी हो और मंच चाहे जितना बड़ा, यह वाकई हैरान कर देने वाला प्रदर्शन है। विराट को. हली: पारियां 16 (रन 675) स्ट्राइक रेट 165-84 औसत 56-25 1ग100/5ग50 उम्र और तघ्र्बे के दूसरे छोर पर खड़े विराट कोहली ने एक बार फिर अपना वही पुराना अंदाघ दिखाया जिसके लिए वे जाने जाते हैं। लगातार चौथे सीजन में 600 से ज्यादा रन बनाए।

लेकिन इससे भी ज्यादा हैरान करने वाली बात यह थी कि उन्होंने अपना एक ऐसा रूप दिखाया जो पहले कभी नहीं देखा गया था: धीमे खेल की जगह उन्होंने तूफानी रफ्तार को चुना, लगभग हर दूसरी गेंद पर बाउंड्री लगाने की कोशिश की और पावरप्ले में विरोधी टीम पर हावी रहे। इस सीजन में जहां पावरप्ले जीतना सबसे अहम था, कोहली ने पहले छह ओवरों में 175 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। इस दौर में 200 से घ्डादा रन बनाने वाले 16 अन्य बल्लेबाघें में से सिर्घ् पांच ही उनसे बेहतर कर पाए। सीजन का आघ्रिी मैच उन्होंने आईपीएल में अपने सबसे तेज अर्धशतक के साथ घ्त्म किया।

वह आईपीएल में 77 बार 50 या उससे ज्यादा का स्कोर बना चुके हैं। और हां, वह 37 साल के हैं। इशान किशन (विकेटकीपर) :पारियां 15 (रन 602) स्ट्राइक रेट 182-42 (औसत 40-13) 6ग50 द्य कैच/स्टंप 9/1 रजत पाटीदार (कप्तान) : पारियां 15 (रन 501) स्ट्राइक रेट 192.69 (औसत 41-75) 5ग50 हेनरिक क्लासेन पारियां 15 (रन 624 (स्ट्राइक रेट 160-00 (औसत 48-00 (6ग50 नीतीश कुमार रेड्डी : मैच 14) रन 302 (स्ट्राइक रेट 171-59 (विकेट 8 (इकॉनमी 10-41 क्रुणाल पंड्या : मैच 16 (रन 226 (स्ट्राइक रेट 145-80) विकेट 14 (इकॉनमी 8-41 सुनील नारायण : मैच 13 (विकेट 15 (इकॉनमी 6-64 (औसत 22.60 जोफ्रा आर्चर : मैच 16 (विकेट 25 (इकॉनमी 9.31 (औसत 22-36 भुवनेश्वर कुमार : मैच 16 (विकेट 28 (इकॉनमी 7.95 (औसत 17-89 कगिसो रबाडा : मैच 17 (विकेट 29) इकॉनमी 9-68 (औसत 21-58 साकिब हुसैन : मैच 11 (विकेट 15 (इकॉनमी 9-45 (औसत 26-46 आरसीबी की जीत के बाद वृंदावन पहुंचे विराट-अनुका, प्रेमानंद महाराज से लिया आशीर्वाद मथुरा।

श्रीराम बालाजी पुरुष युगल के क्वार्टर-फाइनल में पहुंचे

पेरिस, वार्ता। भारत के श्रीराम बालाजी और उनके ब्राजीलियाई जोड़ीदार मार्सेलो डेमोलिनर ने सोमवार को फेंच ओपन के मेन्स डबल्स क्वार्टर-फाइनल में धमाकेदार एंट्री की।

उन्होंने जर्मनी के छठी वरीयता प्राप्त केविन क्राविएट्ज और टिम पुएट्ज की जोड़ी को हराया। इस साल रौलां गैरो में बिना किसी वरीयता के खेल रहे भारतीय टेनिस खिलाड़ी और मार्सेलो डेमोलिनर की जोड़ी ने, राउंड ऑफ 16 के मैच में जर्मनी के दो ग्रैंड स्लैम विजेताओं को हराने में 1 घंटा 25 मिनट का समय लिया। उन्होंने 7-5, 6-4 से यह उलटफेर भरी जीत हासिल की। जर्मनी की अनुभवी टेनिस जोड़ी पर मिली इस जीत के साथ ही, 36 साल के श्रीराम बालाजी ने पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाई। जर्मनी की यह जोड़ी पिछले महीने मोंटे-कार्लो मास्टर्स जीतकर पेरिस पहुंची थी। सेमी-फाइनल में जगह बनाने के लिए, भारत-ब्राजील की यह जोड़ी अब दूसरी वरीयता प्राप्त ग्रेट ब्रिटेन के हेनरी पैटन और फनिलैंड के हैरी हेलियोवारा की जोड़ी से भिड़ेगी। पहले सेट के दूसरे गेम में अपनी सर्विस गंवाने के बाद बालाजी और डेमोलिनर पर शुरुआत में ही दबाव आ गया था। हालांकि, उन्होंने अगले ही गेम में विरोधी की सर्विस तोड़कर तुरंत वापसी की। जब सेट 5.5 की बराबरी पर था, तब बालाजी और डेमोलिनर ने 11वें गेम में निर्णायक बढ़त बनाई और फिर अपनी सर्विस बचाते हुए पहला सेट 7.5 से जीत लिया।

खेल विशेष

अफगानिस्तान टेस्ट के लिए आकिब नबी सहित छह खिलाड़ियों को बुलाया गया

नई दिल्ली, वार्ता। आकिब नबी, जो अफगानिस्तान टेस्ट के लिए टीम में जगह नहीं बना पाए थे, उन छह गेंदबाजों में से एक हैं जो नेट बॉलर के तौर पर भारतीय टीम से जुड़े हैं। ए गेंदबाज 6 जून से मुल्लांपुर में होने वाले मैच की तैयारी में टीम की मदद करेंगे। चुने गए नेट बॉलर: आकिब नबी, गुरजपनीत सिंह, प्रिस यादव, सारांश जैन, जीशान अंसारी, शिवांग कुमार। नबी के अलावा, इस लिस्ट में दो और तेज गेंदबाज हैं, युवा और प्रभावशाली प्रिस यादव और तमिलनाडु के गुरजपनीत सिंह। प्रिंस, जिन्होंने आईपीएल में तेजी से अपना नाम बनाया है, इस एकमात्र टेस्ट के बाद होने वाले वनडे मैचों के लिए भी भारतीय टीम का हिस्सा हैं। स्पिन गेंदबाजों में, ऑफ-स्पिनर सारांश जैन के पास काफी अनुभव है। फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में, उन्होंने मध्य प्रदेश के लिए 52 मैचों में 181 विकेट लिए हैं। उनके एमपी के साथी खिलाड़ी, जिन्होंने अभी तक घरेलू क्रिकेट में रेड-बॉल (टेस्ट) डेब्यू नहीं किया है।

श्रीराम फाइनेंस ने पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन के साथ साझेदारी की घोषणा की

बेंगलुरु, वार्ता। श्रीराम समूह की प्रमुख कंपनी श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड (एसएफएल) ने आज पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन (पीएसबी) के साथ प्रेजेंटिंग प्रायोजक के रूप में अपनी साझेदारी की घोाणा की। इस सहयोग की घोाणा श्रीराम फाइनेंस के एग्जीक्यूटिव वाइस चेयरमैन उमेश रेवंकर और भारत के दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी तथा पीएसबी के संस्थापक पद्मश्री प्रकाश पादुकोण ने बेंगलुरु स्थित पादुकोण-द्रविड़ सेंटर ऑफ स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में की। इस साझेदारी के माध्यम से एसएफएल वित्तीय समावेशन और सामुदायिक विकास के जरिए राट्र निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत कर रहा है। अब यह प्रतिबद्धता खेल और देशभर की जमीनी स्तर की प्रतिभाओं तक भी विस्तारित होगी। इस सहयोग के तहत भारत में पीएसबी के सभी मौजूदा और भविय के केंद्र श्रीराम फाइनेंस प्रेजेंट्स पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन नाम से संचालित होंगे। इस पहल का उद्देश्य देशभर में विभिन्न आयु वर्गों और उभरते खिलाड़ियों के लिए जमीनी स्तर पर संरचित बैडमिंटन प्रशिक्षण की पहुंच को और मजबूत करना है। साझेदारी की प्रमुख विशेाताएं- नेमिग राइट्स: भारत में पीएसबी के सभी मौजूदा और भविय के केंद्र श्रीराम फाइनेंस प्रेजेंट्स पाद. ुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन नाम से संचालित होंगे। अपैरल स्पॉन्सरशिप: पीएसबी अकादमियों में खिलाड़ियों, कोचों और सहयोगी स्टाफ के बीच 2,000 से अधिक ब्रांडेड टी-शर्ट वितरित की जाएंगी।

भारत के विजय शंकर एलपीएल में डेब्यू को तैयार

कोलंबो, वार्ता। भारत के ऑलराउंडर विजय शंकर लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) 2026 में एकमात्र भारतीय खिलाड़ी बनने के लिए तैयार हैं, क्योंकि उन्हें कैंडी रॉयल्स ने साइन किया है। वहीं, श्रीलंका के इंटरनेशनल खिलाड़ी अविका फर्नांडो सीजन 6 के ड्राफ्ट में कुल मिलाकर नम्बर 1 पिक के तौर पर उभरे, जब फ्रेंचाइजी ने इस टूर्नामेंट के बहुप्रतीक्षित छठे सीजन के लिए अपनी टीमें पूरी कर लीं।

17 जुलाई से 8 अगस्त तक होने वाली इस प्रतियोगिता से पहले हुए ड्राफ्ट में, सभी पांचों फेंचाइजी ने जाने-माने इंटरनेशनल सितारों, उभरते हुए विदेशी टैलेंट और श्रीलंका के प्रमुख क्रिकेटरों के मिश्रण से अपनी टीमों को मजबूत किया। इससे लीग के इतिहास में सबसे ज्यादा प्रतिस्पर्धी सीजन में से एक के लिए मंच तैयार हो गया है। एलपीएल 2026 ड्राफ्ट में पहली कुल मिलाकर पिक का अधिकार रखने वाली मौजूदा चैंपियन एससी जाफना किंग्स ने श्रीलंका के इंटरनेशनल खिलाड़ी अविका फर्नांडो को नम्बर 1 पिक के तौर पर चुनकर प्रक्रिया की शुरुआत की। किंग्स ने अनुभवी ऑलराउंडर डेविड वीस, अफगानिस्तान के ओपनर इब्राहिम जादरान और नेपाल के लेग-स्पिनर संदीप लामिछाने को शामिल करके अपनी टीम को और मजबूत किया। ए खिलाड़ी डुनिथ वेलालगे और भानुका राजपक्षे जैसे बड़े नामों के साथ जुड़ेंगे, क्योंकि फेंचाइजी अपने खिताब का बचाव करना चाहती है और प्रतियोगिता में अपनी सफल दौड़ को आगे बढ़ाना चाहती है। भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के लिए चर्चा का सबसे बड़ा विाय विजय शंकर की भागीदारी होगी, जिन्होंने 2019 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। यह अनुभवी ऑलराउंडर कैंडी रॉयल्स की एक मजबूत टीम में शामिल हो रहा है, जिसमें मोईन अली, वानिदु हसरंगा और एंजेलो मैथ्यूज जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। रॉयल्स ने ड्राफ्ट के जरिए रहमानुल्लाह गुरबाज, डैनियल सैम्स, कुसल परेरा और नुवान तुाारा को शामिल करके अपनी लाइन-अप को और मजबूत किया। दूसरी ओर, कोल. ंबो कैंप्स ने इंटरनेशनल खिलाड़ी मुजीब उर रहमान को शामिल करके अपनी लाइन-अप को मजबूत किया।

रजत पाटीदार का सामना माधव तिवारी से

इंदौर, वार्ता। मध्य प्रदेश के सबसे बड़े क्रिकेट आयोजनों में से एक आदित्य बिड़ला ग्रुप मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) टी-20 सिंधिया कप के नए सीजन का इंतजार अब लगभग खत्म हो चुका है। 3 जून से ऐतिहासिक होलकर स्टेडियम में शुरू होने जा रहे इस टूर्नामेंट को लेकर पूरे इंदौर में उत्साह का माहौल है। राज्य भर की शीर्ा क्रिकेट प्रतिभाएं आने वाले हफ्तों में रोमांचक मुकाबलों के जरिए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी।

टूर्नामेंट के उद्घाटन मुकाबले में अनुभवी ग्वालियर चीताज का सामना नई टीम उज्जैन फाल्कन्स से होगा। दोनों टीमें अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ करना चाहेंगी, ऐसे में क्रिकेट प्रेमियों को रोमांच से भरपूर मुकाबले की उम्मीद है। ग्वालियर चीताज को दो बार के आईपीएल विजेता कप्तान रजत पाटीदार की मौजूदगी से मजबूती मिलेगी, जबकि उज्जैन फाल्कन्स के पास युवा और प्रतिभाशाली ऑलराउंडर माधव तिवारी होंगे, जिन्होंने आईपीएल 2026 में लगातार दो मैचों में प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। ग्वालियर चीताज के पूर्व मुख्य कोच और वर्तमान में उज्जैन फाल्कन्स से जुड़े सुनील धोलपुरे ने मध्य प्रदेश लीग को युवा क्रिकेटरों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बताते हुए कहा, एमपीएल ने युवा क्रिकेटरों के लिए एक शानदार मंच तैयार किया है। पहले खिलाड़ियों को क्लब क्रिकेट, जिला टूर्नामेंट, संभागीय प्रतियोगिताओं और राज्य स्तरीय कैंपों से होकर गुजरना पड़ता था, तब जाकर उन्हें पहचान मिलती थी। एमपीएल ने इस प्रक्रिया को बदल दिया है और खिलाड़ियों को एक बड़ा मंच उपलब्ध कराया है, जहां वे दबाव की परिस्थितियों में चयनकर्ताओं, स्काउट्स और फेंचाइजी टीमों के सामने अपनी प्रतिभा दिखा सकते हैं। यह लीग युवा खिलाड़ियों को बड़े मंच पर खुद को साबित करने और अपने क्रिकेट करियर को नई दिशा देने का अवसर देती है। उन्होंने आगे कहा कि, हम अपनी टीम में माधव तिवारी जैसे खिलाड़ी को पाकर बेहद खुश हैं। उन्होंने आईपीएल 2026 में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है और कम उम्र में ही अपनी शानदार क्षमता का परिचय दिया है। हमें पूरा विश्वास है कि वह एमपीएल में भी अपनी शानदार फॉर्म जारी रखेंगे और इस सीजन टीम की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

साईराज बहुतुले भारतीय टीम में स्पिन-बॉलिंग कोच के तौर पर शामिल हुए

न्यू चंडीगढ़, वार्ता। भारत के पूर्व लेग-स्पिनर साईराज बहुतुले, न्यू चंडीगढ़ में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच से पहले, पुरुाों की टीम में स्पिन-बॉलिंग कोच के तौर पर शामिल हो गए हैं। 53 साल के बहुतुले व्हाइट-बॉल क्रिकेट में भी भारत के स्पिनरों के साथ काम करेंगे।

बहुतुले का सबसे हालिया कार्यकाल आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स के साथ था, जहां उन्होंने स्पिन-बॉलिंग कोच के तौर पर काम किया था। इससे पहले, वह केरल और बंगाल की पुरुाों की टीमों के साथ भी रह चुके हैं। नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) में शामिल होने से पहले, 2018 से 2021 तक वह राजस्थान रॉयल्स के सपोर्ट स्टाफ का भी हिस्सा थे। जब राहुल द्रविड़ हेड कोच थे, तब उन्होंने इंडिया 'ए' के असाइनमेंट और भारत की कुछ सीरीज के लिए सपोर्ट स्टाफ के तौर पर काम किया था, इसके बाद आईपीएल 2025 में वह एक और साल के लिए आरआर के साथ जुड़ गए थे। बहुतुले का इंटरनेशनल करियर उतार-चढ़ाव भरा रहा, उन्होंने 1997 में भारत के लिए डेब्यू किया और 2003 में अपना आखिरी मैच खेला। इन सालों के दौरान,

उन्होंने सिर्फ दो टेस्ट और आठ वनडे मैच खेले। हालांकि, घरेलू क्रिकेट में उनका प्रदर्शन शानदार रहा: लगभग 20 साल लंबे अपने करियर में, उन्होंने 188 फर्स्ट-क्लास मैचों में 630 विकेट और 143 लिस्ट 'ए' मैचों में अपनी लेग-स्पिन गेंदबाजी से 197 विकेट लिए। बहुतुले भारत के उस सपोर्ट स्टाफ में शामिल होंगे, जिसमें अभी कोई स्पिन-बॉलिंग कोच मौजूद नहीं है।

पंजाब नैशनल बैंक ......भरोसे का प्रतीक (A GOVERNMENT OF INDIA UNDERTAKING) punjab national bank ...the name you can BANK upon!

अधिनियम की धारा 13(2) के तहत मांग नोटिस

एसएएम शाखा, दिल्ली, चौथी मंजिल, 7 भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली-110066 ईमेल आईडी : zs8343@pnb.bank.in

दिनांक : 20.05.2026

सेवा में,
मैसर्स श्रीजी एग्रो फूड्स (उधारकर्ता फर्म),
(साझेदार: श्री रितेश कुमार और श्री जितेश गोयल), ग्राम पिपलिया, अमरिया पीलीभीत रोड, तहसील सितारगंज, जिला उधम सिंह नगर - 262405
श्री रितेश कुमार सुपुत्र श्री रमेश चंद्र (साझेदार/गारंटर), वार्ड नंबर 7, सितारगंज, उधम सिंह नगर, उत्तराखंड 262405
श्री जितेश गोयल सुपुत्र श्री रमेश चंद्र (साझेदार/गारंटर), वार्ड नंबर 7, सितारगंज, उधम सिंह नगर, उत्तराखंड 262405
श्री गुरदयाल सिंह सुपुत्र श्री मल्कीत सिंह (गारंटर), ग्राम रामपुरा, तहसील सितारगंज, जिला उधम सिंह नगर - 262405
श्री देविंदर सिंह सुपुत्र श्री कुलवंत सिंह (गारंटर), ग्राम हरदासपुर, पीलीभीत, जिला उधम सिंह नगर - 262001
श्री रमेश चंद्र सुपुत्र श्री गंगा राम (गारंटर), ग्राम पिपलिया नत्थू, तहसील सितारगंज, जिला उधम सिंह नगर 262405
श्रीमती सुशीला गोयल पत्नी श्री रमेश चंद्र (गारंटर), वार्ड नंबर 7, सितारगंज, उधम सिंह नगर, उत्तराखंड - 262405
श्रीमती हरजीत कौर पत्नी श्री गुरदयाल सिंह (गारंटर), ग्राम रामपुरा, तहसील सितारगंज, जिला उधम सिंह नगर - 262405
श्रीमती अमरजीत कौर पत्नी श्री देविंदर सिंह (गारंटर), ग्राम हरदासपुर, पीलीभीत, जिला उधम सिंह नगर - 262001

महोदय/महोदया,

विषय: वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण एवं सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (इसके बाद 'अधिनियम' कहा गया) की धारा 13(2) के तहत नोटिस

1. आपके अनुरोध पर, बैंक ने अपनी शाखाओं के माध्यम से समय-समय पर आपको विभिन्न परिसंपत्तियों के बदले वित्तीय सहायता के रूप में विभिन्न ऋण सुविधाएँ प्रदान की हैं, जिनसे बैंक के पक्ष में सुरक्षा हित उत्पन्न होता है। उक्त ऋण सुविधाओं और आपके द्वारा निष्पादित सुरक्षा समझौतों/दस्तावेजों का प्रासंगिक विवरण क्रमशः अनुसूची 'ए' और 'बी' में दिया गया है, जिसमें चल संपत्तियों की गिरवी शामिल नहीं है। आपने उक्त समझौतों/दस्तावेजों के अनुसार उक्त वित्तीय सहायता के पुनर्भुगतान के वचन के साथ वित्तीय सहायता का लाभ उठाया है।
2. आपने स्वामित्व विलेख/पंजीकृत बंधक जमा करके गिरवी भी बनाई है, जिससे बैंक के पक्ष में सुरक्षा हित उत्पन्न होता है। ऐसे बंधक से संबंधित दस्तावेज भी **अनुसूची 'ख'** में दिए गए हैं।
3. सुरक्षित संपत्तियों का प्रासंगिक विवरण **अनुसूची 'सी'** में स्पष्ट रूप से उल्लिखित है।
4. आपने समय-समय पर शेष राशि की पुष्टि और पुनर्जीवन पत्र तथा अन्य दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करके उपर्युक्त ऋण सुविधाओं के संबंध में देयता की निरंतरता को भी स्वीकार किया है। उपरोक्त वित्तीय सहायता/ऋण सुविधाओं का संचालन और आचरण अनियमित हो गया है और भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी परिसंपत्ति वर्गीकरण संबंधी निर्देशों/दिशानिर्देशों के अनुसार, आपके द्वारा मूल ऋण और उस पर ब्याज के पुनर्भुगतान में चूक के परिणामस्वरूप, ऋण को 31.03.2025 को गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
5. उक्त वित्तीय सहायता निम्नलिखित व्यक्तियों की व्यक्तिगत/कॉर्पोरेट गारंटी द्वारा भी सुरक्षित है:
(i). श्री रितेश कुमार, (ii). श्री जितेश गोयल, (iii) श्री गुरदयाल सिंह, (iv). श्री देविंदर सिंह, (v) श्री रमेश चंद्र, (vi) श्रीमती सुशीला गोयल, (vii) श्रीमती हरजीत कौर, (viii) श्रीमती अमरजीत कौर, बार-बार अनुरोध करने के बावजूद, आपने उक्त बकाया राशि/प्रतिबंधित देनदारियों का भुगतान करने में विफल और लापरवाही बरती है।
6. अतः, बैंक उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के तहत इस नोटिस के माध्यम से आपसे अनुरोध करता है कि आप इस नोटिस की तिथि से 60 दिनों के भीतर बैंक के प्रति अपने सभी दायित्वों का पूर्ण भुगतान करें। 30.04.2026 तक बैंक को देय आपकी कुल बकाया राशि 49,36,38,404.02 रुपये (उनतालीस करोड़ छत्तीस लाख अड़तीस हजार चार सौ चार रुपये और दो पैसे मात्र) है, साथ ही 01.05.2026 से लागू ब्याज और अन्य शुल्क भी देय हैं। आप उक्त राशि पर संविदात्मक दर से भविष्य के ब्याज के साथ-साथ आकस्मिक व्यय, लागत, शुल्क आदि का भुगतान करने के लिए भी उत्तरदायी हैं।
7. यदि आप बैंक को उक्त राशि का भुगतान करने में विफल रहते हैं 30.04.2026 तक 49,36,38,404.02 रुपये (उनतालीस करोड़ छत्तीस लाख अड़तीस हजार चार सौ चार रुपये और दो पैसे मात्र) की राशि पर, ब्याज और अन्य आकस्मिक व्ययों सहित, जैसा कि अधिनियम की धारा 13(2) के तहत इस नोटिस में ऊपर उल्लेख किया गया है, बैंक धारा 13 की उपधारा (4) और उक्त अधिनियम के अन्य लागू प्रावधानों के तहत विस्तृत सभी या किसी भी अधिकार का प्रयोग करेगा।
8. आपको यह भी सूचित किया जाता है कि धारा 13 की उपधारा 13 के अनुसार, आप बैंक की लिखित सहमति प्राप्त किए बिना इस नोटिस की अनुसूची 'सी' में विस्तृत उक्त सुरक्षित परिसंपत्तियों को बिक्री, पट्टे या किसी अन्य माध्यम से हस्तांतरित नहीं करेंगे।
9. हम आपका ध्यान SARFAESI अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित करते हैं, जो उधारकर्ता/गारंटर को सुरक्षित परिसंपत्तियों को छुड़ाने के लिए उपलब्ध समय के बारे में बताती है। 10. बैंक आपके नाम पर जारी और स्थापित बकाया बिलों, बैंक गारंटियों और लेटर ऑफ क्रेडिट के तहत उत्पन्न होने वाली देनदारियों के साथ-साथ अन्य आकस्मिक देनदारियों के भुगतान के लिए आपको बुलाने का अधिकार सुरक्षित रखता है।
11. यह सूचना बैंक के उस अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालती है जिसके तहत वह कानून के किसी अन्य लागू प्रावधान के तहत आवश्यक समझे जाने वाले अन्य कार्यों या कानूनी कार्यवाही को शुरू कर सकता है।
12. इसके अलावा, हम इस सूचना के माध्यम से दिनांक 09.04.2025 को धारा 13(2) के तहत जारी की गई अपनी पिछली सूचना और उसके बाद की गई सभी कार्रवाइयों को वापस लेते हैं।

अनुसूची 'ए'
ऋणकर्ता का नाम: मेसर्स श्रीजी एग्रो फूड्स, खाता संख्या: 06774011000369, 067710EG00000074, 06777021000022

क्र सं.	सुविधा की प्रकृति	बकाया मूलधन दिनांक 30.04.2026 तक	ब्याज अवधि 30.04.2026 तक	अन्य शुल्क 30.04.2026 तक	दंडात्मक ब्याज	30-04-2026 तक कुल बकाया राशि
1.	CC: 06774011000369	42,42,71,508.71	4,37,51,732.40	8,72,182.40	7,84,269.95	46,96,79,693.46
2.	GECL: 067710EG00000074	1,19,16,666.76	13,31,103.98	0.00	0.00	1,32,47,770.74
3.	TL: 06777021000022	97,81,889.00	8,55,452.00	73,598.82	0.00	1,07,10,939.82
	कुल	44,59,70,064.47	4,59,38,288.38	9,45,781.22	7,84,269.95	49,36,38,404.02

अनुसूची 'बी'
(i) संपत्ति के स्वामित्व विलेख को बैंक में जमा करके सुरक्षा का सृजन किया गया, जैसा कि बिक्री विलेख पंजीकरण संख्या 3937, बही संख्या 1, जिला 1172 के पृष्ठ 01 से 16 तक दिनांक 25.10.2017 को एसआरओ सितारगंज कार्यालय में पंजीकृत है।
(ii) संपत्ति के स्वामित्व विलेख को बैंक में जमा करके सुरक्षा का सृजन किया गया, जैसा कि बिक्री विलेख पंजीकरण संख्या 3948, बही संख्या 1, जिला 1172 के पृष्ठ 147 से 162 तक दिनांक 27.10.2017 को एसआरओ सितारगंज कार्यालय में पंजीकृत है।
(iii) संपत्ति के स्वामित्व विलेख को बैंक में जमा करके सुरक्षा का सृजन किया गया, जैसा कि बिक्री विलेख पंजीकरण संख्या 3949, बही संख्या 1, ज़िल्द 1172, पृष्ठ 163 से 178, दिनांक 27.10.2017, एसआरओ सितारगंज कार्यालय में पंजीकृत।
(iv) संपत्ति के स्वामित्व विलेख को बैंक में जमा करके सुरक्षा का सृजन किया गया, जैसा कि विक्रय विलेख पंजीकरण संख्या 3936, बही संख्या 1, जिल्ड 1171 के पृष्ठ 385 से 400 पर दिनांक 25.10.2017 को एसआरओ सितारगंज कार्यालय में पंजीकृत है।
(v) संपत्ति के स्वामित्व विलेख को बैंक में जमा करके सुरक्षा का निर्माण किया गया था, जैसा कि विक्रय विलेख पंजीकरण संख्या 2816, पुस्तक संख्या 1, जिला 301 पृष्ठ 301 से 326 दिनांक 14.07.2006 को एसआरओ सितारगंज के कार्यालय में पंजीकृत है।
(vi) संपत्ति के उपहार विलेख को बैंक में जमा करके सुरक्षा बनाई गई थी, जैसा कि उपहार विलेख पंजीकरण संख्या 52, बही संख्या 1, ज़िले 1201 पृष्ठ 195 से 210 दिनांक 03.01.2018 को एस.आर.ओ. सितारगंज के कार्यालय में पंजीकृत है।
(vii) संपत्ति के स्वामित्व विलेख को बैंक में जमा करके सुरक्षा का निर्माण किया गया था, जैसा कि विक्रय विलेख पंजीकरण संख्या 582, पुस्तक संख्या 1, खंड 21 पृष्ठ 53 से 66 दिनांक 18.04.1998 को एसआरओ सितारगंज के कार्यालय में पंजीकृत है।

अनुसूची 'सी'
भाग-1 (चल संपत्तियों का बंधक)
सीसी लिमिडट: धान, चावल आदि के स्टॉक (तैयार माल, निर्मित उत्पाद और तैयार माल), अन्य उपभोग्य वस्तुएं, प्राप्य वस्तुएं और फर्म की वर्तमान और भविष्य की सभी चालू संपत्तियों का बंधक।
टीएल लिमिडट: मेसर्स श्रीजी एग्रो फूड्स, ग्राम पिपलिया, नत्थू सितारगंज - अमरिया पीलीभीत रोड, तहसील सितारगंज, जिला उधम सिंह नगर - 262405 स्थित कारखाने परिसर में स्थापित संयंत्र और मशीनरी का बंधक।
भाग-2(अचल संपत्तियों का समतुल्य बंधक)

सीमा का स्वरूप	सुरक्षा का विवरण	सीमाएँ
कैश क्रेडिट और टर्म लोन	1. फैक्टरी भूमि और भवन खाता संख्या 19 और खसरा संख्या 1 गा, ग्राम पिपलिया नत्थू, तहसील सितारगंज, जिला उधम सिंह नगर में स्थित है, जिसकी माप 0.2700 हेक्टेयर, जो रितेश कुमार पुत्र स्व. रमेश चंद के पंजीकृत बिक्री विलेख के माध्यम से पंजीकृत बही नंबर 1, ज़िल्ड 1172, पेज 01-16, क्रम संख्या 3937, दिनांक 25.10.2017 को एसआरओ सितारगंज में दर्ज किया गया।	पूर्व में सितारगंज-पीलीभीत रोड पश्चिम में वरियम सिंह और अन्य की ज़मीन उत्तर में एमबी एग्रो मिल्स दक्षिण में वरियम सिंह की ज़मीन
कैश क्रेडिट और टर्म लोन	2. फैक्टरी भूमि और भवन खाता संख्या 123 और खसरा संख्या 618/2 ग्राम विथा अकबर, तहसील सितारगंज, जिला उधम सिंह नगर का हिस्सा, जिसकी माप 0.3090 हेक्टेयर, श्री जितेश गोयल पुत्र स्व. रमेश चंद के नाम पर बिक्री विलेख के माध्यम से पंजीकृत बही नं. 1, ज़िल्ड 1172, पृष्ठ 147-162, क्रमांक 3948 दिनांक 27.10.2017 को एसआरओ सितारगंज में दर्ज किया गया।	
कैश क्रेडिट और टर्म लोन	3. फैक्टरी भूमि और भवन खाता संख्या 40 और खसरा संख्या 1 का का हिस्सा, ग्राम पिपलिया नत्थू, तहसील सितारगंज, जिला उधम सिंह नगर में स्थित है, जिसकी माप 0.3250 हेक्टेयर, श्री देविंदर सिंह पुत्र श्री कुलवंत सिंह के नाम पर पंजीकृत बिक्री विलेख के माध्यम से पंजीकृत बही नं. 1, ज़िल्द 1172, पृष्ठ 163-178, क्रमांक 3949 दिनांक 27.10.2017 को एसआरओ सितारगंज में दर्ज किया गया।	
कैश क्रेडिट और टर्म लोन	4. फैक्टरी भूमि और भवन खाता संख्या 43 और खसरा संख्या 617, 621/649, 622 और 618/1 मिनट ग्राम विथा अकबर, तहसील सितारगंज, जिला उधम सिंह नगर की माप 0.3080 हेक्टेयर, श्री गुरदयालसिंह पुत्र स्व. मलकीत सिंह के नाम पर पंजीकृत बही नं. 1, ज़िल्ड 1171, पेज 385-400, क्रमांक. 3936, दिनांक 25.10.2017, एसआरओ सितारगंज में दर्ज किया गया।	
कैश क्रेडिट	5. खाता संख्या 702 और खसरा संख्या 24ए मिन और 29ए मिन के भाग में स्थित वाणिज्यिक संपत्ति, ग्राम रामपुरा, तहसील सितारगंज, जिला उधम सिंह नगर, क्षेत्रफल 1.212 हेक्टेयर, श्री गुरदयाल सिंह पुत्र श्री मलकीत सिंह के नाम पर पंजीकृत विक्रय विलेख द्वारा पंजीकृत, पुस्तक संख्या 1, जिला 301, पृष्ठ 301-326, क्रमांक 2816, दिनांक 14.07.2006 को एसआरओ सितारगंज में दर्ज किया गया।	पूर्व में बंधा पश्चिम में विक्रेता की ज़मीन, उत्तर में बलविंदर सिंह की ज़मीन, दक्षिण में कर्नल सिंह की ज़मी
कैश क्रेडिट	6. खटीमा पुराने बायपास रोड, प्लॉट संख्या 209 एम, वार्ड संख्या 10, रामपुरा, तहसील सितारगंज, जिला उधम सिंह नगर, क्षेत्रफल 0.1350 हेक्टेयर, श्री देविंदर सिंह पुत्र श्री कुलवंत सिंह के नाम पर पंजीकृत उपहार विलेख द्वारा पंजीकृत, बही संख्या 1, जिला 1201, पृष्ठ 195-210, क्रमांक 52, दिनांक 03.01.2018, एसआरओ सितारगंज में दर्ज किया गया है।	पूर्व में अमरिक सिंह की संपत्ति पश्चिम में बिजली रोड, उत्तर में राजेश्वरी देवी की संपत्ति, दक्षिण में विकास का प्लॉट
कैश क्रेडिट	7. प्लॉट संख्या 197 मिन, ग्राम रामपुरा, तहसील सितारगंज, जिला उधम सिंह नगर में स्थित आवासीय संपत्ति, जिसका क्षेत्रफल 92.93 वर्ग मीटर है, श्री गुरदयाल सिंह पुत्र श्री मलकीत सिंह के नाम पर पंजीकृत विक्रय विलेख के माध्यम से, पुस्तक संख्या 1, खंड 21, पृष्ठ 53-66, क्रमांक 582, दिनांक 18.04.1998 एसआरओ सितारगंज में दर्ज किया गया है।	पूर्व में रास्ता पश्चिम में मलकीत सिंह और अन्य की संपत्ति, उत्तर में सरफराज अहमद की संपत्ति, दक्षिण में गुरमेल सिंह की संपत्ति

प्रतिलिपि यहां अग्रेषित की गई:
श्री रितेश कुमार पुत्र श्री रमेश चंद्र (साझेदार/गारंटर), वार्ड नंबर 7, सितारगंज, उधम सिंह नगर, उत्तराखंड-262405
श्री जितेश गोयल पुत्र श्री रमेश चंद्र (साझेदार/गारंटर), वार्ड नंबर 7, सितारगंज, उधम सिंह नगर, उत्तराखंड-262405
श्री गुरदयाल सिंह पुत्र श्री मलकीत सिंह (गारंटर), ग्राम रामपुरा, तहसील सितारगंज, जिला उधम सिंह नगर - 262405
श्री देविंदर सिंह पुत्र श्री कुलवंत सिंह (गारंटर), ग्राम हरदासपुर, पीलीभीत, जिला उधम सिंह नगर-262001
श्री रमेश चन्द्र पुत्र श्री गंगा राम (गारंटर), ग्राम पिपलिया नत्थू, तहसील सितारगंज, जिला उधम सिंह नगर-262405
श्रीमती सुशीला गोयल पत्नी श्री रमेश चंद्र (गारंटर), वार्ड नंबर 7, सितारगंज, उधम सिंह नगर, उत्तराखंड-262405
श्रीमती हरजीत कौर पत्नी श्री गुरदयाल सिंह (गारंटर), ग्राम रामपुरा, तहसील सितारगंज, जिला उधम सिंह नगर-262405
श्रीमती अमरजीत कौर पत्नी श्री देविन्दर सिंह (गारंटर), ग्राम हरदसपुर, पीलीभीत, जिला उधम सिंह नगर-262001
आपसे अनुरोध है कि आपके द्वारा निष्पादित गारंटी के संदर्भ में नोटिस में उल्लिखित राशि का भुगतान करें।

दिनांक: 20.05.2026, स्थान: नई दिल्ली

प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब नेशनल बैंक

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

बुधवार, 3 जून 2026

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

फिर बढ़ेगी महंगाई

केंद्र सरकार महंगाई रोकने में लगातार विफल होती आ रही है, जिसका असर आम आदमी पर हो रहा है, लेकिन अभी पेट्रोल डीजल की कीमतों में वृद्धि होने वाली है, जिसके कारण आने वाले महीनों में परिवहन एवं विनिर्माण लागत बढ़ सकती है और आम उपभोग की वस्तुएं महंगी हो सकती हैं। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने मंगलवार को जारी रिपोर्ट में यह अनुमान जताया है, जिससे अब लोगों की जेबें और खाली हो जाएंगी। सरकार का दावा है कि यह सब कुछ अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण है, लेकिन जनता का मानना है कि यह सब कुछ सरकारी दावे हैं, जिसके सापेक्ष देश में महंगाई नहीं बढ़नी चाहिए थी। सरकार ने पिछले महीने में तीन बार पेट्रोलियम पदार्थों के दाम बढ़ाए, जिसके कारण देश के लोगों ने अपने वाहन न निकालकर अन्य साधनों का प्रयोग शुरू कर दिया है। परंतु एक रिपोर्ट में फिर से पेट्रोलिय पदार्थों के दामों में बढ़ोतरी की संभावना जताई गई है, जो लोगों को परेशान करने वाली होगी। रिपोर्ट कहती है कि 15 मई के बाद से पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में करीब 7.5 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हो चुकी है और अगर कच्चे तेल के दाम ऊंचे स्तर पर बने रहते हैं, तो यह बढ़ोतरी निकट भविष्य में 10 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच सकती है। क्रिसिल का कहना है कि इसका असर पूरी अर्थव्यवस्था में ढुलाई लागत में बढ़ोतरी के जरिये दिखेगा, जिससे खाने-पीने की चीजों और अन्य वस्तुओं की महंगाई दोनों बढ़ेंगी। ईंधन कीमतों में वृद्धि का सीधा असर महंगाई पर पड़ेगा। ईंधन कीमतों में 7.5 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी से खुदरा मुद्रास्फीति करीब 0.36 प्रतिशत बढ़ सकती है। अगर ईंधन कीमतें 10 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ जाती हैं, तो खुदरा महंगाई में करीब 0.48 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। कि ईंधन के दाम बढ़ने का सर्वाधिक प्रभाव सड़क परिवहन पर पड़ेगा, क्योंकि इसकी लागत का लगभग 42 प्रतिशत हिस्सा ईंधन पर निर्भर है। इससे माल ढुलाई महंगी हो जाएगी और इसका असर रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों पर पड़ेगा। देश में करीब 71 प्रतिशत माल ढुलाई सड़क मार्ग के जरिये ही होती है। ढुलाई लागत बढ़ने से दूधा, फल, दालें, चाय-काफी, मसाले, अंडे, मांस और मछली जैसे खाद्य उत्पादों की कीमतों में तेजी आ सकती है, क्योंकि ये बड़े पैमाने पर परिवहन नेटवर्क पर निर्भर हैं। कपड़ा, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, लकड़ी उत्पाद, सीमेंट और सिरेमिक जैसे क्षेत्रों में भी लागत बढ़ेगी।रसायन, कोयला और धातु क्षेत्र भी महंगाई की चपेट में आएंगे। ऐसी स्थिति में कंपनियां लागत का बोझ उपभोक्ताओं पर डाल सकती हैं या उत्पाद की मात्रा में कटौती कर सकती हैं। सितंबर 2025 में जीएसटी दरों में की गई कटौती से कुछ राहत मिल सकती है, लेकिन ऊंची ऊर्जा लागत के असर को यह पूरी तरह संतुलित नहीं कर पाएगी। चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों में कच्चे तेल की औसत कीमत 112 डॉलर प्रति बैरल रही है, जो पूरे वर्ष के अनुमान 95 डॉलर प्रति बैरल से अधिक है।

सरकार के लिए भी एक खुली चुनौती

बदमाशों द्वारा मेरठ जिले में राष्ट्रीय स्तर की कबड्डी खिलाड़ी अनुष्का पाल की हत्या समाज को झकझोर देने वाली है, अत्यंत दु:खद और चिंताजनक इस जघन्य अपराध में शामिल सभी दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित कर उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए, त्वरित कार्रवाई से पीड़ित परिवार को न्याय मिलेगा और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सकेगी, अनुष्का की आखिरी गति. विधियां आरोपी श्याम धानक के साथ दर्ज हुई थीं, इस तरह के घटनाक्रम न केवल पुलिस- प्रशासन के लिए चेतावनी होते हैं, अपितु सरकार के लिए भी एक खुली चुनौती के समान हैं।

-सुश्री मायावती
अध्यक्ष, बहुजन समाज पार्टी

अपने विचार रखें...

हम पाठकों, वरिष्ठ स्तंभकारों और लेखकों को सम्पादकीय पेज हेतु आलेख अथवा जनमानस से जुड़े मुद्दों पर राय भेजने के लिए आमंत्रित करते हैं, यहां प्रकाशित किसी भी लेख से सम्पादक अथवा संस्थान का सहमत होना आवश्यक नहीं है, यह लेखक के अपने निजी विचार होते हैं।

सम्पादकीय डेस्क
(सुजडू चुंगी, मेरठ रोड मुजफ्फरनगर, पिन कोड-251003)

टूटते भरोसे के वेंटिलेटर पर देश की परीक्षा व्यवस्था

जब छात्र यह मानने लगें कि सफलता मेहनत से नहीं बल्कि 'सेटिंग' से मिलती है तो यह केवल शिक्षा का नहीं बल्कि सामाजिक नैतिकता का भी पतन है। अब सवाल यह है कि समाधान क्या है? क्या हर बार जांच, गिरफ़्तारी और बयानबाजी से काम चल जाएगा? स्पष्ट है कि नहीं। सबसे पहले परीक्षा प्रणाली में पूर्ण डिजिटल और एन्क्रिप्टेड मॉडल लागू करना होगा। प्रश्नपत्रों को परीक्षा से कुछ मिनट पहले तक सुरक्षित सर्वर में रखा जाए और सीधे केंद्रों पर डिजिटल रूप में उपलब्ध कराया जाए। इससे छपाई और परिवहन से जुड़ी कमजोरियां समाप्त होंगी।

योगेश कुमार गोयल

भारत में परीक्षा अब केवल योग्यता का आकलन नहीं रह गई है, बल्कि यह करोड़ों सपनों की निर्णायक कसौटी बन चुकी है लेकिन जब यही कसौटी बार-बार संदिग्ध हो जाए, जब मेहनत और ईमानदारी की जगह 'जुगाड़' और 'माफिया नेटवर्क' हावी हो जाएं, तब यह केवल परीक्षा का संकट नहीं बल्कि राष्ट्र के भविष्य का संकट बन जाता है।

पेपर लीक के चलते नीट-यूजी 2026 परीक्षा का रद्द होना, सीबीएसई की ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली पर उठे गंभीर सवाल और एसएससी जीडी परीक्षा में धांधली, यह घटनाएं मिलकर यह साबित करती हैं कि भारत की परीक्षा प्रणाली अब गहरे संस्थागत संकट में फंस चुकी है और भारत की परीक्षा प्रणाली अब वेंटिलेटर पर है। नीट-यूजी 2026 का घटनाक्रम तो इस विफलता की सबसे भयावह तस्वीर पेश करता है। लगभग 22.79 लाख छात्रों की मेहनत, उनके परिवारों के त्याग और वर्षों की तैयारी एक झटके में शून्य हो गई। यह केवल एक परीक्षा का रद्द होना नहीं था बल्कि उस विश्वास का टूटना था, जिस पर पूरी शिक्षा व्यवस्था टिकी हुई है। इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह है कि इस बार मामला केवल बाहरी गिरोहों तक सीमित नहीं रहा बल्कि जांच में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के भीतर तक मिलीभगत के आरोप सामने आए।

सीबीआई की जांच और संसदीय समिति की पूछताछ में यह संकेत मिले हैं कि प्रश्नपत्र तैयार करने और परीक्षा प्रबंधन से जुड़े कुछ अधिकारियों ने मोटी रकम लेकर चुनिंदा छात्रों तक प्रश्नपत्र पहुंचाने का काम किया। यदि यह आरोप सही हैं तो यह केवल भ्रष्टाचार नहीं बल्कि संस्थागत विश्वासघात है। जिस संस्था को निष्पक्षता की गारंटी देनी थी, वही यदि धांधली का हिस्सा बन जाए, तो पूरी व्यवस्था का नैतिक आधार ही खत्म हो जाता है। नीट पेपर लीक की प्रकृति भी सामान्य नहीं थी। 'गेस पेपर' के नाम पर लगभग 150 से अधिक प्रश्नों का हूबहू मिल जाना, परीक्षा से पहले 600 अंकों तक के सवालों का प्रसार, व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म्स पर खुलेआम प्रश्नपत्र का घूमना, यह सब किसी संयोग का परिणाम नहीं हो सकते। यह एक संगठित, बहुस्तरीय और तकनीकी रूप से सक्षम नेटवर्क का संकेत है, जो परीक्षा प्रणाली की हर कमजोर कड़ी को भेद चुका है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि 2024 में पेपर लीक के बाद भी कोई ठोस सुधार क्यों नहीं हुआ? सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों, जांच समितियों और सिफारिशों के बावजूद 2026 में स्थिति और बदतर कैसे हो गई? इसका सीधा अर्थ है कि समस्या तकनीकी कम और इच्छाशक्ति की अधिक है। भारत की परीक्षा प्रणाली का ढ़ांचा ही कई स्तरों पर कमजोर है। प्रश्नपत्रों की छपाई से लेकर वितरण तक की प्रक्रिया में निजी एजेंसियों और आउटसोर्स कर्मचारियों की बड़ी भूमिका रहती है। यही वह जगह है, जहां से माफिया नेटवर्क अपनी जड़ें जमाता है। जब प्रश्नपत्र परीक्षा केंद्र तक पहुंचने से पहले ही स्कैन होकर डिजिटल रूप में फैल सकता है तो यह स्पष्ट संकेत है कि सुरक्षा तंत्र केवल कागजों पर मजबूत है, जमीन पर नहीं। दूसरी ओर, कोचिंग उद्योग का अनियंत्रित विस्तार इस संकट को और गहरा कर रहा है। मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाएं अब हजारों करोड़ रूपए का बाजार बन चुकी हैं। इस बाजार में 'सफलता' एक उत्पाद है, जिसे खरीदने के लिए छात्र और अभिभावक किसी भी हद तक जाने को मजबूर हैं। इसी मानसिकता का फायदा उठाकर एजुकेशन माफिया 'सीक्रेट पेपर', '100 प्रतिशत सलेक्शन गारंटी' और 'इनसाइडर एक्सेस' जैसे झूठे वादों के जरिए पूरे सिस्टम को खोखला कर रहा है। यदि नीट प्रकरण परीक्षा प्रणाली की सुरक्षा पर सवाल खड़ा करता है तो सीबीएसई का ओएसएम विवाद मूल्यांकन प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर चोट करता है। डिजिटल मूल्यांकन को पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से लागू किया गया था लेकिन इसके परिणाम उलटे दिखाई दिए। पास प्रतिशत में गिरावट, मेधावी छात्रों को अपेक्षा से कम अंक मिलना और स्कैन की गई कॉपियों में भारी गड़बड़ियां, यह सब इस बात के संकेत हैं कि तकनीक को बिना पर्याप्त तैयारी और परीक्षण के लागू किया गया। कई छात्रों ने शिकायत की कि उनकी कॉपियां धुंधली थी, कुछ को गलत उत्तर पुस्तिकाएं मिली और कुछ मामलों में तो पूरी कॉपी ही किसी और की थी। यह स्थिति केवल तकनीकी त्रुटि नहीं मानी जा सकती बल्कि यह सरासर गंभीर प्रशासनिक लापरवाही है। यदि एक छात्र की मेहनत को किसी दूसरे की कॉपी से बदल दिया जाए तो यह केवल गलती नहीं है बल्कि उस छात्र के भविष्य के साथ सीधा खिलवाड़ है। शिक्षा मंत्रालय और बोर्ड भले ही इन खामियों को सीमित मामलों तक बताकर पल्ला झाड़ने की कोशिश करें लेकिन छात्रों में बढ़ता असंतोष इस बात का प्रमाण है कि समस्या व्यापक है। तीसरी बड़ी घटना, एसएससी कांस्टेबल जीडी परीक्षा में धांधली, इस बात को और स्पष्ट करती है कि यह संकट किसी एक परीक्षा या संस्था तक सीमित नहीं है। उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में पेपर लीक, तकनीकी खराबी और प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण परीक्षा रद्द करनी पड़ी। ग्रेटर नोएडा में यूपी एसटीएफ द्वारा पकड़े गए रैकेट ने इस धांधली के आधुनिक रूप को उजागर किया। प्रॉक्सी सर्वर, स्क्रीन शेयरिंग ऐप्स और डमी कैंडिडेट्स के जरिए परीक्षा में हेरफेर किया जा रहा था। यह पारंपरिक नकल या पेपर लीक से कहीं अधिक खतरनाक है क्योंकि इसमें तकनीक का इस्तेमाल कर पूरी प्रणाली को भीतर से हैक किया जा रहा है। इन तीनों घटनाओं को एक साथ देखें तो एक भयावह तस्वीर उभरती है, एक ऐसी व्यवस्था, जहां प्रश्नपत्र सुरक्षित नहीं, मूल्यांकन विश्वसनीय नहीं और परीक्षा प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है। सबसे अधिक पीड़ित वह छात्र है, जो ईमानदारी से मेहनत करता है। ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों छात्र, जिनके माता-पिता ने कर्ज लेकर या जमीन गिरवी रखकर उन्हें कोचिंग दिलाई, आज सबसे ज्यादा निराश हैं। एक परीक्षा रद्द होने का मतलब केवल दोबारा परीक्षा देना नहीं होता बल्कि यह मानसिक तनाव, आर्थिक बोझ और आत्मविश्वास के टूटने का कारण बनता है। इस पूरे संकट का एक और खतरनाक पहलू है व्यवस्था के प्रति बढ़ता अविश्वास।

आर्थिक संकट की चुनौतियों का सामना करता प्रिंट मीडिया

प्रिंट मीडिया से जुड़े सीनियर पत्रकारों से बात करने के बाद यही बात सामने आती है कि उनका कहना है कि जब तक सरकार प्रिंट मीडिया की आर्थिक स्थिति पर गंभीरता से ध्यान देकर आर्थिक संकट का समाधान करने का प्रयास नहीं करेगी तब तक इस समस्या का कोई हल नहीं निकल सकता है।

शिबली रामपुरी

प्रिंट मीडिया आज आर्थिक संकट के दौर से बुरी तरह से गुजर रहा है और अब प्रिंट मीडिया में काम करने वाले बहुत सारे तजुर्बेकर पत्रकारों की नौकरी जा चुकी है और कुछ की नौकरी कभी भी जा सकती है क्योंकि अब प्रिंट मीडिया में चाहे कोई अखबार छोटा हो या बड़ा हो हर किसी के सामने आर्थिक तौर पर एक बहुत बड़ा संकट खड़ा हो चुका है। इस संकट से अगर कोई प्रिंट मीडिया को निकाल सकता है तो वह है हमारी सरकार।

जब तक सरकार प्रिंट मीडिया पर गंभीरता से ध्यान नहीं देगी तब तक प्रिंट मीडिया की समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता है। प्रिंट मीडिया से जुड़े पत्रकारों के सामने रोजी रोटी का ऐसा संकट खड़ा है कि अधि. कतर पत्रकार भारी परेशानियों के दौर से गुजर रहे हैं। प्रिंट मीडिया में अंग्रेजी से लेकर हिंदी और उर्दू तीनों शामिल हैं और सबसे अधिक परेशानी हिंदी और उर्दू प्रिंट मीडिया के सामने खड़ी हो चुकी है। उर्दू अखबारों में तो अब चंद ही अखबार ऐसे हैं जो नियमित प्रकाशित हो रहे हैं अधिकतर समाचार पत्र आर्थिक संकट से खुद को बाहर निकालने में असफल रहे और आखिरकार वो अखबार बंद हो चुके हैं और उनसे जुड़े पत्रकारों की आर्थिक स्थिति का आप अंदाजा लगा सकते हैं कि अखबार बंद होने के बाद उन पत्रकारों को अपना घर परिवार चलाने में कितनी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा होगा। प्रिंट मीडिया के दौर में अंग्रेजी अखबारों की स्थिति अभी तक फिर भी कुछ सही मानी जा सकती है लेकिन यह भी एक कड़वी हकीकत है कि अंग्रेजी प्रिंट मीडिया की स्थिति पहले जैसी तो बिल्कुल नहीं रही है वरना अंग्रेजी मीडिया का एक सुनहरा दौर हुआ करता था, लेकिन अब उसमें काफी कमी आ चुकी है। प्रिंट मीडिया से जुड़े सीनियर पत्रकारों से बात करने के बाद यही बात सामने आती है कि उनका कहना है कि जब तक सरकार प्रिंट मीडिया की आर्थिक स्थिति पर गंभीरता से ध्यान देकर आर्थिक संकट का समाधान करने का प्रयास नहीं करेगी तब तक इस समस्या का कोई हल नहीं निकल सकता है क्योंकि प्रिंट मीडिया का अधि. कतर दारोमदार सरकार की नीतियों पर है और सरकार को नीतियों को आसान बनाने की जरूरत है। आपने देखा होगा कि किस तरह से प्रिंट मीडिया से नौकरी जाने के बाद कई पत्रकारों ने यूट्यूब चैनल पर काम करना शुरू कर दिया और वहां पर भी काफी संघर्ष कर रहे हैं क्योंकि उनको डिजिटल मीडिया का इतना अनुभव नहीं है तो उनके सामने यहां भी काफी चुनौतियां हैं हालांकि

कुछ पत्रकार डिजिटल मीडिया और सोशल मीडिया पर काफी अच्छा काम भी कर रहे हैं लेकिन ऐसे पत्रकारों की गिनती काफी कम है। ऐसे हालात को देखते हुए अब केंद्र सरकार से ही प्रिंट मीडिया को उम्मीद रह जाती है कि केंद्र सरकार ऐसी नीतियां बनाए कि जिससे प्रिंट मीडिया का वजूद खतरे में ना पड़े और प्रिंट मीडिया का वह सुनहरा दौर फिर से लौट आए कि जब प्रिंट मीडिया भी आकर्षण का एक केंद्र ना सिर्फ हुआ करता था बल्कि इसमें रोजगार के बहुत सारे अवसर भी पर्याप्त होते थे। युवाओं की एक बड़ी आबादी पढ़ लिखकर प्रिंट मीडिया में जाना चाहती थी और अपना भविष्य उज्जवल बनाने का एक बेहतरीन माध्यम प्रिंट मीडिया माना जाता था मगर बदलते वक्त के साथ अब सब कुछ बदल चुका है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

पेपर लीक की आड़ में डिजिटल शिक्षा पर 'दो कौड़ी' का तंज

यदि यह कुछ नहीं जानते, तो यह सफलता कैसे संभव हुई? हालांकि कुछ अपवाद हो सकते हैं, लेकिन उनसे पूरे योगदान को नकारा नहीं जा सकता। अंजना जी, यह आरोप केवल शिक्षकों पर नहीं, उनके समर्पण और मेहनत पर भी सवाल उठाता है।

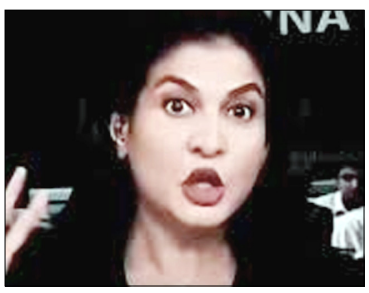

प्रो. आर.के. जैन

भारतीय शिक्षा जगत में यह शायद ही पहले कभी देखने को मिला हो कि एक टीवी स्टूडियो में कही गई टिप्पणी इतनी तेजी से राष्ट्रीय बहस का विषय बन जाए। लेकिन जब वरिष्ठ एंकर अंजना ओम कश्यप ने नीट पेपर लीक पर चर्चा के दौरान यूट्यूब शिक्षकों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि एक्सप्लेनर बनाते हैं, जानते कुछ नहीं और उन्हें दो कौड़ी के यूट्यूब गुरु तक कह दिया, तो यह सिर्फ एक टीवी बहस नहीं रही। यह बयान देखते ही देखते ब्लैकबोर्ड पर ब्रेकिंग न्यूज बन गया। वास्तव में, यह डिजिटल शिक्षा की बढ़ती ताकत के सामने मुख्यधारा मीडिया की असहजता को उजागर करता है। अंजना का यह हमला तथ्यों से अधिक पूर्वाग्रह का प्रतीक प्रतीत होता है।

जब लाखों छात्रों का भरोसा किसी मंच से जुड़ जाए, तो उस पर उठी उंगली केवल व्यक्तियों पर नहीं, पूरी व्यवस्था पर सवाल बन जाती है। अंजना ओम कश्यप की इस टिप्पणी को खान सर, अभिनय शर्मा जैसे लोकप्रिय यूट्यूब शिक्षकों पर भी लागू माना गया। उन्होंने कुछ डिजिटल शिक्षकों को 'बड़ा फ्रॉड' तक कह दिया। यह टिप्पणी ऐसे समय आई, जब लाखों छात्र ऑनलाइन शिक्षा के सहारे अपने सपने संवार रहे हैं। इसलिए इसे केवल कुछ शिक्षकों पर नहीं, बल्कि पूरे डिजिटल शिक्षा जगत की साख पर प्रहार माना गया। सवाल है, क्या यह आलोचना तथ्यों पर आधारित है या महज सुर्खियां बटोरने की कोशिश? क्या कुछ अपवादों के आधार पर पूरे समुदाय को कटघरे में खड़ा करना उचित है? शोर और आरोपों से परे, किसी भी व्यवस्था का मूल्यांकन उसके परिणामों से होता है। पिछले एक दशक में यूट्यूब आधारित शिक्षा ने लाखों छात्रों तक ज्ञान पहुंचाया, जिनकी पहुंच महंगी कोचिंग तक नहीं थी। खान सर और अभिनय शर्मा जैसे शिक्षकों ने दूर-दराज क्षेत्रों के युवाओं को अवसर, मार्गदर्शन और आत्मविश्वास दिया। इनके पक्ष में सबसे बड़ा प्रमाण लाखों सफल छात्र हैं। यदि यह कुछ नहीं जानते, तो यह सफलता कैसे संभव हुई? हालांकि कुछ अपवाद हो सकते हैं, लेकिन उनसे पूरे योगदान को नकारा नहीं जा सकता। अंजना जी, यह आरोप केवल शिक्षकों पर नहीं, उनके समर्पण और मेहनत पर भी सवाल उठाता है। जब दुनिया थम-सी गई थी और शिक्षा के पारंपरिक रास्ते बंद हो गए थे, तब डिजिटल मंचों ने सीखने की लौ बुझने नहीं दी। कोविड महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षक लाखों विद्यार्थियों के लिए सहारा बने। स्कूलों और कक्षाओं के बंद रहने पर मोबाइल और इंटरनेट के जरिए शिक्षा घर-घर पहुंची। जहां कई कोचिंग संस्थानों की फीस लाखों रूपए तक है, वहीं अनेक यूट्यूब शिक्षक मुफ्त या कम लागत पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देते रहे। डिजिटल प्लेटफॉर्म ने शिक्षा को सीमित दायरों से निकालकर आम लोगों तक पहुंचाया है। ऐसे योगदान को अनदेखा कर पूरे समुदाय को फ्रॉड बताना न केवल अनुचित, बल्कि एकतरफा दृष्टिकोण भी है। हालांकि कुछ चैनलों में क्लिकबेट, भ्रामक थंबनेल और पेड कोर्स की आक्रामक मार्केटिंग जैसी समस्याएं भी मौजूद हैं। विवाद के बीच शिक्षकों की प्रतिक्रिया ने अंजना के आरोपों पर नए सवाल खड़े कर दिए। अभिनय सर और खान सर जैसे शिक्षकों ने कहा कि उनका काम छात्रों का भविष्य संवारना है, न कि सनसनी फैलाना। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई उन्हें ज्ञानहीन सिद्ध कर दे, तो वे सीखने को तैयार हैं, लेकिन निराधार आरोप स्वीकार्य नहीं हैं। दूसरी ओर, सोशल मीडिया पर छात्रों ने भी खुलकर उनका समर्थन किया। हजारों प्रतिक्रियाओं में छात्रों ने बताया कि इन शिक्षकों ने शिक्षा को महंगे दायरों से निकालकर आम लोगों तक पहुंचाया है। ऐसे में दो कौड़ी जैसी टिप्पणी केवल शिक्षकों पर नहीं, बल्कि उन लाखों छात्रों और परिवारों के विश्वास पर भी चोट करती है, जो उन्हें अपना मार्गदर्शक मानते हैं।

इस प्रकरण ने मुख्यधारा मीडिया की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े किए हैं। जब यूट्यूब शिक्षक नीट लीक, सीबीएसई विवादों और शिक्षा व्यवस्था की खामियों पर आवाज उठाते हैं, तो उन्हें फ्रॉड कहकर खारिज कर दिया जाता है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि क्या टीवी एंकर हर विषय के अंतिम विशेषज्ञ हैं? यदि डिजिटल मंचों की विश्वसनीयता पर संदेह किया जाता है, तो टीआरपी-केंद्रित बहसों की निष्पक्षता भी जांच के दायरे में आनी चाहिए। अंजना ओम कश्यप का बयान इसी विरोधाभास को उजागर करता है। एक ओर डिजिटल शिक्षक शिक्षा की पहुंच बढ़ा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उनके योगदान पर संदेह जताया जा रहा है। डिजिटल शिक्षा जगत भी कमियों से पूरी तरह अछूता नहीं है। कुछ यूट्यूब चैनलों पर क्लिकबेट और भ्रामक जानकारी की समस्या मौजूद है, जिसकी आलोचना और जवाबदेही आवश्यक है। कुछ टीचर्स पर पेपर लीक या गलत मार्गदर्शन के आरोप भी लगते रहे हैं। लेकिन कुछ उदाहरणों के आधार पर पूरे समुदाय को फ्रॉड या दो कौड़ी का कहना उचित नहीं। शिक्षा में गुणवत्ता जरूरी है, पर उसके नाम पर पूरे आंदोलन को अपमानित नहीं किया जा सकता। किसी भी व्यवस्था का मूल्यांकन तथ्यों और परिणामों से होना चाहिए, न कि अपमानजनक टिप्पणियों से। अंजना का बयान इसी अतिसामान्ईकरण की मिसाल प्रतीत होता है। वस्तुत:, इस पूरे विवाद का केंद्र कोई एंकर या शिक्षक नहीं, बल्कि शिक्षा का बदलता परिदृश्य है। आज करोड़ों छात्र सीमित संसाधनों के बीच डिजिटल मंचों के सहारे अपने भविष्य का निर्माण कर रहे हैं। ऐसे में मुख्यधारा मीडिया और डिजिटल शिक्षा जगत, दोनों से संतुलन, जवाबदेही और संवाद की अपेक्षा है। किसी शिक्षक का मूल्यांकन आरोपों या उपहास से नहीं, बल्कि उसके विद्यार्थियों की उपलब्धियों से होना चाहिए। दो कौड़ी के गुरु जैसी टिप्पणी केवल शिक्षकों पर नहीं, बल्कि उन करोड़ों छात्रों के विश्वास और आकांक्षाओं पर भी आघात हैय ऐसे में संबंधित टिप्पणी पर पुनर्विचार और खेद की अपेक्षा स्वाभाविक है। शिक्षा राष्ट्र की नींव हैय इसलिए इस पर विमर्श पूर्वाग्रह नहीं, तथ्यों और सम्मान के आधार पर होना चाहिए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

रूसी बैलेस्टिक मिसाइलों से दहल उठा कीव

13 की मौत, यह हाल के महीनों में मॉस्को की ओर से किए गए सबसे बड़े हमलों में से एक

कीव। यूक्रेन पर रूस के मिसाइल और ड्रोन हमले में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई है। इनमें से नौ लोग निप्रो में और चार राजधानी कीव में मारे गए। यह हाल के महीनों में मॉस्को की ओर से किए गए सबसे बड़े हमलों में से एक है। बीबीसी के अनुसार, रात भर हुए इन हवाई हमलों में आवासीय इमारतें मलबे में तब्दील हो गईं, जिसमें कई बच्चों सहित दर्जनों लोग घायल हुए हैं।

आपातकालीन दल कीव में मलबे के नीचे दबे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए तेजी से काम कर रहा है। मंगलवार तड़के यूक्रेन के अधिकतर हिस्सों में हवाई हमले के अलर्ट जारी कर दिए गए थे। मंगलवार को राजधानी कीव के केंद्र से धुएं के बड़े गुबार उठते देखे गए, जहां सैन्य प्रशासन प्रमुख ने बैलिस्टिक

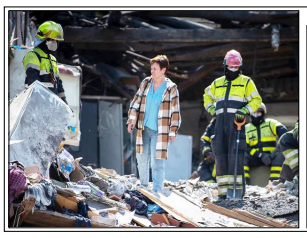

■ रातभर हुए इन हवाई हमलों में आवासीय इमारतें मलबे में तब्दील हो गईं, जिसमें कई बच्चों सहित दर्जनों लोग घायल हुए हैं: बीबीसी

मिसाइलें दागे जाने की चेतावनी दी। वहीं, कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने निवासियों से शेल्टरों में ही रहने का आग्रह किया। सुबह-सुबह हुए इन हमलों के दौरान एक के बाद एक दर्जन से अधिक तेज विस्फोटों की आवाजों के बीच ड्रोनों की गूंज सुनी जा सकती थी। मेयर क्लिट्स्को ने बताया कि इस हमले के कारण एक पेट्रोल पंप, एक निर्माण स्थल, कई अपार्टमेंट ब्लॉकों और दो घरों के पास आग लग गई। पूरे शहर में बिजली गुल होने की भी रिपोर्टें हैं। रूस के रक्षा मंत्रालय ने इस कार्रवाई को यूक्रेन के पिछले हमलों का जवाब बताते हुए एक बयान में कहा कि इस 'हमले के सभी उद्देश्य' पूरे कर लिए गए हैं। पिछले हफ्ते पूर्वी यूक्रेन के कब्जे वाले हिस्से में एक छात्र छात्रावास पर हुए घातक हमले के लिए यूक्रेन को जिम्मेदार ठहराते हुए रूस ने 'व्यवस्थित हमला' शुरू करने की चेतावनी दी थी। वहीं, यूक्रेन का कहना था कि उसने रूस की एक सैन्य इकाई को निशाना बनाया था। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने सोमवार रात अपने वीडियो संबोधन में ही एक 'बड़े हमले' की आशंका जताते हुए निवासियों से हवाई हमले के अलर्ट पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया था। मंगलवार सुबह जेलेंस्की ने बताया कि रूस ने रात भर चले इस हमले में 656 स्ट्राइक ड्रोन और बैलिस्टिक, क्रूज व एंटी-शिप सहित विभिन्न प्रकार की 73 मिसाइलें दागी हैं। रूसी मिसाइलों को रोकने के लिए इस्तेमाल होने वाले इंटरसेप्शन हार्डवेयर का जिक्र करते हुए यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा कि हमें पैट्रियट सिस्टम के लिए मिसाइलों की आपूर्ति के लिए अमेरिका से तत्काल मदद की आवश्यकता है।

भारत-दक्षिण अफ्रीका द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाएंगे

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के उपराष्ट्रपति शिपोकोसा पॉलुस माशातिले ने मंगलवार को यहां उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता जताई। दोनों नेताओं ने भारत-दक्षिण अफ्रीका द्विपक्षीय संबंधों को और सुदृढ़ बनाने पर सार्थक चर्चा की, जिसमें व्यापार, निवेश, रक्षा सहयोग, कौशल विकास तथा जन-से-जन संबंधों को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया गया। उन्होंने विकासशील देशों की प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने तथा ब्रिक्स, जी-20, इब्सा और हिद महासागर तटीय संघ जैसे बहुपक्षीय मंचों में सहयोग बढ़ाने पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों की पूर्ण क्षमता का उपयोग करने के उपायों पर चर्चा की।

श्रीनगर। हवाई अड्डे पर मक्का से आने वाले हज यात्रियों के पहले जत्थे का स्वागत करते जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला।

जल्द शुरू हो सकता है 'अल नीनो' का खतरनाक दौर

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि 'अल नीनो' का एक नया और खतरनाक दौर अगले कुछ हफ्तों में शुरू हो सकता है, जिससे जलवायु परिवर्तन की मार झेल रही धरती के तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) की ओर से जारी इस चेतावनी में कहा गया है कि अल नीनो के साल 2026 के बाकी महीनों में और मजबूत होने का अनुमान है, जिससे दुनिया के कई हिस्सों में भीषण और चरम मौसम देखने को मिल सकता है।कई देशों की मौसम एजेंसियों के अनुमान बताते हैं कि यह अब तक का सबसे मजबूत अल नीनो हो सकता है, जिसे विशेषज्ञ 'सुपर अल नीनो' भी कह रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

अवैध तरीके से ट्रक चलाने वाले 30 भारतीय गिरफ्तार

न्यूयॉर्क। अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे और व्यावसायिक ट्रक चलाने वाले लगभग 30 भारतीयों को एक संघीय अभियान के तहत गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने कहा है कि इन सभी को जल्द ही देश से निर्वासित किया जाएगा। अमेरिकी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा एजेंसी ने सोमवार को जारी बयान में बताया कि 11 से 15 मई के बीच एरिजोना के युमा सेक्टर में चलाए गए 'आपरेशन चेकमेट' के दौरान सीमा गश्ती एजेंटों ने 52 लोगों को गिरफ्तार किया, जो अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे थे।

अमेरिका के आयोवा में अंधाधुंध गोलीबारी सात लोगों की मौत

आयोवा (अमेरिका)। अमेरिका के आयोवा राज्य के मस्कटाइन में एक घरेलू विवाद के कारण गोलीबारी हुई। इस घटना में छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस विभाग के अनुसार, बंदूकधारी ने भी खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बंद. कधारी की पहचान 52 वर्षीय रयान विलिस मैकफार्लेंड के रूप में की है। उसने तीन अलग-अलग स्थानों पर छह व्यक्तियों की हत्या की। इसके बाद उसने खुद को भी गोली मार ली। मस्कटाइन पुलिस विभाग को दोपहर करीब 12:12 बजे गोल. ीबारी की सूचना मिली थी।

यूएनईपी ने भीषण गर्मी से निपटने के लिए शुरू की पहल

नैरोबी। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम ने दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते और जानलेवा मौसमी खतरों में से एक 'भीषण गर्मी' से निपटने के लिए एक नया वैश्विक अभियान शुरू किया है। विश्व पर्यावरण दिवस से ठीक पहले 'हीट एक्शन डे' पर शुरू की गई इस पहल में दुनिया भर के 50 से अधिक शहर एक साथ आए हैं। 'फिफ्टी एट फिफ्टी' नामक इस पहल का मुख्य उद्देश्य भीषण गर्मी से निपटने की तैयारियों को मजबूत करना है।

लेबनान पर इजरायली हमले से ट्रम्प नाराज

इजरायल के पीएम नेतन्याहू को फोन कर फटकार लगाई, कहा: पागल हो गए हो क्या, तुरंत ये सब रोको

■ नेतन्याहू ने सेना को लेबनान में अपने जमीनी अभियान का विस्तार करने का निर्देश दिया है
■ इजरायल ने नबातिएह शहर के निकट एक रणनीतिक पहाड़ी पर स्थित ऐतिहासिक ब्यूफोर्ट किले पर भी कब्जा कर लिया है

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंज. मिन नेतन्याहू को लेबनान में इजरायल की सैन्य कार्रवाई को लेकर कड़ी फटकार लगाते हुए संयम बरतने की सलाह दी है। एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार ट्रम्प ने टेलीफोन पर बातचीत में नेतन्याहू को 'पागल' बताया और उन पर कृतघ्न होने का आरोप लगाया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बातचीत के दौरान एक समय ट्रम्प ने ऊंची आवाज में पूछा कि आप आखिर कर क्या रहे हैं? यह कथित बातचीत उस समय हुई जब नेतन्याहू ने इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) को बेरूत के दाहिएह क्षेत्र में हिजबुल्ला के ठिकानों पर हमला करने का आदेश दिया था। इजरायली सेना द्वारा जमीनी अभियान तेज किए जाने और वर्षों में पहली बार लेबनान के भीतर अधिक गहराई तक प्रवेश करने के कारण दक्षिणी लेबनान में हजारों लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं। नेतन्याहू ने रविवार को जारी एक बयान में कहा था कि उन्होंने सेना को लेबनान में अपने जमीनी अभियान का विस्तार करने का निर्देश दिया है। इजरायल ने नबातिएह शहर के निकट एक रणनीतिक पहाड़ी पर स्थित ऐतिहासिक ब्यूफोर्ट किले पर भी कब्जा कर लिया है। इजरायली सेना ने इससे पहले 1982 में इस 12वीं शताब्दी के किले पर कब्जा किया था और लेबनान से वापसी करने तक 18 वर्षों तक उस पर नियंत्रण बनाए रखा था। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि ईरान और अमेरिका के बीच हुए युद्धविराम का किसी भी एक मोर्चे पर उल्लंघन पूरे युद्धविराम समझौते का उल्लंघन माना जाएगा, जिसमें लेबनान भी शामिल है। अराघची ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि यह युद्धविराम बिना किसी अस्पष्टता के सभी मोर्चों पर लागू एक व्यापक युद्धविराम है, जिसमें लेबनान भी शामिल है।

उन्होंने लिखा कि इस युद्धविराम का किसी एक मोर्चे पर किया गया कोई भी उल्लंघन सभी मोर्चों पर युद्धविराम के उल्लंघन के रूप में माना जाएगा। विदेश मंत्री ने कहा कि युद्धविराम के किसी भी उल्लंघन के परिणामों की जिम्मेदारी अमेरिका और इजरायल पर होगी। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब लेबनान में युद्धविराम लागू होने के बावजूद इजरायल की ओर से हमले जारी हैं। ईरानी समाचार एजेंसी इरना की रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल रक्षा बलों ने दक्षिणी लेबनान के कस्बों और गांवों पर हमले जारी रखे हैं, जिनमें घरों और नागरिकों को निशाना बनाया गया। इसे युद्धविराम का बार-बार उल्लंघन बताया गया है।

युद्धविराम पर सहमति होने के बावजूद के लेबनान में झड़पें जारी

बेरूत/तेल अवीव। अमेरिका की तैयार की गई आंशिक युद्धविराम योजना को इजरायल और हिजबुल्ला दोनों पक्षों की ओर से स्वीकार किए जाने के बाद भी लेबनान में जमीनी स्तर पर संघर्ष थमने का नाम नहीं ले रहा है। समझौते की घोषणा के बावजूद आज भी अलग-अलग इलाकों में दोनों पक्षों के बीच भीषण झड़पें जारी रहीं। बीबीसी ने सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट की है कि दक्षिणी लेबनान और सीमावर्ती क्षेत्रों में सैन्य गतिविधियां लगातार देखी जा रही हैं। इजरायली सेना और हिजबुल्ला के लड़ाके कई मोर्चों पर आमने-सामने हैं। इस कारण इस शांति समझौते के टिके रहने पर गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं। इस आंशिक युद्धविराम का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में जारी मानवीय संकट को कम करना और पूर्ण शांति के लिए रास्ता तैयार करना था। हालांकि जमीनी हकीकत इसके उलट नजर आ रही है, जहां दोनों ही पक्ष एक-दूसरे पर समझौते के उल्लंघन का आरोप लगा रहे हैं। राजनयिक हलकों में चिंता जताई जा रही है कि यदि इन झड़पों को तुरंत नहीं रोका गया तो स्थिति एक बार फिर पूरी तरह नियंत्रण से बाहर हो सकती है।

इजरायली हमलों से गाजा में मृतक संख्या बढ़कर 72938 हुई

■ पिछले 48 घंटों के दौरान सात शवों और 25 घायलों को गाजा के अस्पतालों में लाया गया

गाजा। फलस्तीन के गाजा पट्टी क्षेत्र पर इजरायल के हमले निरंतर जारी है और इन हमलों से गाजा में अब तक मरने वालों की संख्या बढ़कर 72938 पहुंच गई है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि पिछले 48 घंटों के दौरान सात शवों और 25 घायलों को गाजा के अस्पतालों में लाया गया है।

मंत्रालय के अनुसार पिछले साल 11 अक्टूबर को युद्धविराम लागू होने के बाद से अब तक गाजा में 929 लोगों की मौत हो चुकी है और 2811 अन्य घायल हुए हैं। इसके अलावा मलबे के नीचे से 781 शवों को भी निकाला गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, सात अक्टूबर 2023 से अब तक गाजा में मृतकों की कुल संख्या 72938 और घायलों की संख्या 172919 तक पहुंच गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इजरायल ने अमेरिका के समर्थन से सात अक्टूबर 2023 को गाजा पट्टी के निवासियों के खिलाफ व्यापक सैन्य अभियान शुरू किया था। हालांकि, वह हमास आंदोलन को समाप्त करने और इजरायल के बंदियों की वापसी सुनिश्चित करने के अपने घोषित उद्देश्यों को हासिल करने में विफल रहा और अंतत: हमास के साथ युद्धविराम पर सहमत होना पड़ा। रिपोर्ट के अनुसार, युद्धविराम लागू होने के बाद भी इजरायल ने इसके कुछ प्रावधानों को लागू करने से इनकार किया है और गाजा पट्टी पर अपने सैन्य अभियान जारी रखे हैं।

एक भी मोर्चे पर युद्धविराम का उल्लंघन पूरे समझौते का उल्लंघन: अराघची

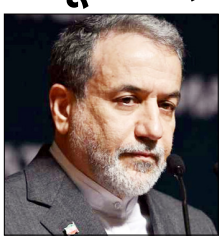

■ युद्धविराम के किसी भी उल्लंघन के परिणामों की जिम्मेदारी अमेरिका और इजरायल पर होगी

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि ईरान और अमेरिका के बीच हुए युद्धविराम का किसी भी एक मोर्चे पर उल्लंघन पूरे युद्धविराम समझौते का उल्लंघन माना जाएगा, जिसमें लेबनान भी शामिल है। अराघची ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि यह

ईरान ने उत्तरी इजरायली निवासियों को इलाका खाली करने की दी चेतावनी

तेहरान। ईरान ने इजरायल के कब्जे वाले उत्तरी इलाकों के लोगों को चेतावनी दी है कि अगर इजरायल ने लेबनान की राजधानी बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर हमला किया तो वे तुरंत यहां से निकल जाएं ईरानी समाचार एजेंसी के अनुसार, 'खातम अल-अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर' की ओर से सोमवार को जारी एक बयान में कहा गया है कि इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बेरूत के दक्षिणी उपनगर दहियाह के साथ-साथ खुद लेबनानी राजधानी पर भी बमबारी करने की धमकी दी है।

सैनिकों की कमी से जूझ रहे इजरायल में बवाल

सैन्य भर्ती के खिलाफ कट्टरपंथी यहूदी सड़कों पर उतरे, हिंसा प्रदर्शन के साथ-साथ आगजनी

तेल अवीव। इजरायल में अनिवार्य सैन्य भर्ती के विरोध में हजारों अति-रूढ़िवादी (अल्ट्रा- आर्थोडाक्स) यहूदियों ने देशभर में प्रदर्शन किया। जिससे हिंसा और बवाल की स्थिति बन गई। प्रदर्शनकारियों ने प्रमुख सड़कों और रेल मार्गों को अवरुद्ध कर दिया तथा कई स्थानों पर वाहनों में आग लगा दी, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ। इजरायली पुलिस के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने कई प्रमुख चौराहों को जाम कर दिया और एक स्थान पर बस से उतरे एक सैनिक पर भी हमला किया।

भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को वाटर कैनन और घुड़सवार बल का सहारा लेना पड़ा। विरोध प्रदर्शन के कारण यरुशलम और तेल अवीव महानगरीय क्षेत्र समेत देश के मध्य हिस्से में यातायात व्यवस्था लगभग ठप हो गई। कई राजमार्ग बंद कर दिए गए और सार्वजनिक परिवहन सेवाएं बाधित रहीं। इजरायल में अधिकांश यहूदी पुरुषों और महिलाओं के लिए सैन्य सेवा अनिवार्य है। हालांकि, राजनीतिक रूप से प्रभावशाली अल्ट्रा-आर्थोडाक्स समुदाय को लंबे समय से धार्मिक शिक्षण संस्थानों में अध्ययन के आधार पर सैन्य सेवा से छूट मिलती रही है। अब इस छूट पर खतरा मंडरा रहा है। कई आम इजरायली नागरिक इस व्यवस्था से नाराज हैं, क्योंकि लगातार सैन्य अभियानों के चलते इजरायली सेना सैनिकों की कमी से जूझ रही है, जिससे सेना पर दबाव बढ़ रहा है। इस बीच भी अल्ट्रा-आर्थोडाक्स समुदाय के अधिकांश युवा भर्ती से बाहर रहते हैं। यही मुद्दा प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार के लिए भी संकट बन गया है। अल्ट्रा-आर्थोडाक्स दलों द्वारा समर्थन वापस लेने के बाद समय से पहले चुनाव की आशंका भी बढ़ गई है। संसदीय समिति के आंकड़ों के अनुसार, हर साल करीब 13000 अल्ट्रा-आर्थोडाक्स युवा 18 वर्ष की भर्ती आयु तक पहुंचते हैं, लेकिन इनमें से 10 प्रतिशत से भी कम सेना में शामिल होते हैं।

■ भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को वाटर कैनन और घुड़सवार बल का सहारा लेना पड़ा

सैनिकों की भारी कमी से जूझ रही इजरायली सेना अनिवार्य सैन्य सेवा की अवधि बढ़ाने पर विचार कर रही है। वर्तमान में अधिक. ांश यहूदी पुरुषों को लगभग तीन वर्ष और महिलाओं को दो वर्ष की अनिवार्य सैन्य सेवा देनी होती है, जिसके बाद रिजर्व ड्यूटी भी करनी पड़ती है। यरुशलम में प्रदर्शनकारी इजरायल ट्रापर ने कहा, श्यह समुदाय इसे अपने अस्तित्व की लड़ाई मानता है। सेना में शामिल होने का मतलब धर्म से समझौता करना है। हम अपना धर्म नहीं छोड़ना चाहते, इसलिए यह हमारे लिए जीवन-मरण का सवाल है। कई प्रदर्शनकारियों ने ऐसे पोस्टर भी उठाए जिन पर लिखा था कि हम जियोनिस्ट बनकर जीने से बेहतर यहूदी बनकर मरना पसंद करेंगे।

डोनाल्ड ट्रम्प सरकार को बड़ा झटका

संघीय अपील अदालत के न्यायाधीशों ने ट्रांसजेंडर सैनिकों को प्रतिबंधित करने को अवैध करार दिया

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन की वह नीति, जिसके तहत ट्रांसजेंडर सैनिकों को सैन्य सेवा से बाहर रखा गया था, अवैध है। संघीय अपील अदालत के न्यायाधीशों के एक विभाजित पैनल ने यह फैसला सुनाया। अमेरिकी अपील अदालत के डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया सर्किट के तीन न्यायाधीशों के पैनल के बहुमत वाले फैसले में मार्च 2025 में वाशिंगटन डीसी की अमेरिकी जिला न्यायाधीश एना रेयेस के फैसले को बड़े पैमाने पर बरकरार रखा गया।

रेयेस ने अपने फैसले में कहा था कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का ट्रांसजेंडर सैनिकों को सैन्य सेवा से बाहर करने संबंधी कार्यकारी आदेश संभवत: उनके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। रेयेस द्वारा छह सक्रिय ट्रांसजेंडर सैन्यकर्मियों और सेना में शामिल होने की इच्छा रखने वाले दो अन्य लोगों की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक निषेधाज्ञा

■ संघीय अपील अदालत के न्यायाधीशों के एक विभाजित पैनल ने यह फैसला सुनाया

जारी किए जाने के बाद प्रशासन ने इसके खिलाफ अपील की थी। अपील अदालत के बहुमत ने फैसला दिया कि निषेधाज्ञा का दायरा सीमित किया जाए और यह केवल उन वादियों पर लागू हो जो वर्तमान में सेना में सेवा दे रहे हैं। सेना में शामिल होने की कोशिश कर रहे लोगों को इसमें शामिल नहीं किया गया। यह फैसला तत्काल प्रभाव से लागू नहीं होगा, जिससे ट्रम्प प्रशासन को पूरे अपील न्यायालय से मामले की सुनवाई कराने का अनुरोध करने के लिए समय मिल जाएगा। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट पिछले वर्ष ट्रांसजेंडर सैन्य प्रतिबंध को लागू रहने की अनुमति दे चुका है, जबकि इस मामले से जुड़ी कानूनी प्रक्रिया अभी जारी है। इस प्रतिबंध को चुनौती देने वाला एक अन्य मुकदमा वाशिंगटन राज्य में भी दायर किया गया था, जिसमें अदालत ने नीति को चुनौती देने वाले वादियों के पक्ष में फैसला सुनाया था। जनवरी 2025 में ट्रम्प ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें कहा गया था कि ट्रांसजेंडर सैन्यकर्मियों की यौन पहचान श्एक सैनिक की सम्मानजनक, सत्यनिष्ठ और अनुशासित जीवनशैली के प्रति प्रतिबद्धता से टकराती है, यहां तक कि उसके निजी जीवन में भी और यह सैन्य तैयारियों के लिए हानिकारक है।

हिंदूफोबिया और मंदिरों पर हमलों की निंदा का प्रस्ताव

वाशिंगटन। अमेरिका के एक प्रमुख सांसद ने प्रतिनिधि सभा के उस प्रस्ताव का समर्थन किया है, जिसमें हिंदू-अमेरिकी समुदाय के देश की अर्थव्यवस्था में योगदान का सम्मान किया गया है। इसके साथ ही हिंदूफोबिया, हिंदू विरोधी पूर्वाग्रह और मंदिरों पर हमलों की निंदा की गई है।

इस प्रस्ताव का समर्थन सोमवार को डेमोक्रेट सांसद रो खन्ना ने किया। इसे मिशिगन से भारतीय मूल के डेमोक्रेट सांसद थानेदार ने पेश किया था। 24 जनवरी 2025 को पेश किए गए इस प्रस्ताव को अब तक 32 सांसदों का समर्थन मिल चुका है। इनमें राजा कृष्णमूर्ति और सुहास सुब्रमण्यम भी शामिल हैं। कैलिफोर्निया का प्रतिनिधित्व करने वाले डेमोक्रेट सांसद रो खन्ना ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस प्रस्ताव के समर्थन की घोषणा की। रो खन्ना ने अपनी पोस्ट में कहा कि मुझे सांसद थानेदार के विधेयक **H-Res-69** का सह-प्रायोजक बनने पर गर्व है। यह प्रस्ताव अमेरिका में हिंदू-अमेरिकी समुदाय के निरंतर योगदान और उसकी जीवंत विविधता का सम्मान करता है, जबकि हम अपने देश के बहुजातीय लोकतंत्र को और मजबूत बनाने के लिए काम कर रहे हैं। प्रस्ताव में कहा गया है कि हिंदू धर्म दुनिया के सबसे बड़े और सबसे प्राचीन धर्मों में से एक है, जिसके 100 से अधिक देशों में 1.2 अरब से ज्यादा अनुयायी हैं। इसमें जिक्र किया गया है कि हिंदू धर्म विभिन्न परंपराओं और आस्था प्रणालियों का समूह है, जो स्वीकार्यता, पारस्परिक सम्मान और शांति जैसे सार्वभौमिक मूल्यों को बढ़ावा देता है।

■ भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने किया समर्थन
अमेरिका ने 40 लाख से ज्यादा हिंदुओं का किया स्वागत

यौन समस्याएं
यौन समस्याओं के विशेषज्ञ

पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें
डा. सम्राट
नशामुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉन कैप्सूल अफीम, चरस, डोडे पोस्त इंजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।
नावल्टी सिनेमा चौक
मुजफ्फरनगर (यू.पी.)
M-9412211108